THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 71 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.11 2083 गुरुवार, 11 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शुभेंदु सरकार में विभागों का बंटवारा

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को मंत्रियों के विभागों का औपचारिक बंटवारा करते हुए नई अधिसूचना जारी की। राज्यपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को गृह एवं पर्वतीय मामले, भूमि एवं भूमि सुधार, शरणार्थी राहत एवं पुनर्वास, बिजली, सूचना एवं संस्कृति तथा कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा जिन विभागों का आवंटन अन्य मंत्रियों को नहीं किया गया है, वे भी मुख्यमंत्री के पास रहेंगे। 1 जून को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में कुल 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 41 हो गई है।

'जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी'

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी भारत में लगातार सबसे लंबा कार्यकाल पूरा करने वाले प्रधानमंत्री बने हैं। इस खास अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है। विनम्रता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ निरंतर कार्य करने वाला व्यक्ति ही जनविश्वास अर्जित करता है।' हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 14 साल से ज्यादा समय तक पद पर रहीं, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार नहीं था। इस वजह से पीएम मोदी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बने हैं। >14

मोदी ने खाई झालमुड़ी, दिखा देशी अंदाज

*** मोदी ने 4399 दिन प्रधानमंत्री रहकर नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा * दिल्ली में एनडीए ने सम्मान किया**

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनके कार्यकाल के आज 4,399 दिन पूरे हो गए। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार पीएम पद की शपथ ली थी। अभी उनका यह तीसरा कार्यकाल चल रहा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एनडीए की अहम बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला।

पश्चिम बंगाल की मशहूर झालमुड़ी का स्वाद लेते हुए एक बार फिर पीएम मोदी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रधानमंत्री सहयोगी नेताओं के साथ हंसी-मजाक करते और झालमुड़ी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'आज एनडीए बैठक में साथी नेताओं के साथ झालमुड़ी साझा की।' दरअसल, झालमुड़ी केवल एक लोकप्रिय बंगाली स्ट्रीट फूड नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में यह पश्चिम बंगाल की राजनीति का भी प्रतीक बन गई है। विधानसभा चुनाव के दौरान झारग्राम में पीएम मोदी के झालमुड़ी स्टॉल पर रुकने को बीजेपी ने स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव के संदेश के रूप में पेश किया था। बाद में प्रधानमंत्री ने अपने चुनावी अभियान में भी इसका जिक्र किया था।

12 साल पूरे होने पर जुटे एनडीए के दिग्गज

यह बैठक ऐसे समय हुई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ वह लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले भारत के पहले नेता बन गए हैं। बैठक में एनडीए शासित 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई।

संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना। इसके बाद नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित पीएम रहे। इस कार्यकाल 4398 वें दिन का रहा था। इस तरह निर्वाचित पीएम के तौर पर मोदी नेहरू से आगे निकल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह समेत केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री और गठबंधन दलों के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक में सुशासन, विकास और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सीएम ऑफिस और आरएसएस मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के तीन शहरों में बुधवार को कई प्रमुख स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां छानबीन में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि धमकी भरे ईमेल में मुंबई की मेयर, पुणे महापालिका, नागपुर की अहम जगहों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मिली जानकारी के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में आईईडी के इस्तेमाल का जिक्र है और कथित हमलों के लिए कुछ तारीखों और समय का भी जिक्र किया गया है।

मुंबई की मेयर को मिले धमकी ईमेल में उनकी कार और केबिन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। एहतियात के तौर पर इमारत को खाली कराया गया।

'ईरान ने खो दिया मौका, अब चुकानी होगी कीमत'

ट्रंप ने दी धमकी, पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि उसकी सेना पूरी तरह बिखर चुकी है। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी हैं। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'ईरान की सेना पूरी तरह और संपूर्ण रूप से अव्यवस्थित हो चुकी है। इसका बड़ा हिस्सा, जैसे उसकी नौसेना और वायुसेना, अब लगभग अस्तित्व में ही नहीं है। उन्हें पूरी तरह पराजित कर दिया गया है।'

ट्रंप ने कहा, 'ईरान सिर्फ बातें करता है, कार्रवाई नहीं करता। पश्चिम एशिया का दबंग अब खत्म हो चुका है।' ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते का जिक्र करते हुए कहा, 'उन्होंने ऐसे समझौते पर बातचीत करने में बहुत देर कर दी, जो उनके लिए बहुत अच्छा साबित हो सकता था। अब उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।' अमेरिका और ईरान के बीच तनाव उस समय और बढ़ गया, जब ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दक्षिणी ईरान में अमेरिका के हमलों के जवाब में बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी-संबंधित ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस घटनाक्रम ने क्षेत्र में और अधिक सैन्य टकराव की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। इससे पहले अमेरिकी सेना ने कहा था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक अमेरिकी हेलिकॉप्टर गिराए जाने की रिपोर्टों के बाद ईरानी ठिकानों के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले किए थे।

300 और के9 वज्र तोपें खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना जल्द ही अपनी आर्टिलरी ताकत में बड़ा इजाफा कर सकती है। सेना ने करीब 23,000 करोड़ रुपये की लागत से और 300 के9 वज्र-टी ऑटोमैटिक तोपें खरीदने की योजना बनाई है। यह वही तोप है जिसने लद्दाख की कठिन परिस्थितियों में भी शानदार प्रदर्शन किया था और सेना का भरोसा जीता है।

अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है, तो यह हाल के सालों में सेना की सबसे बड़ी आर्टिलरी खरीद परियोजनाओं में से एक होगी। चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर चुनौतियों के बीच सेना अपनी लंबी दूरी तक फायर करने की क्षमता को मजबूत करना चाहती है। के9 वज्र की बढ़ती संख्या से सेना को युद्ध के दौरान तेजी से हमला करने और दुश्मन को जवाब देने में बड़ी बढ़त मिल सकती है। के9 वज्र को शुरुआत में रेगिस्तानी इलाकों में तैनाती के लिए खरीदा गया था। साल 2020 के बाद चीन के साथ तनाव बढ़ने पर इसे ईस्ट लद्दाख में भी तैनात किया गया। बहुत ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी इसने हमारी सोच से बेहतर प्रदर्शन किया।

भारतीय सेना के पास फिलहाल 100 के9 वज्र तोपें सेवा में हैं। इसके अलावा 2024 में 100 और तोपों की खरीद को मंजूरी दी गई थी, जिसकी लागत लगभग 7,629 करोड़ रुपये थी। नया प्रस्ताव मंजूर होने पर सेना के के9 बेड़े की संख्या 500 के करीब पहुंच जाएगी, जिससे उसकी ऑटोमैटिक आर्टिलरी क्षमता में बड़ा उछाल आएगा। यह 155 मिमी/52 कैलिबर की ट्रैक्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉवित्जर तोप है। दुश्मन पर लंबी दूरी से सटीक हमला कर सकती है। 'शूट एंड स्कूट' क्षमता के कारण फायरिंग के तुरंत बाद अपनी स्थिति बदल सकती है। इससे दुश्मन की काउंटर-बैटरी फायरिंग से बचाव आसान हो जाता है।

टीएमसी के बागी सांसदों में बड़े सितारे भी

यूसुफ पठान, सायोनी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा टीएमसी के बागी सांसदों में शामिल

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस के 19 बागी सांसदों के नाम सामने आ गए हैं। इस सूची में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा के नाम है। गौरतलब हो की काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में टीएमसी के सांसदों ने अलग गुट बनाया है। टीएमसी के बागी सांसदों ने पत्र लिखकर लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला से अलग गुट को मान्यता देने का आग्रह किया है।

एक दिन पहले मंगलवार को ममता बनर्जी के खेमे से कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद ने दावा किया था कि बागी गुट के पास 19 का संख्या बल नहीं है। टीएमसी के पास कुल

28 सांसद हैं। ऐसे में अलग गुट के दो-तिहाई संख्या जरूरी है। जिन 19 सांसदों ने दस्तखत किए हैं उनमें शत्रुघ्न सिन्हा (आसनसोल), काकोली घोष (बरासात),जगदीश चंद्र बसुनिया (कूच बिहार), खली उर रहमान (जंगीपुर) , यूसुफ पठान (बहरामपुर), अबू ताहिर खान (मुर्शिदाबाद), पार्थ भौमिक (बैरकपुर), बापी हलधर (मथुरापुर), सायोनी घोष (जादवपुर) माला रॉय (कोलकाता साउथ), मिताली बाग (आरामबाग), दीपक अधिकारी (घाटल), कालीपद सोरेन (झालग्राम), जून मालिया (मेदिनीपुर), अरूप चक्रवर्ती (बांकुरा), शर्मिला सरकार (वर्धमान ईस्ट), असित कुमार मल्ल (बोलपुर), शताब्दी रॉय (बीरभूम) और रचना बनर्जी (हुगली) हैं। टीएमसी के बागी खेमे की अगुवाई कर रही काकोली घोष ने अलग गुट बनाने के बाद अपने तेवर दिखाए थे। >14

शरद पवार का भाजपा पर हमला

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी की निंदा की मोदी-नेहरू की तुलना को बताया गलत

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के भाजपा मंत्री गिरीश महाजन की कड़ी आलोचना की है। महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ टिप्पणी की थी। पवार ने इस बयान को गलत बताया। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना जवाहरलाल नेहरू से करने पर भी आपत्ति जताई। शरद पवार ने कहा कि मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री जरूर बने हैं, लेकिन उनकी तुलना नेहरू से करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मुंबई में अपनी पार्टी के 27वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए पवार ने कहा, देश के निर्माण और आजादी की लड़ाई में नेहरू के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका सम्मान करना हर भारतीय का कर्तव्य है। पवार ने कहा कि आजकल ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जैसा कोई दूसरा नेता नहीं है। उन्होंने माना कि मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं, जो एक अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन नेहरू की जगह अलग है और उनकी तुलना किसी और से नहीं हो सकती। नेहरू ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी के लिए कई साल जेल में बिताए थे। भारतीय उनके बलिदानों को कभी नहीं भूल सकते।

उठापटक के बीच राहुल गांधी से मिले अभिषेक बनर्जी

> कल सोनिया गांधी से मिली थीं 'दीदी'

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। ममता बनर्जी की सोनिया गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद टीएमसी के जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को हुई इस मुलाकात का मकसद इंडिया गठबंधन में तालमेल पर चर्चा करना था। दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने भी यह जानकारी दी। अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी से यह मुलाकात सीआईडी द्वारा टीएमसी के सेंट्रल ऑफिस और अभिषेक बनर्जी के ऑफिस में की गई जांच के बाद हुई है। अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कथित जाली हस्ताक्षर मामले की जांच चल रही है। गुरुवार को कोलकाता हाईकोर्ट इस मामले पर अभिषेक बनर्जी द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनवाई करेगी।

टीएमसी में उठापटक जारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से ही टीएमसी में उठापटक जारी है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के विधायकों के पहले ही दो फाड़ हो चुके हैं और अब टीएमसी लोकसभा सांसदों के भी गुट बनने की पूरी संभावना है। टीएमसी के बागी गुट का दावा है कि 28 में से 20 सांसद उनके साथ हैं और वो लोकसभा में बीजेपी को समर्थन करना चाहते हैं। इसी उठापटक के बाद से ही कांग्रेस और टीएमसी के संबंध बेहतर होते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन की मीटिंग में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचीं। इस मीटिंग में जब कांग्रेस के सहयोगी उसपर हमलावर थे, तब ममता बनर्जी कांग्रेस का बचाव करने वाले नेताओं में शामिल थीं।

सीआईडी की कार्रवाई के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। पार्टी ने विधायकों के हस्ताक्षर मेल न खाने के मामले में मंगलवार को राज्य के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट द्वारा पार्टी दफ्तरों में की गई कथित कार्रवाई को चुनौती दी है। बुधवार सुबह जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज वेकेशन कोर्ट में दायर याचिका में पार्टी के चार बार लोकसभा सदस्य रहे और सीनियर वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि मामले के मुख्य गवाहों की गैर-मौजूदगी में छापे और तलाशी अभियान चलाए गए। साथ ही, पार्टी के जिन दो दफ्तरों में एक साथ छापे और तलाशी अभियान चलाए गए, वहां मौजूद पार्टी के अहम दस्तावेजों की भी जांच-पड़ताल की गई। याचिका में कल्याण बनर्जी ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि छापे और तलाशी अभियान इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए चलाए गए कि तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्हें भेजे गए सीआईडी समन को चुनौती दी गई है।

नटराजन मामले में चुनाव आयोग से मिले कांग्रेस नेता, बताया-फैसले पर होगा विचार

भोपाल, 10 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रद्द किए जाने के मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। बुधवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात कर रिटर्निंग अधिकारी के फैसले को गलत, पक्षपातपूर्ण और कानून के विरुद्ध बताते हुए उसे तत्काल निरस्त करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जयराम रमेश, दीपा दासमुंशी, विवेक तन्खा, अभिषेक मनु सिंघवी और स्वयं मीनाक्षी नटराजन शामिल थीं। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग के समक्ष तर्क रखा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। पार्टी का कहना है कि उनके खिलाफ दायर निजी शिकायत पर अभी तक किसी अदालत ने संज्ञान नहीं लिया है। ऐसे में कानून की नजर में उनके खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण अस्तित्व में ही नहीं माना जा सकता था, इसलिए नामांकन पत्र में उसका उल्लेख न करने को आधार बनाकर नामांकन खारिज करना गलत है।

अभिषेक मनु सिंघवी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि रिटर्निंग अधिकारी का फैसला बेहद कमजोर और पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें नामांकन निरस्त होने की जानकारी मिली, उन्होंने मीनाक्षी नटराजन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की। सिंघवी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ निजी शिकायत दर्ज होने मात्र से आपराधिक मामला अस्तित्व में नहीं आ जाता।

कांग्रेस में नेतृत्व का अभाव, राहुल गांधी को कुछ लोगों ने मजबूरी में आगे बढ़ाया : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को सराहा है और उनकी उपलब्धियों को गिनाया है। इसके साथ ही, रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया है और कहा कि राहुल का कोई नेतृत्व नहीं है।

कांग्रेस में कुछ लोगों ने उन्हें मजबूरी में आगे बढ़ा रखा है। क्या भाजपा को भरोसा है कि 2029 में वह अपने दम पर 300 से अधिक सीटें हासिल कर सकती है? इस सवाल पर किरेन रिजिजू ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मुझे साफ दिखाई देता है कि देश को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोड़कर किसी और के बारे में नहीं सोचते हैं।' उन्होंने कहा, 'विपक्ष अपनी बात करता है और लोकतंत्र में उसे अधिकार भी है। देश के लोगों को भी अच्छे से

मालूम है कि जो 50 साल में नहीं हो पाया, वो पीएम मोदी ने 12 सालों में करके दिखाया है। सड़क बनाने की गति, रेलवे का विद्युतीकरण, एयरपोर्ट, घरों तक बिजली-पानी व गरीबों को घर, किसी भी क्षेत्र में देख सकते हैं, कोई तुलना नहीं की जा सकती है। 2014 से पहले देश चल रहा था, लेकिन 2014 के बाद देश दौड़ रहा है।'उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' बनाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जो काम किया है, वह निरंतर चलता रहेगा और देश की जनता का भी यही मानना है। जनता खुद कहती है कि 'मोदी देश की जरूरत हैं। उनके नेतृत्व में ही 'विकसित भारत' बनेगा। इस दौरान किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपने नेतृत्व और चरित्र के कारण कमजोर है। विशेषकर कांग्रेस पार्टी के कमजोर होने का कारण उनके नेता और चरित्र ही हैं।

कांग्रेस बिखर चुकी है। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार नहीं है। बिना नेतृत्व के कांग्रेस का आगे भविष्य नहीं है। किसी भी संगठन को आगे ले जाने के लिए एक नेता चाहिए होता है, लेकिन कांग्रेस में नेतृत्व नहीं है। राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी का कोई नेतृत्व नहीं है। कुछ लोगों ने उन्हें मजबूरी में आगे बढ़ा रखा है। वे देश के लिए नहीं जी सकते हैं। वे 70 प्रतिशत समय विदेशों में बिताते हैं। देश में वापस आकर एक-दो बयान देते हैं और फिर विदेश भाग जाते हैं।'

गूगल मैप ने किया गुमराह, मुजफ्फरनगर की बजाय पहुंच गए शामली

चार छात्रों की पुलिस भर्ती परीक्षा छूटी

मुजफ्फरनगर, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई, जहां चार अभ्यर्थी गूगल मैप की गलती के कारण अपना परीक्षा केंद्र नहीं ढूंढ पाए और परीक्षा से वंचित रह गए। अभ्यर्थियों को मुजफ्फरनगर के दीपचन्द ग्रीन इण्टर कॉलेज में परीक्षा देनी थी, लेकिन गूगल मैप पर गलत लोकेशन दर्ज होने के कारण वे भ्रमित होकर जनपद शामली पहुंच गए। परीक्षा के अंतिम दिन गाजियाबाद से आए चार अभ्यर्थियों ने अपने प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित परीक्षा केंद्र, दीपचन्द ग्रीन इण्टर कॉलेज, मुजफ्फरनगर का पता लगाने के लिए गूगल मैप का सहारा लिया। दुर्भाग्यवश, गूगल मैप ने कॉलेज की लोकेशन को जनपद शामली के चंदेढी गांव में दिखाया। इस गलत दिशा-निर्देश के कारण अभ्यर्थी सीधे शामली पहुंच गए।

23 की उम्र में 19 सरकारी भर्ती एग्जाम किए क्लियर

> छत्तीसगढ़ की चारु पांडेय को गोल्ड मेडल से सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। जहां आज के समय में देश के युवा की यह कोशिश होती है कि कड़ी मेहनत करके एक सरकारी नौकरी हासिल कर ली जाए वहां छत्तीसगढ़ की एक होनहार लड़की ने 23 साल की उम्र में 19 सरकारी नौकरी की परीक्षाएं पास करके एक अलग ही उपलब्धि हासिल कर ली है। अब इस होनहार लड़की को उसकी उपलब्धि के लिए देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी स्वतंत्रता दिवस पर गोल्ड मेडल से सम्मानित करेंगी। छत्तीसगढ़ के तिल्दा की रहने वाली चारु पांडे की कहानी लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

अभी कहां पोस्टेड हैं चारु पांडेय?

सिर्फ 23 साल की उम्र में चारु पांडेय ने 19 गर्वनमेंट जॉब्स के एग्जाम को क्वालीफाई कर लिया है और वर्तमान में वह चेन्नई में स्थित सीएजी विभाग में ऑडिट ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। चारु पांडेय

ने अपने करियर में जिन 19 परीक्षाओं को पास किया है उनमें एसएससी, रेलवे, बैंकिंग और दिल्ली पुलिस की भर्ती परीक्षाएं शामिल हैं। चारु ने अभी तक जिस किसी भी भर्ती परीक्षा का फॉर्म भरा उस एग्जाम को क्लियर भी किया।

चारु पांडेय ने इन परीक्षाओं को किया है पास

एसएससी सीजीएल, एसएससी सीएचएसएल, एसएससी एमटीएस, एसएससी जीडी, एसएससी सीपीओ, नेट जेआरएफ, एसबीआई क्लर्क, सीजीटीईटी, आरआरबी ग्रुप डी, आरआरबी एनटीपीसी, छत्तीसगढ़ पुलिस एसआई, सीजी एनएचएम, ट्रांसपोर्ट सब इंसपेक्टर, एसएससी सीजीएल (2023), एसएससी सीएचएसएल (2023), एसएससी एमटीएस (2023) और आरआरबी ग्रुप डी (2023)।

चारु पांडेय का संघर्ष सिर्फ इस बात से पता नहीं चलता कि उन्होंने 19 सरकारी नौकरी के एग्जाम पास किए हैं बल्कि उनका असली संघर्ष उनके यहां तक पहुंचने का है। खुद को इस तरह से तैयार करने का रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। चारू ने स्कूल में पढ़ाई के वक्त ही तय कर लिया था कि उन्हें सरकारी सेक्टर में करियर बनाना है, इसलिए उन्होंने अपनी रेगुलर कॉलेज की पढ़ाई जारी रखते हुए कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी शुरू कर दी। तैयारी के बीच में कई बार उन्हें निराशा हाथ लगी, लेकिन उन्होंने निराशा को हथियार बनाते हुए उससे नई सीख ली और कामयाबी को हासिल किया।

चारु पांडेय ने क्या दिए टिप्स

अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए चारु ने बताया कि उन्होंने विषयवार रणनीति, नियमित माक टेस्ट और निरंतर स्व-विश्लेषण को अपनी तैयारी का आधार बनाया। उनका मानना है कि यदि विद्यार्थी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करें, तो सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई पार्किंग में खड़ी कार में मिले अवैध हथियार; हड़कंप

काशीपुर, 10 जून (एजेंसियां)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए काशीपुर के बड़े गुरुद्वारे के पास पार्किंग में खड़ी कार से अवैध हथियार और फर्जी लाइसेंस पकड़े हैं। एसटीएफ ने मुखबिर की सूचना पर काली मंदिर के पास यह कार्रवाई की है। हथियारों को कब्जे में लेकर जा शुरू कर दी है। एसटीएफ ने बाहरी राज्यों से स्थानांतरित होकर आए शस्त्र लाइसेंसों की पिछले दो माह से जांच शुरू की है। पिछले दिनों काशीपुर में 10 फर्जी लाइसेंस मिलने के बाद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ को सूचना मिली कि वाहन में अवैध हथियार और फर्जी लाइसेंस रखे गए हैं। एसटीएफ की टीम ने कार की तलाशी ली। कार से कुछ असलहे और कई संदिग्ध लाइसेंस बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

क्या ममता बनर्जी की टीएमसी कांग्रेस में विलय करने की तैयारी में हैं? पार्टी ने साफ कहा ना

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के कांग्रेस पार्टी में विलय की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल टीएमसी के कांग्रेस में विलय करने को लेकर कोई प्रपोजल नहीं मिला है और ना ही इस प्रकार की किसी औपचारिक प्रक्रिया पर दोनों पार्टियों में चर्चा हो रही है।

कांग्रेस और टीएमसी के बीच जो बात हो रही है, उसका फोकस विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने और बीजेपी के खिलाफ साझा रणनीति तैयार करने का है। जानें कांग्रेस ने टीएमसी के विलय की अटकलों पर क्या कहा है। बता दें कि हाल के दिनों में विपक्षी पार्टियों की एकता को लेकर कई प्रकार की सियासी चर्चाएं सामने आई थीं। इन्हीं के बीच यह कयासबाजी भी लगाई जाने लगी थी कि टीएमसी और कांग्रेस के बीच सियासी नजदीकियां बढ़ रही हैं। हो सकता है कि भविष्य में टीएमसी और कांग्रेस एक हो सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों ने अब इस तरह की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि मौजूदा वक्त में ऐसा कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी पार्टियां आगामी चुनावों में बीजेपी को चुनौती देने के लिए साझा मुद्दों पर काम करने और आपस में सहयोग बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। इसी कड़ी में इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच लगातार संवाद हो रहा है।

टीएमसी और कांग्रेस के बीच भी हाल की बातचीत का प्रमुख मकसद विपक्षी एकजुटता को बढ़ाना है, न कि संगठनात्मक विलय। फिलहाल कांग्रेस और टीएमसी दोनों की तरफ से यही संकेत दिए गए हैं कि उनका फोकस इंडिया गठबंधन की रणनीति को धार देने पर है।

ऐसे में टीएमसी के कांग्रेस पार्टी में विलय की चर्चाओं की सत्यता में कोई दम नहीं है। इस बीच, कांग्रेस ने अपने महासचिव और प्रभारियों की अर्जेंट बैठक गुरुवार सुबह 11 बजे बुलाई है। प्रदेश अध्यक्ष भी इस मीटिंग में शामिल होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बैठक का आह्वान किया है।

बच्चा चोर गिरोह का भंडाफोड़, बेऔलाद अमीर जोड़ों से होती थी लाखों की डील; दो मासूम बरामद

हरिद्वार, 10 जून (एजेंसियां)। तीन दिन पहले कनखल से अपहृत मासूम सहित दिल्ली से चोरी एक बालक को बरामद करते हुए पुलिस ने अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। दो दंपती समय छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि कुछ अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि कनखल से तीन दिन पहले एक तीन साल की बच्ची का अपहरण कर लिया गया था। जिसकी खोजबीन में पुलिस और एसओजी की टीमों को लगाया गया था। सीसीटीवी कैमरा की पड़ताल और मुखबिर तंत्र की मदद से सुराग मिलने के बाद पुलिस ने उत्तराखंड में उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापेमारी की।

दिल्ली दंगा: हाई कोर्ट ने ताहिर की याचिका पर पुलिस से मांगा जवाब

16 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने 6 साल पहले 2020 में दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश के मामले में आरोपी ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने आज बुधवार को पुलिस से ताहिर की उस याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा जिसमें उसने कड़कड़डूमा कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने में हुई 67 दिनों की देरी को माफ करने की मांग की है। हाई कोर्ट ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर अब अगली सुनवाई जुलाई में करेगा।

याचिका पर यह सुनवाई अब 14 की जगह 16 जुलाई को होगी। दिल्ली दंगों से जुड़े यूएपीए के तहत दर्ज केस में आरोपी ताहिर हुसैन ने 29 जनवरी को निचली अदालत से जमानत खारिज करने के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 के दंगों से संबंधित कथित बड़ी साजिश के मामले में आरोप तय करने पर लगी रोक पिछले हफ्ते शुक्रवार को हटा दी और केस की सुनवाई कर रही कोर्ट को अंतिम आदेश पारित करने की इजाजत दे दी। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने आरोपी देवांगना कलिता की याचिका को खारिज करते हुए रोक हटा दी।

कोर्ट में दाखिल याचिका के जरिए, कलिता की ओर से पुलिस को मामले से संबंधित कुछ वीडियो और व्हाट्सएप चैट उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फैसला सुनाये जाने के बाद कलिता के वकील ने जज से यह सिफारिश की थी। हालांकि, कोर्ट ने कलिता की एक अलग याचिका को स्वीकार कर लिया और उसे गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत केस में इस्तेमाल दस्तावेजों का अध्ययन करने की अनुमति दे दी।

कलिता ने 2023 में हाई कोर्ट में याचिका दायर कर यह दावा किया था कि दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण (एनआरसी) के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को रिकॉर्ड करने के लिए कुछ व्यक्तियों को नियुक्त किया था और निचली अदालत द्वारा आरोप तय करने पर बहस शुरू होने से पहले उन्हें फुटेज उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

छात्र कार्यकर्ता कालिता के साथ-साथ नताशा नरवाल, जामिया कोऑर्डिनेशन कमेटी की सदस्य सफूरा जरगर, आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और कई अन्य लोगों के खिलाफ भी उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के संबंध में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

आईएएस के इशारे पर इंस्पेक्टर ने मांगी थी तीन करोड़ की रिश्वत, सीबीआई को मिली चौंकाने वाली जानकारी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। लाल किला के पास से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के मामले में बेहद चौंकाने वाली जानकारी मिली है। गुजरात, वडोदरा के एक मामले में दो आरोपितों को मुकदमे से राहत दिलाने के एवज में आईजीआई एयरपोर्ट पर सिविल एविएशन में तैनात एक सीनियर आईएएस के निर्देश पर क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने आरोपितों से तीन करोड़ की मांग की थी। दोनों आरोपितों की आईएएस अधिकारी के कार्यालय में बीते मई में मीटिंग भी कराई गई थी।

बाद में डील डेढ़ करोड़ में तय की गई। जिसमें एडवांस के तौर पर 50 लाख कुछ दिन पहले इंस्पेक्टर को दे दिया गया था। 25 लाख लेते गिरफ्तार कर लिया गया। दवाओं से जुड़ा यह हाई प्रोफाइल केस पहले क्राइम ब्रांच के पास था जिसे बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है।

राज्य दर्जे की बहाली पर सियासी पारा चढ़ा

फारूक अब्दुल्ला बोले- वादा पूरा करेंगे पीएम मोदी, इंतजार जारी

श्रीनगर, 10 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा पूरा करने की बात कही है। अनंतनाग जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे केंद्र सरकार से अपने वादे को पूरा करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में उमर अब्दुल्ला से कहा है कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने उमर से कहा है कि वे अपना वादा पूरा करेंगे। हम इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सिर्फ बिजनेस रूल्स ही नहीं, बल्कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी कर रही है। उनके अनुसार, राज्य का दर्जा बहाली एक ऐसा वादा है जो दुनिया के सामने किया गया था।

इसी बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह फैसला 3 जून को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई पार्टी विधायकों की बैठक में लिया गया था। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है और वे इसे पूरा करने की बात कह चुके हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य दर्जे की बहाली की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

सपना चौधरी ने पति वीर साहू के खिलाफ दर्ज कराया घरेलू हिंसा का केस, द्वारका कोर्ट पहुंचीं

हिसार, 10 जून (एजेंसियां)। हरियाणवी गायिका, डांसर और 'बिग बॉस' फेम सपना चौधरी की निजी जिंदगी को लेकर एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सपना चौधरी ने अपने पति वीर साहू पर गंभीर आरोप लगाते हुए घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करवाया है। न्याय की गुहार लगाते हुए उन्होंने दिल्ली की द्वारका महिला कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपनी दी गई शिकायत में सपना चौधरी ने आरोप लगाया है कि उनके पति वीर साहू ने उनके साथ कई बार शारीरिक रूप से मारपीट की है और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। कहना है कि उनके पति ने न केवल घर की चारदीवारी के भीतर, बल्कि कई बार सार्वजनिक स्थानों पर भी उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और जमकर हंगामा काटा, जिससे उनकी छवि को भी ठेस पहुंची है।

सपना चौधरी और वीर साहू ने कुछ साल पहले गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी। वीर साहू खुद भी हरियाणा के एक जाने-माने गायक, अभिनेता और लेखक हैं। दोनों को अक्सर सोशल मीडिया पर एक साथ खुशहाल तस्वीरें साझा करते देखा जाता था।

पश्चिम बंगाल: टीएमसी राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने दिया इस्तीफा, हिमंता से जाकर मिलीं

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस को बुधवार को एक और राजनीतिक झटका लगा, जब राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और उच्च सदन से इस्तीफ़ा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद सुष्मिता देव ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की है। इसके बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। टीएमसी के सुखेंदु शेखर राय के बाद, एक हफ़्ते में इस्तीफ़ा देने वालीं वे दूसरी सांसद हैं। देव आज उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन से मिलीं और अपना इस्तीफ़ा सौंपा। उनके इस्तीफ़े से पहले पार्टी के अंदर काफी असंतोष बढ़ रहा था और कुछ दिन पहले ही तृणमूल के कई सांसदों ने कथित तौर पर नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को समर्थन देने की बात कही थी।

सूत्रों के मुताबिक सुष्मिता देव भाजपा ज्वाइन कर सकती हैं। यह घटनाक्रम बागी टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार के दावों के बाद सामने आया है। उन्होंने कहा था कि पार्टी के लगभग 20 सांसदों ने एनडीए के साथ जुड़ने की इच्छा जताई थी। दस्तीदार के मुताबिक, इस कदम के बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र सौंपा गया था। बता दें कि दस्तीदार टीएमसी के बागी गुट की अगुवाई कर रही हैं और उन्हें इसका चीफ़ व्हिप बनाया गया है।

भारतीय सेना में इतिहास रचेंगी एनडीए की पहली महिला कैडेट्स, 13 जून को बनेंगी लेफ्टिनेंट

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। भारतीय सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में आयोजित होने वाली पासिंग आउट परेड में पहली बार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के माध्यम से आई महिला कैडेट्स, पुरुष कैडेट्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त करेंगी।

करीब 8 से 9 महिला कैडेट्स इस ऐतिहासिक बैच का हिस्सा हैं, जो पासिंग आउट परेड के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त होंगी। यह पहली बार होगा जब एनडीए से प्रशिक्षण प्राप्त कर आई महिला कैडेट्स आईएमए से पास आउट होकर नियमित अधिकारी के रूप में सेना का हिस्सा बनेंगी। पूरे प्रशिक्षण काल के दौरान इन महिला कैडेट्स ने अपने पुरुष साथियों के साथ समान मानकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। चाहे कठिन बैटल ऑब्स्टेकल्स हों, जंगल सर्वाइवल कोर्स, सैन्य अभ्यास या शारीरिक एवं सामरिक प्रशिक्षण हो। इन्होंने हर चुनौती का सामना समान उत्साह, दृढ़ता और पेशेवर क्षमता के साथ किया। विशेष बात यह है कि भारतीय सेना में पुरुष और महिला कैडेट्स के लिए प्रशिक्षण के मानक समान हैं।

ममता बनर्जी को सबसे बड़ा झटका तो अब लगा

'काबा-मदीना' वाली सायोनी घोष भी हुईं बागी!

कोलकाता, 10 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका लगने की बात सामने आ रही है। दीदी की बेहद खास और लोकप्रिय सांसद सायोनी घोष का नाम भी बागियों की लिस्ट में बताया जा रहा है।

जादवपुर से सांसद और पार्टी की चर्चित युवा नेता सायोनी ने वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व वाले असंतुष्ट गुट को अपना समर्थन दे दिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने कथित तौर पर बागी गुट के समर्थन से जुड़े दस्तावेजों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। अगर यह जानकारी सही साबित होती है तो यह ममता बनर्जी के लिए हाल के दिनों का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जाएगा। सायोनी घोष तृणमूल कांग्रेस की युवा और आक्रामक नेताओं में गिनी जाती हैं। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आईं सायोनी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में जादवपुर सीट से जीत हासिल की थी। हाल ही में उन्हें तृणमूल कांग्रेस की महिला इकाई की अध्यक्ष भी बनाया गया था। पार्टी नेतृत्व उन्हें भविष्य के बड़े चेहरों में गिनता रहा है। सायोनी उस समय राष्ट्रीय चर्चा में आई थीं, जब उनके एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने उस पोस्ट को धार्मिक भावनाओं से जोड़कर निशाना बनाया था। इसके बाद उन्हें लेकर लंबे समय तक राजनीतिक बहस चलती रही। सूत्रों के अनुसार सायोनी घोष को लगता है कि पार्टी में उनका राजनीतिक भविष्य सुरक्षित नहीं है। उनकी सबसे बड़ी नाराजगी यह बताई जा रही है कि चुनाव प्रचार के दौरान जब वे विपक्ष के निशाने पर थीं, तब पार्टी नेतृत्व ने खुलकर उनका साथ नहीं दिया। करीबी सूत्रों का दावा है कि उस समय उन्होंने खुद को अकेला महसूस किया। यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें अपना प्रचार अभियान समय से पहले समाप्त करने के लिए कहा गया था। इसी बात ने उनकी नाराजगी और बढ़ा दी। हालांकि सायोनी घोष या तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

झड़ीपानी के पास दर्दनाक हादसा ब्रेक फेल होने से गहरी खाई में गिरी कार, चार यात्रियों की मौत

मसूरी, 10 जून (एजेंसियां)। मसूरी के झड़ीपानी रोड स्थित बार्लोगंज क्षेत्र में आज बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक कार अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, फायर सर्विस और 108 एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। कार में चार लोग सवार बताए जा रहे हैं। सुबह कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना मसूरी को सूचना मिली कि झड़ीपानी रोड पर एक कार तीव्र ढलान से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। एसडीआरएफ, फायर सर्विस तथा 108 एम्बुलेंस को भी मौके पर बुलाया गया। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि कार सवारों ने दुर्घटना से पहले पास की एक दुकान से कुछ सामान खरीदा था।

नहाने गए पांच दोस्तों की एक साथ डूबने से मौत आखिरी सेल्फी आई सामने; सभी के शव बरामद

चंद्रपुर, 10 जून (एजेंसियां)। जिले के घुग्घुस क्षेत्र में एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। यहां वर्धा नदी में नहाने गए पांच दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नदी किनारे पहुंचने के बाद युवकों ने अपने मोबाइल से सेल्फी भी ली थी, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि वह तस्वीर उनकी आखिरी याद बन जाएगी। करीब 15 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद सुबह सभी पांचों युवकों के शव नदी से बरामद कर लिए गए।

इस दर्दनाक घटना के बाद मृतकों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं घुग्घुस के इंदिरा नगर परिसर में शोक की लहर फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घुग्घुस शहर के इंदिरा नगर निवासी पांच युवक सोमवार दोपहर घर से निकले थे। वे माथारदेवी परिसर स्थित वर्धा नदी में नहाने और तैरने के लिए गए थे। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने युवकों की तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान नदी किनारे युवकों के कपड़े, मोबाइल फोन और चप्पलें मिलीं। आशंका बढ़ने पर परिजनों ने घुग्घुस पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घुग्घुस पुलिस ने चंद्रपुर पुलिस रेस्क्यू टीम की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

हालांकि रात का अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन में कठिनाई आई, जिससे अभियान को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। सुबह चंद्रपुर पुलिस के बचाव एवं खोज दल की सहायता से दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। नावों की मदद से नदी में तलाश अभियान चलाया गया। सबसे पहले एक युवक का शव बरामद हुआ, जिसके बाद क्रमशः सभी पांचों युवकों के शव नदी से बाहर निकाले गए।

बिश्नाह के सीमावर्ती गांव में मिला जंग लगा मोर्टार शेल

नियंत्रित विस्फोट कर किया गया निष्क्रिय

जम्मू, 10 जून (एजेंसियां)। जम्मू के बिश्नाह क्षेत्र के एक सीमावर्ती गांव में बुधवार को जंग लगा मोर्टार शेल मिलने से कुछ समय के लिए इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और शेल को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों के अनुसार कोठे सनियां गांव में एक मकान के निर्माण कार्य के दौरान मजदूर नींव भरने के लिए मिट्टी डाल रहे थे। इसी दौरान उन्हें मिट्टी में दबा हुआ एक संदिग्ध विस्फोटक उपकरण दिखाई दिया।

जांच करने पर वह पुराना और जंग लगा मोर्टार शेल निकला। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड) को मौके पर भेजा गया। टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए शेल को गांव से दूर एक खुले मैदान में ले जाकर नियंत्रित विस्फोट के जरिए निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान किसी भी व्यक्ति या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई।

'मोदी का रिकॉर्ड कार्यकाल जनता के भरोसे को दिखाता है': स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव

अमरावती, 10 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार तक उन्होंने अपने कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे कर लिए।स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने इस उपलब्धि को जनता के भरोसे का प्रतीक और 'नए भारत' के बदलाव का संकेत बताया। इससे पहले, सबसे लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम था, जिन्होंने 4,398 दिन तक पद संभाला था। मंत्री यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व और सकारात्मक बदलाव देखे हैं, जिससे देश की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है।उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में राजनीतिक अस्थिरता और जनता की निराशा के बीच, नागरिकों ने मोदी पर भरोसा जताया और उन्हें स्पष्ट बहुमत के साथ चुना।

सुधारों, कल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रभावी शासन के कारण बाद के दो चुनावों में भी यह भरोसा और मजबूत हुआ। उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शनों का ज़िक्र किया, जिससे घरों का बोझ कम हुआ; साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण में तेज़ी से हुई प्रगति और अर्थव्यवस्था के तीन गुना विस्तार का भी उल्लेख किया। उन्होंने तकनीक की भूमिका पर ज़ोर देते हुए यूपीआई के ज़रिए हुए 24,000 करोड़ ट्रांज़ैक्शन को भारत के डिजिटल बदलाव का सबूत बताया।अन्य महत्वपूर्ण पहलों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के ज़रिए 45 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण, 57 करोड़ जन धन खाते, उच्च शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार,

कृषि मंत्री किंजरापु अच्चन्नाइडू ने झींगा किसानों को मदद का वादा किया

अमरावती, 10 जून (एजेंसियां)। कृषि और मत्स्य पालन मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडु ने झींगा किसानों के कल्याण और टिकाऊ एक्वाकल्चर विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। मत्स्य पालन विभाग के कमिश्नर के कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखते हुए किसानों के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है।इस बैठक में झींगा किसानों, फ़ीड बनाने वालों, सीफ़ूड प्रोसेसर्स और निर्यातकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। किसानों ने फ़ीड की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई और सरकार से कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने का आग्रह किया, जबकि निर्माताओं ने फ़िशमील और सोयाबीन सहित कच्चे माल की ऊंची कीमतों को उत्पादन लागत बढ़ने का कारण बताया। अच्चन्नायडु ने कहा कि सरकार ने दोनों पक्षों को बातचीत करने और आपसी सहमति से कोई समाधान निकालने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि कच्चे माल की लागत, थोक मूल्य सूचकांक और बाजार की स्थितियों पर आधारित एक पारदर्शी, वैज्ञानिक मूल्य निर्धारण प्रणाली पर विचार किया जा रहा है।मंत्री ने यह भी घोषणा की कि 1 जून से अतिरिक्त 12,000 एक्वाकल्चर बिजली कनेक्शनों के लिए 1.50 रुपये प्रति यूनिट की बिजली सब्सिडी देने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि आदेश जारी होने के बाद सभी पात्र कनेक्शनों को इसमें शामिल कर लिया जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 जून, 2026

सुविचार: वक्त के सामने झुकना सीखो, अंत में जाते समय अकड़ कर ही जाना है।

मुख्यमंत्री ने एफसीडीए कार्यालय का किया उद्घाटन

'फ्यूचर सिटी' योजना को मिली रफ्तार

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को भारत फ्यूचर सिटी में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) के नए मुख्यालय का उद्घाटन किया। यह कार्यालय राज्य की महत्वाकांक्षी 'फ्यूचर सिटी' परियोजना के विकास और निगरानी का प्रमुख केंद्र होगा।

यह आधुनिक भवन 7.29 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है और इसे छह महीने से भी कम समय में तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक ऑफिस सुविधाएं, प्रशासनिक बैठकों के लिए विशेष कक्ष और आने वाली विकास योजनाओं को दिखाने के लिए एक अनुभव केंद्र भी बनाया गया है।

इस भवन को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) से नेट ज़ीरो बिल्डिंग का प्रमाणपत्र भी मिला है। परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, जैविक कचरा प्रबंधन के लिए बायो-डाइजेस्टर और वर्षा जल संचयन की आधुनिक व्यवस्था शामिल है। उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री ने भवन में पूजा-अर्चना भी की और एफसीडीए का लोगो तथा आधिकारिक वेबसाइट जारी की। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री और कई मंत्री, सांसद और विधायक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एसीबी छापों को लेकर जताई आपत्ति

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सेवालाल बंजारा संघम के राष्ट्रीय अध्यक्ष कोरा मोतीलाल नाइक ने सरकार के सरकारी कर्मचारियों पर हाल ही में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई छापेमारी को लेकर नाराजगी जताई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई विशेष रूप से लम्बाड़ी समुदाय के कर्मचारियों को निशाना बनाकर की जा रही है। हैदराबाद के हाइडरगुडा स्थित एनएसएस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने के बाद लम्बाड़ी अधिकारियों पर छापों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने आरएंडबी विभाग के अधिकारी एन.सी. मोहन नायक के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्य समुदायों के कर्मचारियों पर ऐसी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार हो रही छापेमारी से समुदाय के कर्मचारियों में डर का माहौल बन रहा है और जांच प्रक्रिया में जातिगत भेदभाव की आशंका दिखाई दे रही है। इस मौके पर पाथी नाइक और गणेश नाइक सहित कई समुदाय के नेता भी मौजूद रहे।

गांजा रखने और बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

220 ग्राम मादक पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंदलागुडा पुलिस ने जलपल्ली के पास क्रिस्टल टाउन कॉलोनी क्षेत्र में छापेमारी कर गांजा रखने और उसकी बिक्री करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 220 ग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, क्रिस्टल टाउन कॉलोनी में गांजा की बिक्री और सेवन किए जाने की सूचना मिलने पर बंदलागुडा पुलिस स्टेशन के एक उपनिरीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम ने रविवार को छापा मारा। कार्रवाई के दौरान सात लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से दो को गांजा रखने और बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय सिद्धार्थ सतीश और 22 वर्षीय इस्माइल खान के रूप में हुई है। सिद्धार्थ सतीश पेशे से बाउंसर है, जबकि इस्माइल खान एक स्वास्थ्य सलाहकार और चिकित्सक के निजी सहायक के रूप में कार्य करता है। पुलिस के अनुसार, दोनों के पास से गांजा से भरा एक बैग बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गांजा तमिलनाडु के कोडाइकनाल से मंगाया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित रूप से गांजा खरीदने, उसका सेवन करने और बिक्री करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने गांजा सेवन करने वालों की पहचान अत्ताउल्लाह खान, मोहम्मद शाहिद, वलागेटी राजेश, अतीक पाशा और शोएब खान के रूप में की है। आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक सफेद पॉलिथीन बैग में छिपाकर रखा गया अतिरिक्त गांजा भी बरामद किया। बरामद प्रतिबंधित पदार्थ का कुल वजन 220 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने मादक औषधि एवं मनोविकारक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

अज़हरुद्दीन ने पीड़ित परिवारों को दिए मुआवजा चेक

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. अजहरूद्दीन ने बुधवार को सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में सऊदी अरब के मदीना बस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को लंबित मुआवजा चेक वितरित किए। इस अवसर पर एआईएमआईएम विधायक मजीद हुसैन, राज्य हज समिति के अध्यक्ष खुसरो पाशा और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने दिवंगत मोहम्मद जाफर और शेख सिराज के परिवारों को सहायता राशि के चेक सौंपे। मंत्री ने कहा कि इस दुखद घटना में किसी भी आर्थिक सहायता से जीवन की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

तुम्मिदीहट्टी परियोजना पर कांग्रेस-भाजपा कर रही राजनीति : बी. विनोद कुमार

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार ने कांग्रेस और भाजपा पर तुम्मिदीहट्टी परियोजना को लेकर राजनीतिक नाटक करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दोनों दल महाराष्ट्र के लंबे समय से चले आ रहे विरोध से अच्छी तरह परिचित हैं, इसके बावजूद इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए उछाला जा रहा है। उनका कहना है कि राज्य सरकार के पास मेदिगड्डा बैराज की मरम्मत कर कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के माध्यम से सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराने के अलावा कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है।

तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में विनोद कुमार ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के बयानों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक ओर किशन रेड्डी ने दावा किया था कि यदि कोई यह साबित कर दे कि वह तुम्मिदीहट्टी परियोजना में बाधा डाल रहे हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे, वहीं दूसरी ओर रामचंद्र राव मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर महाराष्ट्र सरकार को पत्र न लिखने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, लेकिन परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं कर रहे हैं। विनोद कुमार ने बताया कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार के समय प्रस्तावित प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना में तुम्मिदीहट्टी में 152 मीटर ऊंचा बांध बनाने की योजना थी, लेकिन उस समय महाराष्ट्र की कांग्रेस सरकार ने इसका विरोध करते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चला रहा था स्कूटर

युवक के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने यातायात चालान से बचने के लिए स्कूटर पर फर्जी पंजीकरण नंबर का इस्तेमाल करने के आरोप में संगारेड्डी जिले के 26 वर्षीय पी. अरुण गौड के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने वाहन पर दूसरे वाहन का नंबर लगाकर चला रहा था। जांच में पता चला कि इस्तेमाल किया गया नंबर हैदराबाद के एक अन्य वाहन मालिक का था। इसके कारण वास्तविक वाहन स्वामी के नाम पर गलती से कई यातायात चालान जारी हो गए।

शिकायत मिलने पर मामले की जांच शुरू की गई, जिसके बाद फर्जी नंबर प्लेट का मामला सामने आया।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस से प्राप्त जानकारी के आधार पर संगारेड्डी टाउन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब स्कूटर के वास्तविक पंजीकरण नंबर और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने में जुटी है। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि फर्जी या छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेटों का उपयोग गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मामलों की पहचान के लिए शहर में उन्नत सीसीटीवी और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। पुलिस ने वाहन चालकों को चेतावनी दी है कि फर्जी नंबर प्लेट या गलत पंजीकरण नंबर का इस्तेमाल करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खम्मम में पराली जलाने पर किसान पर 5,000 रुपये का जुर्माना

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के नेलाकोंडापल्ली मंडल की थिरुमलपुरम ग्राम पंचायत ने धान की पराली (फसल अवशेष) जलाने के आरोप में एक किसान पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। राज्य में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने यह कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत अधिकारियों ने मंगलवार देर शाम गांव में किसान बनोथ कृष्ण राव को अपने खेत में पराली जलाते हुए पकड़ा। अधिकारियों ने मौके पर ही उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया, रसीद सौंपी और भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी।

जिला कृषि अधिकारी डी. पुल्लैया और जिला पंचायत अधिकारी रामबाबू ने कहा कि फसल अवशेषों को खुले में जलाना कानूनन प्रतिबंधित है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली जलाने के बजाय उसका उपयोग खाद बनाने या घरेलू ईंधन के रूप में करें। अधिकारियों के अनुसार, पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है और मिट्टी में मौजूद जैविक तत्व व लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है और आने वाली फसलों की पैदावार पर भी बुरा असर पड़ता है। तेलंगाना सरकार के सरकारी आदेश संख्या-27 के तहत खुले स्थानों पर कचरा और फसल अवशेष जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियमों के अनुसार, छोटे स्तर पर पराली जलाने पर 5,000 रुपये और बड़े पैमाने पर ऐसा करने पर 25,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अधिकारियों ने किसानों से पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए पराली जलाने से बचने तथा इसके सुरक्षित और उपयोगी विकल्प अपनाने की अपील की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME AND DOB

I, No.15679347P Hav D VENUGOPAL REDDY, R/o.Plot No 3, H.No 5-3, R K Nagar Colony, Phase I, Vill & Po- Indresham, Sangareddy Dist-502319 TS that my father name and DOB is changed from MUTHYAM REDDY, DOB:01-07-1955 to DARAM MUTHYAM REDDY, DOB:01-01-1954 and my mother name and DOB is changed from S LALITA, DOB:01-07-1958 to DARAM BHARATHAMMA, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:10-06-2026 before G.Shobha, Advocate & Notary, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, VENKATA RAVAHAMMA is Mother of No-JC-340298W, Rank- SUB, Name- SURA BHASKARA RAO, Unit : GE MCEME, R/o. Vill & Po- Pakala, Teh- Singarayakonda, Dist- Prakasam, A.P. I have to change my Name from - VENKATA RAVAHAMMA to SURA VENKATARAMANAMMA. For all purpose vide affidavit dated : 10-06-2026.

I, NIRASHA DEVI is spouse of No-14654979Y, Rank- HAV, Name- DEVSHRAN KUSHWAHA, R/o. Vill- Kubri, Po- Mehuti, Teh- Birsinghpur, Dist- Satna, M.P. I have to change my Name from – NIRASHA DEVI to NIRASHA DEVI KUSHWAHA For all purpose vide affidavit dated : 10-06-2026.

I, P B SUREKHA PAVANI is spouse of No-2504607Y, Rank- NK, Name- CHAKALI NARESH, Unit : 53 RR Bn(PB), R/o. H.No-302, 3rd Floor, Gajaraj Apt, Near Shankars Temple, Merces Veddem, VTC & Po- Vasco Da Gama, Dist- South Goa, Goa, I have to change my Name from - P B SUREKHA PAVANI to SUREKHA CHAKALI. For all purpose vide affidavit dated : 10-06-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नवजात शिशु की अवैध बिक्री का मामला उजागर, जांच शुरू

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कुलसुमपुरा क्षेत्र में नवजात शिशु की कथित अवैध बिक्री और गैरकानूनी गोद लेने का मामला सामने आया है। इस मामले में जैविक माता-पिता, संभावित दत्तक माता-पिता और बिचौलियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

कुलसुमपुरा पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को आगे की जांच के लिए रंगा रेड्डी जिले के नंदीगामा पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया है। पुलिस के अनुसार, महिला एवं बाल कल्याण विभाग को एक नवजात शिशु के गैरकानूनी हस्तांतरण की सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि हैदराबाद निवासी मधुसूदन और मीना, जो करीब 18 वर्षों से निःसंतान थे, गोद लेने के लिए बच्चे की तलाश कर रहे थे और इस संबंध में उन्होंने कथित तौर पर पी. सुरेश से संपर्क किया था।

अधिकारियों के मुताबिक, सुरेश ने पद्मा पालतिया के साथ मिलकर 28 मई को तुक्कुगुडा के एक निजी अस्पताल में जन्मे नवजात बालक को सौंपने की व्यवस्था की। बताया गया है कि बच्चा शारीरिक विकलांगता के साथ पैदा हुआ था। जांच में यह भी सामने आया कि जैविक माता-पिता मोहन और संध्या ने कथित रूप से बच्चे को पद्मा के माध्यम से सौंपने पर सहमति जताई थी। इसके बाद कोथुर मंडल के जेपी दरगाह क्षेत्र में बच्चे को मधुसूदन और मीना को सौंप दिया गया। आरोप है कि इस दौरान सुरेश की मौजूदगी में पद्मा को 1.70 लाख रुपये का भुगतान किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया कानूनी दत्तक ग्रहण नियमों का पालन किए बिना की गई। बाद में 12 दिन के शिशु का पता लगाकर उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

समिति के निर्देश पर बच्चे को अमीरपेट स्थित शिशु विहार भेज दिया गया, जहां उसकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना का मुख्य क्षेत्र नंदीगामा थाना क्षेत्र में आने के कारण सभी दस्तावेज और जीरो एफआईआर वहां भेज दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इस तरह के अन्य अवैध लेन-देन पहले भी हुए हैं।

मल्काजगिरी आयुक्तालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

प्राथमिक ब्लैक स्पॉट/जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी आयुक्तालय, 10 जून 2026। प्रजापालन-प्रगति प्राणालिका के तहत चल रहे अराइव अलाइव कार्यक्रम के चौथे चरण में तेलंगाना पुलिस एवं सभी संबंधित हितधारकों द्वारा राज्यभर में सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय द्वारा पांच प्रमुख ब्लैक स्पॉट्स पर व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के तहत पुलिस उपायुक्तों एवं संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर पहुंचकर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। इनमें कुँतलूर टी-जंक्शन (हयातनगर), कोत्तागुडेम एक्स रोड यू-टर्न (अब्दुल्लापुरमेट), बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन जंक्शन, उप्पल एक्स रोड्स तथा रथीफाइल बस स्टैंड सिग्नल (सिकंदराबाद) शामिल रहे। आयुक्तालय मुख्यालय, नेरडमेट स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, ब्लैक स्पॉट प्रबंधन एवं यातायात सुरक्षा उपायों की समीक्षा प्रस्तुत की गई।

आंकड़ों के अनुसार, आयुक्तालय क्षेत्र में कुल 401.8 किलोमीटर सड़क नेटवर्क है, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, आउटर रिंग रोड एवं प्रमुख जिला मार्ग शामिल हैं। जनवरी से मई 2026 के बीच 1,466 सड़क दुर्घटना मामले दर्ज किए गए, जिनमें 134 घातक दुर्घटनाओं में 143 लोगों की मृत्यु हुई। हालांकि, पिछले वर्षों की तुलना में दुर्घटनाओं में गिरावट दर्ज की गई हैं। समीक्षा में 43 ब्लैक स्पॉट्स और 20 हॉट स्पॉट्स की पहचान की गई, जिन पर तत्काल सुधारात्मक कदम आवश्यक हैं। वर्ष 2025 में कुल 50 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए थे, जिनमें 342 गंभीर दुर्घटनाएं और 232 मौतें दर्ज हुई थीं। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-65 (विजयवाड़ा हाईवे) को सबसे अधिक दुर्घटना-प्रवण मार्ग के रूप में चिन्हित किया गया, जहां 2026 (मई तक) 259 दुर्घटनाएं और 17 मौतें दर्ज की गईं। सुरक्षा सुधार के लिए आयुक्तालय ने ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क इंजीनियरिंग में सुधार, चेतावनी संकेत बोर्डों की स्थापना, हाईवे पेट्रोलिंग को मजबूत करना, संवेदनशील स्थानों पर पार्किंग सुविधाएं विकसित करना तथा यातायात प्रवर्तन को सुदृढ़ करने जैसे उपाय प्रस्तावित किए हैं। पुलिस आयुक्त, मलकाजगिरी आयुक्तालय बी. सुमति ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, तेज गति से वाहन न चलाएं, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें तथा शराब पीकर वाहन चलाने से बचें।

सुंदरबन में मैंग्रोव अभियान को मिली सफलता, पौधे तीन फीट तक बढ़े

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन इंडिया चैलेंज (जीआईसी) द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में सुंदरबन में शुरू किया गया मैंग्रोव वृक्षारोपण अभियान उत्साहजनक परिणाम दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जन्मदिन के अवसर पर शुरू किए गए इस अभियान के तहत लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर काफी अच्छी रही है और कई पौधे कम समय में ही लगभग तीन फीट तक बढ़ गए हैं।

जीआईसी की एक टीम ने हाल ही में उस स्थल का पुनः दौरा किया, जहां 20,000 मैंग्रोव पौधे लगाए गए थे। टीम ने भू-टैगिंग तकनीक के माध्यम से पौधों की वैज्ञानिक निगरानी की और प्रत्येक पौधे की वृद्धि तथा उत्तरजीविता का आकलन किया। आयोजकों के अनुसार, यह सफलता निरंतर निगरानी, स्थानीय समुदाय की भागीदारी और वैज्ञानिक तरीके से किए गए वृक्षारोपण का परिणाम है।

विश्व के सबसे बड़े मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सुंदरबन की तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका है। मैंग्रोव वन चक्रवात, तटीय कटाव, समुद्री तूफानों और बढ़ते समुद्री जलस्तर से सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके साथ ही ये कार्बन अवशोषण, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयोजकों ने इस पहल की सफलता का श्रेय जीआईसी के संस्थापक और पूर्व सांसद जे. संतोष कुमार को दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में शुरू हुए ग्रीन इंडिया चैलेंज के तहत अब तक 19.6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल प्रतीकात्मक वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों के दीर्घकालिक संरक्षण और पारिस्थितिक बहाली पर भी केंद्रित है। जे. संतोष कुमार ने कहा कि एक पेड़ लगाना आशा का प्रतीक है और उसकी सफल वृद्धि यह साबित करती है कि सामूहिक प्रयास पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने सुंदरबन परियोजना को सामुदायिक भागीदारी पर आधारित जलवायु संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का आदर्श मॉडल बताया।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होना लोकतंत्र के लिए झटका : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधान परिषद सदस्य दासोजू श्रवण ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन खारिज होने को भारतीय संसदीय लोकतंत्र के लिए बड़ा झटका बताया है। उन्होंने इस घटना के लिए तेलंगाना कांग्रेस नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराते हुए इसे गंभीर राजनीतिक चूक करार दिया। दासोजू श्रवण ने मीनाक्षी नटराजन की ईमानदारी, गांधीवादी विचारधारा और सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें जमीनी राजनीति की सशक्त और सिद्धांतवादी नेता बताया। उन्होंने कहा कि एक तकनीकी त्रुटि के कारण उनका नामांकन निरस्त होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

MORARJI DESAI NATIONAL INSTITUTE OF YOGA
Ministry of Ayush, Govt. of India
68, Ashok Road, New Delhi-110 001
Ph: 011-23730418, 23721472, 23351099
E-Mail: dir-mdniy@nic.in Website: www.yogamdniy.nic.in

ADMISSION NOTICE 2026-27
Diploma in Yoga Science (D.Y.Sc.) for Graduates

Morarji Desai National Institute of Yoga, New Delhi under Ministry of Ayush, Govt. of India invites applications for **Diploma in Yoga Science (DYSc.) for Graduates**, a regular, non-residential course of **One Year duration** (02 Semesters) for the academic year 2026-27.

Eligibility: A Graduate from a recognized University with minimum 50% marks in aggregate. However, it will be 45% for SC/ST/OBC candidates.

Age Limit: There is no age limit for taking admission to this course. However, a candidate should be medically fit. In case, a Government servant, wishes to apply for this course, should send his application through proper channel.

No. of Seats: 75 (UR:33, OBC (NCL):18, SC:10, ST:06, EWS:08). In addition, 22 seats will be reserved for special categories i.e., for Foreign Student (09), Persons with disabilities (PWD) (03), Students from Andaman Nicobar Islands/Lakshadweep (02), North-East States (02), Sports/NCC/NSS (02) Dependents of War Martyrs/ Dependent of Ex-Servicemen (02) J&K, Ladakh UT (01), Children of MDNIY employees (01). Reservation will be applicable as per Govt. of India Rules.

Selection: The selection will be made on the basis of entrance test to be conducted at all India level. The entrance test will be conducted on 10.07.2026. The candidates securing 40% or above marks for UR/EWS/Special category and 35% or above marks for SC/ST/OBC/PWD in entrance examination, will be considered for admission on merit.

Online Application Form can be filled and Admission Brochure can be downloaded from Institute's website www.yogamdniy.nic.in.

Last date of submission of Online Application Form is 29.06.2026 (Till 11:00am).

For Further details, may visit the Institute's website or contact the office of MDNIY.
(Ph. 011-23730418, 23721472, 23351099).

Director

cbc17213/11/0002/2627

चेक बाउंस मामलाः कोर्ट ने डीजीपी को जारी किया आदेश पुलिस कमिश्नर लखनऊ पर 10 दिन में करें कार्रवाई

सुल्तानपुर, 10 जून (एजेंसियां)। यूपी के सुल्तानपुर में चेक बाउंस से जुड़े मामले में आदेश के लंबे समय बाद भी आरोपी रजनीश शर्मा की गिरफ्तारी व जारी कार्रवाई पर आख्या देने में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर, लखनऊ के खिलाफ कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतीक आर्या की कोर्ट ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नर लखनऊ के खिलाफ 10 दिन के भीतर कार्रवाई करने व आरोपी के खिलाफ जारी कार्यवाही का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस महानिदेशक को आदेश जारी किया है। कोर्ट ने निर्धारित समय सीमा में आदेश का पालन नहीं होने पर मामला हाईकोर्ट को संदर्भित करने की चेतावनी भी दी है। अगली सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की गई है। परिवादी के आरोप के मुताबिक लखनऊ के कृष्णा नगर थाने के मानस नगर निवासी आरोपी रजनीश शर्मा ने जमीन दिलाने के नाम पर उनसे 3.75 लाख रुपये ले लिए थे। आरोप है कि रजनीश ने जमीन नहीं दी। पैसा वापस मांगने पर आरोपी ने परिवादी आदर्श मिश्र को 3.75 लाख का चेक दिया था,

'दबाव में कराया अविमुक्तेश्वरानंद पर मुकदमा'

आशुतोष ब्रह्मचारी का बड़ा खुलासा

कहा- रामचंद्र दास के बोलने पर ऐसा किया

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। आशुतोष ब्रह्मचारी ने इस बात को खुद स्वीकार किया कि उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के ऊपर फर्जी मुकदमा रामचंद्र दास के कहने पर किया। उन्होंने कहा कि इसमें कई लोग शामिल हैं। इसका खुलासा भी मैं करूंगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा कि अगर मुझे कुछ होता है तो उसका जिम्मेदार राम चन्द्र दास गुरु भाई होगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा रामचन्द्र दास ने पहले अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर एफआईआर लिखवाने का दबाव बनाया, अब फिर वापस करने का दबाव मुझ पर बनाया जा रहा है। इसके लिए षड्यंत्र रचा जा रहा। गुरु की हत्या का मेरे पास एविडेन्स है।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने 2 दिन पहले वीडियो जारी कर आने वाले दिनों में रामभद्राचार्य की हत्या होने का शक जताया था। उन्होंने कहा था कि मेरे पूज्य पद्मविभूषण पूज्य गुरुदेव जग्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज की हत्या होती है तो बटुकों के साथ कुकर्म करने वाला रामचंद्र दास उर्फ जय त्रिपाठी दोषी होगा। इसके अलावा और भी कई नाम हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी के बयान पर रामभद्राचार्य ने कहा कि मेरी और मेरे उत्तराधिकारी की छवि खराब करने की साजिश हो रही है।

मुझे और मेरे उत्तराधिकारी को आशुतोष ब्रह्मचारी से खतरा है। उन्होंने इस मामले में प्रशासन से जांच की मांग की है। रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जानकारी मिलने के बाद उन्हें मानसिक आघात पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि वह देश-विदेश में कथा और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए जाते रहते हैं। अनेक लोगों से उनका संपर्क होता है। ऐसे में आशुतोष ब्रह्मचारी के बयान ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया है।

रामभद्राचार्य ने कहा कि संभव है आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहीं अन्यत्र जाकर दीक्षा ली हो, लेकिन उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि उसके मन में इस प्रकार की भावना या विचार हो सकते हैं।

जगद्गुरु ने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी की घोर निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि मामले की सघन जांच कराई जाए और सभी तथ्यों की वैधानिक रूप से पड़ताल की जाए। इससे पहले आशुतोष ब्रह्मचारी ने यूपी और मध्य प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को शिकायत दी थी कि उनके पूज्य गुरुदेव रामभद्राचार्य जी महाराज से संबंधित वीडियो, ऑडियो साक्ष्यों और रामचंद्र दास उर्फ जय मिश्रा की भूमिका की जांच की मांग की।

बिहार एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 12 साल से फरार नक्सली को धर दबोचा

बेगूसराय, 10 जून (एजेंसियां)। पुलिस को उग्रवाद और अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। 12 वर्षो से फरार चल रहे नक्सली अभियुक्त गौतम पासवान को एसटीएफ और डीआईयू की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा आरोपी अब सलाखों के पीछे पहुंच गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान वीरपुर थाना क्षेत्र के गेनहरपुर निवासी उमेश पासवान के पुत्र गौतम पासवान के रूप में हुई है। वह भगवानपुर थाना कांड संख्या 25/12 का नामजद अभियुक्त है और पिछले 12 वर्षों से फरार चल रहा था।

उसकी गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि फरार नक्सली अभियुक्त मुफस्सिल थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही एसटीएफ ऑपरेशन ग्रुप (एआरजी), एसटीएफ एसओजी-3 और डीआईयू बेगूसराय की संयुक्त टीम को सक्रिय किया गया और छापेमारी की योजना बनाई गई।

निशांत कुमार की पढ़ाई और प्रॉपर्टी दोनों बनीं सुर्खियां

इंजीनियर नहीं हैं पूर्व सीएम नीतीश के बेटे

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए दाखिल हलफनामे ने जदयू प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्री बेटे निशांत कुमार को लेकर एक बड़ा खुलासा कर दिया है। अब तक उन्हें इंजीनियर माना जाता रहा, लेकिन चुनावी दस्तावेजों से साफ हो गया कि उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी ही नहीं की थी। हलफनामे के अनुसार निशांत कुमार ने 1998 में पटना साइंस कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी मेसरा) में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (कंप्यूटर साइंस) में दाखिला लिया। हालांकि, 8 सेमेस्टर के कोर्स में वे केवल 5 सेमेस्टर तक ही पढ़ाई कर सके और वर्ष 2001 में उनकी पढ़ाई अधूरी रह गई। यानी लंबे समय से उन्हें "इंजीनियर" बताने की जो धारणा बनी हुई थी, वह अब गलत साबित हुई है। चुनावी हलफनामे में उनकी शैक्षणिक योग्यता ने इस भ्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया। संपत्ति के मामले में भी निशांत कुमार का हलफनामा चर्चा में है।

हाथ में उनके पास सिर्फ 17,409 रुपये नकद हैं, लेकिन बैंक जमा और निवेश के जरिए उन्होंने करोड़ों की संपत्ति बना रखी है। एसबीआई बोरिंग रोड शाखा में उनके नाम 72.22 लाख रुपये की एफडी है, जबकि एसबीआई सचिवालय शाखा में 48.87 लाख रुपये का पीपीएफ जमा है। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में 11 लाख रुपये से अधिक और डाकघर में 34.35 लाख रुपये का एनएससी निवेश भी उनके नाम है। वाहनों की बात करें तो निशांत कुमार के पास दो कारें हैं। इनमें एक 2016 मॉडल की हुंडई ग्रैंड आई-10 और दूसरी 2026 मॉडल की किया सेल्टॉस शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि उनके पास किसी प्रकार की ज्वेलरी नहीं है।

कान में ईयरफोन लगाकर टहल रहा था युवक, ट्रेन की चपेट में आने से मौत; शरीर के हुए दो टुकड़े

वाराणसी, 10 जून (एजेंसियां)। वाराणसी जिले के लोहता थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के सामने बुधवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम प्रधान बखरिया सुरेश पाल ने बताया कि थाना क्षेत्र के बखरिया गांव के सुरेंद्र पाल का बेटा अमन पाल (21 वर्ष) बुधवार की सुबह दोनों कानों में ईयर फोन लगाकर रेलवे लाइन पर टहल रहा था। इसी बीच नई दिल्ली से बनारस आ रही काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस ट्रेन भदोही से बनारस की तरफ जा रही थी।

अमन उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसका शरीर दो भागों में बंट गया। सूचना पाकर परिवार के लोग मौक पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष दिगंबर उपाध्याय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक दो भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर का था। उधर, बेटे की मौत से माता उर्मिला पाल का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

बिहार की वित्तीय स्थिति दयनीय

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आकस्मिकता निधि से निकाली गई राशिः तेजस्वी यादव

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने बिहार की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाए और सरकार की नीतियों पर भी कटाक्ष किया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, बिहार का वित्तीय संकट इतना गंभीर हो चुका है कि कल बिहार कैबिनेट ने मई, जून और जुलाई 2026 की सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने के लिए बिहार आकस्मिकता निधि से 3,662 करोड़ रुपए निकालने की स्वीकृति प्रदान की है। आकस्मिकता निधि का उपयोग सरकार द्वारा किसी भी अप्रत्याशित संकट, प्राकृतिक आपदा या वित्तीय विपत्ति के समय जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है।'

' तेजस्वी यादव ने दावा करते हुए कहा, जिस प्रदेश में अब पेंशन देने के लिए आकस्मिकता निधि का उपयोग होने लगे, तो समझ जाइए कि हालात कितने खराब और खतरनाक हो चुके हैं। 6 महीनों से हम निरंतर कह रहे हैं और सर्वविदित भी है कि 4-5 महीनों से बिहार में कर्मचारियों के वेतन और पेंशन संबंधित भुगतान नहीं हो रहा है क्योंकि खजाना खाली है।

एक वर्ष से अधिक समय बीतने पर भी ठेकेदारों का भुगतान नहीं हुआ है। नई योजनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि नए प्रॉजेक्ट तो दूर, 2023-24 में स्वीकृत कार्य योजनाओं का अभी तक कार्यारंभ नहीं हुआ है। 2025 और 2026 में बिना सोचे-समझे की गई घोषणाओं का तो जिक्र ही छोड़ दीजिए। बिजली में भारी कटौती की जा रही है। छात्रवृत्ति का पैसा नहीं दिया जा रहा। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना ठप्प है। फंड की कमी के कारण कल कैबिनेट में पूर्व से चली आ रही 'बिहार राज्य फसल सहायता योजना' को भी बंद कर दिया गया है।

उन्होंने दोहराया कि बिहार की वित्तीय हालत चिंताजनक है। नियमित बजटीय प्रावधान की बजाय आकस्मिकता निधि से 3,662 करोड़ रुपए की निकासी कर उस निधि से पेंशन देने जैसे निर्णय पर मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि दशकों से डबल इंजन सरकार होते हुए ऐसी नौबत क्यों आई?

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को गैर जरूरी मुद्दों को हवा देने की बजाय अविलंब प्रदेश की दयनीय वित्तीय स्थिति को लेकर चिंतित, भयभीत और आशंकित बिहारवासियों को संबोधित करना चाहिए।

वाराणसी में बनेगी दुनिया की सबसे बड़ी शिवलिंग, 100 करोड़ रुपये होंगे खर्च

वाराणसी, 10 जून (एजेंसियां)। वाराणसी को दुनिया का सबसे प्राचीन शहर और भगवान शंकर के त्रिशूल पर बसा हुआ आध्यात्मिक केंद्र के रूप में पहचाना जाता है। शास्त्रों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि काशी के कण कण में शंकर और इतने शिवलिंग है जिसकी गणना नहीं की जा सकती। अब इसमें एक और कड़ी जुड़ने जा रही है, भगवान शंकर की नगरी काशी में दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग स्थापित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम की तरफ से जगह चिन्हित किया जा चुका है, अगले 9 से 10 महीने में यह कार्य पूर्ण हो जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार वाराणसी के भेलूपुर जलकल विभाग के करीब 20 एकड़ भूमि पर दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा एक भव्य अर्बन पार्क को भी तैयार किया जाएगा। इसमें कुल 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे अगले 10 महीने में तैयार कर लेने का लक्ष्य रखा गया है। शिव के थीम पर अर्बन पार्क को भी स्थापित किया जाएगा, यहां पर लेजर शो का आयोजन होगा जो लोगों के लिए एक आकर्षण का केंद्र रहेगा। वाराणसी में द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक भगवान काशी विश्वनाथ धाम भी स्थित है। इसके अलावा यहां अनेक ऐसे शिवालय हैं जिनका शास्त्रों में उल्लेख है।

काशी के साथ-साथ आसपास के जनपद और दुनिया के कोने-कोने से लोग यहां अपनी आस्था के साथ दर्शन पूजन करने के लिए आते हैं अब यहां विश्व का सबसे ऊंचा शिवलिंग भी स्थापित होने जा रहा है। 10 महीने बाद जब यह कार्य पूरा हो जाएगा इसके बाद काशी आने वाले श्रद्धालुओं को यहाँ भ्रमण करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

कानपुर से यूके तक फर्जी डिग्री और जाली मार्कशीट बनाने का खेल, मास्टरमाइंड जियाउल हसन समेत 10 गिरफ्तार

कानपुर, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से यूके तक फर्जी डिग्री और जाली मार्कशीट बनाने के बड़े गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। ये गिरोह पिछले 13 साल से फर्जी डिग्री की इंटरनेशनल 'फैक्ट्री' चला रहा था। मॉडर्न तकनीक का इस्तेमाल कर अलग-अलग नामी विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्री बनाई जा रही थीं। ये गिरोह हूबहू नकली डिग्रियां तैयार कर बेचा करता था। गिरोह का धंधा भारत, सऊदी अरब, कनाडा और यूके तक फैसा हुआ था। कानपुर पुलिस ने फर्जी डिग्री के पूरे सेटअप को सीज किया है।

गिरोह के मास्टरमाइंड जियाउल हसन उर्फ समीर सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस गिरोह का सरगना 32 वर्षीय जियाउल हसन ग्राफिक्स डिजाइनिंग का एक्सपर्ट है। वह लंदन के मोबाइल नंबर का उपयोग कर पूरे नेटवर्क को भारत और विदेशों में ऑपरेट कर रहा था। आरोपी जल्द ही ब्रिटेन में स्थायी रूप से बसने की पूरी तैयारी कर चुका था, लेकिन उससे पहले ही वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। छापेमारी में पता चला कि प्रिंटिंग प्रेस अल्ट्रा मॉर्डन तकनीक की है। इसमें छप कर निकलने वाले डॉक्यूमेंट्स हूबहू असली सर्टिफिकेट्स को रिप्लेस कर सकते हैं। इतना ही नहीं इन तकनीक का गलत इस्तेमाल कर करोड़ों की कमाई करने वाला ये गिरोह एक दो नहीं पूरे तेरह साल से लाखों के फर्जीवाड़े के धंधे को अंजाम दे रहा था।

लेकिन अब कानपुर पुलिस ने इस गैंग को धर दबोचा है। कानपुर की बेकनगंज थाने की पुलिस, एसआईटी और साइबर सेल के ज्वाइंट ऑपरेशन ने इस मामले में कार्रवाई की है। गिरोह का सरगना जियाउल हसन उर्फ समीर उर्फ आतिफ, गिरोह का मेंबर नूरुद्दीन, हसन आसिफ और आमिर अहमद समेत 10 लोगों गिरफ्तार किया गया है।

लखनऊ हाईकोर्ट सख्त, गुमशुदा नाबालिग बच्चों के मामलों में पुलिस कमिश्नर से मांगा स्पष्टीकरण

लखनऊ, 10 जून (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी से गुम हुए नाबालिग बच्चों के मामलों में लचर तफ्तीश पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने लखनऊ के सभी थानों से संबंधित ऐसे गुमशुदगी के मामलों में पुलिस कमिश्नर से 10 जून को स्पष्टीकरण मांगा था। साथ ही पुलिस उपायुक्त (डी सी पी) दीक्षा शर्मा को निर्देश दिया थाकि वे ऐसे केसों की निगरानी कर रिपोर्ट पेश करें। इसके तहत, बुधवार को अदालत को बताया गया कि 1 जनवरी2026 से अब तक कुल 261 लोग लखनऊ से गुम हुए हैं। इनमें अधिकांश नाबालिग लड़के व लड़कियां हैं। इनमें 227 का पता लगाकर बरामद कर लिया गया है। जबकि, 34 अभी भी लापता हैं। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाकर इन लापता लोगों के मामलों की साप्ताहिक निगरानी करने के निर्देश दिए और 3 जुलाई की निगरानी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा जब राजधानी में गुमशुदा लोगों की तलाश मामले में यह हाल है, तो ने जिलों की हालत समझी जा सकती है। कोर्ट के आदेश पर लखनऊ के पूर्वी जो के डी सी पी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, चौकी प्रभारी समेत ऐसे मामलो के विवेचक भी पेश हुए। न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की अवकाश कालीन पीठ ने बुधवार को यह आदेश एक नाबालिग लड़की की और से उसके पिता द्वारा दाखिल याचिका पर दिया। याचिका में शहर से गुम हुई 12 साल की नाबालिग लड़की की तलाश करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया था। इस नाबालिग लड़की बरामदगी होने पर कोर्ट ने उसके पिता को सौंप दिया। पहले, सुनवाई के समय पेश हुईं डी सी पी दीक्षा शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर कोर्ट को बताया था कि उनकी अधिकारिता में आने वाले नौ थानों में से 81 लड़कियों (जिनमें अधिकांश नाबालिग हैं), का या तो अपहरण हुआ या फिर वे बहला फुसलाकर भगा ले जाई गईं।

खेत में मिले 330 मुगलकालीन चांदी के सिक्के, पुलिस ने कब्जे में लिए

सलेमगढ़, (कुशीनगर), 10 जून (एजेंसियां)। तरयासुजान के गोपालपुर ओझवलिया में खेत में मिट्टी की कटाई के दौरान मिले पीतल के घड़े से मुगलकालीन चांदी के सिक्के को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। एसडीएम तमकुहीराज को रिपोर्ट भेजते हुए पुलिस ने पुरातत्व विभाग को सूचना दी है। गांव पहुंचे एसएचओ नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने जांच-पड़ताल शुरू की तो पता चला कि जिस खेत में मिट्टी की कटाई हो रही थी, वहां छह से अधिक ट्रैक्टर व खुदाई करने वाले लोडर से कार्य हो रहा था।

उस समय खेत में भू-स्वामी राधेश्याम वर्मा व चालक ही मौजूद थे। खोदाई के दौरान पीतल का पुराना घड़ा टूट गया, जिससे उसमें रखा मुगलकालीन चांदी का सिक्का बिखर गया। इसको देखते ही सिक्के को लूटने की होड़ मच गई। भू-स्वामी का कहना है कि अधिकांश सिक्का ग्रामीण लूट ले गए। बताया जाता है कि कुछ ग्रामीण खेत में देर रात तक कुदाल से खोदाई कर सिक्कों की तलाश करते रहे। बाद लोगों ने स्वेच्छा से पुलिस को 330 सिक्का सौंप दिया। जानकारों का कहना है कि चांदी के सिक्के 1640 ईस्वी के हैं, जिसे पर फारसी भाषा में कुछ लिखा गया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभी तक 330 सिक्के बरामद कर एसडीएम तमकुहीराज को रिर्पोट भेजी गई है।

20 हजार बकायेदारों पर एक्शन की तैयारी; संपत्तियां होंगी कुर्क

बरेली, 10 जून (एजेंसियां)। बरेली का नगर निगम ने हाउस टैक्स, वाटर टैक्स और सीवर टैक्स नहीं जमा करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। शहर में करीब 20 हजार ऐसे करदाता चिन्हित किए गए हैं, जिन्होंने लंबे समय से निगम का टैक्स जमा नहीं किया है। इन बकायेदारों पर नगर निगम का लगभग 20 करोड़ रुपये बकाया है। बार-बार नोटिस देने और चेतावनी जारी करने के बावजूद जब टैक्स जमा नहीं किया गया, तो अब निगम ने कुर्की और सीलिंग जैसी कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक पिछले कई वर्षों से कर वसूली की कोशिश की जा रही थी। बकायेदारों को समय-समय पर नोटिस भेजे गए और टैक्स जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अब निगम प्रशासन ने ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाने का फैसला लिया है ताकि बकाया राजस्व की वसूली की जा सके। नगर निगम का मानना है कि शहर के विकास, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, जलापूर्ति और सीवर व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए टैक्स की समय पर वसूली बेहद जरूरी है। इसलिए अब बकायेदारों के खिलाफ नरमी नहीं बरती जाएगी।

दीपक प्रकाश के लिए बीजेपी में आरएएलएम का विलय करेंगे उपेंद्र कुशवाहा? खुद साफ कर दी तस्वीर

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश को विधान परिषद् चुनावों में सीट नहीं मिली। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस एक सीट के लिए राष्ट्रीय लोकमोर्चा का भारतीय जनता पार्टी में विलय होगा? इसको लेकर राज्यसभा सांसद ने अपनी स्थिति साफ कर दी है। न सिर्फ उपेंद्र कुशवाहा बल्कि उनके बेटे दीपक प्रकाश ने भी एमएलसी सीट को लेकर बड़ा बयान दिया है। आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बीजेपी में विलय के सवाल पर कहा है कि 1 सीट के लिए आरएएलएम का विलय नहीं कर सकते हैं। आरएलएम एक अलग दल है और आगे भी यही रहेगा। मैं यह बात स्पष्ट कर दूं कि हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा हैं। मुझे अभी भी उम्मीद है कि हमें एमएलसी सीट मिलेगी। वहीं इस मुद्दे पर पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि एनडीए नेतृत्व के आशीर्वाद से मैं कैबिनेट में दोबारा आया। अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस से दीपक प्रकाश ने कहा कि संवैधानिक नियमों के दायरे में मुझे मंत्री बनाया गया। जब तक एनडीए नेतृत्व का मुझ पर आशीर्वाद है मैं मंत्री बना रहूंगा। एमएलसी सीट न मिलने को लेकर मैं बात नहीं कर सकता।

रिशु श्री केस में अब तक का सबसे बड़ा एक्शन

मुमुक्षु चौधरी-तारिणी दास और उमेश सिंह अरेस्ट, आईएएस संजीव हंस की तलाश

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। रिशु श्री टेंडर माफिया के साथ बिहार के कई अधिकारी और इंजीनियरों के कनेक्शन ने जांच एजेंसियों को हैरान कर दिया है। एसवीयू ने बुधवार को तीनों अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया। पूछताछ के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि इस मामले में आईएएस संजीव हंस की भी तलाश की जा रही है। एसवीयू की ओर से गिरफ्तार अफसरों में मुमुक्षु चौधरी, तारिणी दास और उमेश कुमार सिंह शामिल है। मुमुक्षु चौधरी अभी वित्त विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित है।

जबकि तारिणी दास, चीफ इंजीनियर (बर्खास्त हुए और फिर कांट्रैक्ट पर बहाल भी) है। वहीं उमेश कुमार सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग में कार्यपालक अभियंता के पद कर कार्यरत हैं। इन तीनों के ठिकानों पर

ईडी ने पिछले साल छापेमारी की थी जिसमें 11.50 करोड़ से अधिक की राशि बरामद हुई थी। इसके पहले एसवीयू इसी मामले में टेंडर घोटाले के किंगपिन रिशुश्री और उसके करीबी सहयोगी संतोष कुमार को पटना से गिरफ्तार कर चुकी है। रिशुश्री से कनेक्शन जुड़ने पर दो आईएएस अधिकारियों को सरकार पहले ही सस्पेंड कर चुकी है। जबकि कई अधिकारियों पर निलंबन की तलवार चल चुकी है। इस छापेमारी के बाद विशेष निगरानी इकाईं ने तारिणी प्रसाद, मुमुक्षु चौधरी और उमेश कुमार सिंह के विरुद्ध पद का दुरुपयोग कर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच रिपोर्ट के अनुसार, सीतामढ़ी और सहरसा में नगर आयुक्त रहते हुए मुमुक्षु ने रिशुश्री की कंपनियों को रिश्वत के बदले करोड़ रुपये के ठेके आवंटित किए थे।

तारिणी दास पर भी पैसे लेकर नकद कमिशन लेने का आरोप लगा जिसके बाद उनकी विस्तारित सेवा भी खत्म कर दी गई। वहीं उमेश कुमार सिंह पर ठेकेदारों और एजेंसियों के साथ मिलकर संगठित भ्रष्टाचार तंत्र खड़ा करने का आरोप लगा। रिशु श्री की कंपनी समेत अन्य एजेंसियों के बिलों के भुगतान में से एक निश्चित हिस्सा उमेश कुमार सिंह तक पहुंचता था।

एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना ड्यूटी पर अंतरिम रोक, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज, 10 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कर्मचारियों की जनगणना-2027 में ड्यूटी लगाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश सलिल कुमार राय और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने दिया है। कानपुर नगर निगम के जोन-1 के चार्ज अधिकारी की ओर से 5 मई 2026 को एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया गया था। इस आदेश को नॉर्थ सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन ने हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी। एकल पीठ ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि याचियों ने संबंधित आदेश को स्पष्ट रूप से चुनौती नहीं दी है। इसके बाद विशेष अपील दाखिल की गई। खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि नगर निगम के जोनल अधिकारी के पास एलआईसी कर्मचारियों की जनगणना कार्य में ड्यूटी लगाने का अधिकार नहीं था। अदालत ने माना कि ऐसा आदेश जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 7 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। यह वर्ष 2011 में दिए गए हाईकोर्ट के एक पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार किसी प्रतिष्ठान, फैक्ट्री या संस्था के कर्मचारियों से जनगणना कार्य में सहायता ली जा सकती है, लेकिन यह सहायता केवल उस संस्थान के परिसर तक सीमित है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य होने मात्र से किसी आदेश की वैधता सिद्ध नहीं हो जाती। किसी भी प्रशासनिक आदेश को कानून और वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप होना आवश्यक है।

राहुल गांधी की फिर बढ़ी मुश्किलें

बोस्टन में भगवान राम को लेकर दिए बयान पर कोर्ट ने निचली अदालत का आदेश किया रद्द

वाराणसी, 10 जून (एजेंसियां)। अपनी बयानबाजी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ गई हैं। वाराणसी की एक कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज परिवाद को फिर से सुनने का आदेश दिया है। वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। राहुल गांधी के खिलाफ भगवान राम पर टिप्पणी के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया गया है। दरअसल, राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने 5 मई 2025 को अमेरिका के बोस्टन में भगवान राम को लेकर बयान दिया था।

इस पर वाराणसी के हरिशंकर पांडेय ने केस किया था। एसीजेएम कोर्ट ने यह कहते हुए केस खारिज कर दिया था कि विदेश में दिए बयान पर केंद्र की अनुमति जरूरी है। अब रिवीजन कोर्ट ने कहा है कि केस दर्ज करने के लिए अभी केंद्र की अनुमति जरूरी नहीं है।

राहुल गांधी सांसद हैं, लोकसेवक नहीं, इसलिए दूसरी अनुमति भी नहीं चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि निचली अदालत इस मामले को फिर से सुने और कानून के मुताबिक फैसला करें। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले साल मई 2025 में अमेरिका के बोस्टन स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में भगवान राम का उल्लेख करते हुए उन्हें पौराणिक व्यक्तित्व बताया था। इस दौरान गांधी ने कहा था कि भारत की परंपरा करुणा, सहिष्णुता और सभी को साथ लेकर चलने की रही है तथा भगवान राम को उन्होंने क्षमाशील और दयालु व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया। राहुल गांधी के इसी बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। वाराणसी में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई।

बीजेपी ने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाया था। साथ ही भाजपा नेताओं ने इसे भगवान राम को काल्पनिक या पौराणिक पात्र बताने वाला बयान बताते हुए कांग्रेस की आलोचना की थी।

15 दिन तक गोंडा से 'गायब' बृजभूषण शरण सिंह आए सामने

कैसरगंज, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित कैसरगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह 15 दिनों तक गोंडा से बाहर थे। इसको लेकर काफी चर्चाएं थीं। अब इस पर भारतीय जनता पार्टी के नेता ने खुद बड़ा दावा किया है। 15 दिनों तक गोंडा से गायब रहने पर बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, '2023 में कुछ वर्ल्ड चैंपियन पहलवानों ने रायता फैलाया था। वही रायता समेटने में समय लग रहा है।' इसके साथ ही पीएम मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने पर बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के प्रधानमंत्री का 12 साल का कार्यकाल पूरा करना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसलिए, मैं प्रधानमंत्री मोदी और सरकार को बधाई देना चाहता हूं। इसके साथ ही पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि जब तक राहुल गांधी सांसद रहेंगे तब तक बीजेपी को कोई परेशानी नहीं आने वाली है।

541 श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना

अमृतसर, 10 जून (एजेंसियां)। पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव की शहीदी वर्षगांठ मनाने के लिए 541 श्रद्धालुओं का एक जत्था आज पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। जत्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की अगुवाई में कमेटी सदस्य भूपिंदर सिंह पहलवान और गुरमीत सिंह बूह के नेतृत्व में एसजीपीसी ऑफिस से जयकारों के साथ रवाना हुआ। इस दौरान धर्म प्रचार कमेटी के सेक्रेटरी गुरिंदर सिंह मथरेवाल, पर्सनल सेक्रेटरी शाहबाज सिंह, एडिशनल सेक्रेटरी बिजय सिंह, जसविंदर सिंह जस्सी, प्रीतपाल सिंह, भगवंत सिंह धंगेरा ने ग्रुप के नेताओं को सिरोपा देकर सम्मानित किया। यह ग्रुप 18 जून को लाहौर के गुरुद्वारा डेहरा साहिब में श्री गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस मनाएगा और 19 जून को देश लौटेगा। जत्थे का नेतृत्व कर रहे शिरोमणि कमेटी के सदस्य भूपिंदर सिंह ने कहा कि सिख श्रद्धालुओं की इच्छा थी कि वे श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर उनके शहीदी स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करें। उन्होंने कहा कि काफी समय से शहीदी पर्व के मौके पर जत्था नहीं जा पाया था, लेकिन गुरु साहिब की कृपा से इस बार जत्थे को मंजूरी मिल गई है।

उन्होंने कहा कि सिख संगत की भावनाओं के अनुसार दोनों देशों की सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह जत्था हर साल भेजा जाए। इस दौरान धर्म प्रचार कमेटी के सचिव गुरिंदर सिंह मथरेवाल ने बताया कि यह जत्था 11 जून को श्री गुरु नानक देव जी के जन्म स्थान गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पहुंचेगा, जहां से यह जत्था गुरुद्वारा सच्चा सौदा साहिब, शेखूपुरा जाएगा। 12 जून को यह जत्था गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब के लिए रवाना होगा, जहां से यह 14 जून को गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब, श्री करतारपुर साहिब पहुंचेगा। 15 जून को जत्था गुरुद्वारा श्री रोड़ी साहिब अमीनाबाद जाएगा और उसके बाद गुरुद्वारा श्री डेहरा साहिब लाहौर पहुंचेगा, जहां शहीदी समारोह को लेकर 16 जून को श्री अखंड पाठ साहिब का उद्घाटन किया जाएगा। 18 जून को जत्था शहीदी समारोह में भाग लेगा और 19 जून को जत्था देश लौटेगा।

उरी में एलओसी के पास धमाका, दो जवानों की मौत

श्रीनगर, 10 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुए एक धमाके में दो सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में हुई। धमाके में दोनों सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि मृत सैनिकों की पहचान अर्जुन जाधव और विक्रम बालकृष्ण के रूप में हुई है। दोनों महाराष्ट्र के निवासी थे। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें श्रीनगर के बादामीबाग छावनी स्थित सेना के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

दोनों सैनिक 8 राष्ट्रीय राइफल्स से संबद्ध थे। धमाके के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों से होकर लगभग 740 किलोमीटर लंबी एलओसी गुजरती है। वहीं, जम्मू डिवीजन में एलओसी पुंछ, राजौरी और आंशिक रूप से जम्मू जिले में स्थित है। इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश की लगभग 240 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा सांबा, जम्मू और कठुआ जिलों से होकर गुजरती है। एलओसी की सुरक्षा भारतीय सेना करती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जिम्मे है। सीमा पार से घुसपैठ, तस्करी और ड्रोन गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए दोनों बल सीमा क्षेत्रों में तैनात रहते हैं।

ड्रोन खतरों से निपटने के लिए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन प्रणालियां तैनात की गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी नेटवर्क और उनके समर्थक तत्व ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद, नकदी और मादक पदार्थ भारतीय क्षेत्र में पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक के ठिकानों पर छापा

साढ़े नौ करोड़ की संपत्ति मिली

इंदौर, 10 जून (एजेंसियां)। इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक लक्ष्मीनारायण कंडवाल के यहां छापा मारकर आय से अधिक संपत्ति का पता लगाया।अधिकारी को अब तक के अपने सेवाकाल में वेतन से ढाई करोड़ रुपये प्राप्त हुए, लेकिन छापे में साढ़े नौ करोड़ रुपये की संपत्ति मिली है।

उन्होंने अपनी आय से 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित की है। छापे में स्कीम-103 में एक तीन मंजिला मकान और एक व्यावसायिक परिसर मिला। इसके अलावा स्कीम-140 में 10 हजार वर्गफीट के प्लॉट भी मिले। 30 वर्षों के सेवाकाल में वे अलग-अलग जिलों में पदस्थ रहे। फिलहाल वे इंदौर में पदस्थ थे। कंडवाल के पास पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के तारापुर, बेकलाय और बनेड़िया में 11 प्लॉट भी मिले हैं। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय ने बताया कि शिकायत मिलने पर बुधवार सुबह छापे की योजना बनाई गई थी। इसके लिए तीन टीमों का गठन किया गया।

मकान, जिम और एक डिपार्टमेंटल स्टोर पर टीमों ने छापा मारकर कथित काली कमाई से जुटाई गई संपत्ति का पता लगाया। कंडवाल के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 13(1)(बी) एवं 13(2) के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया है।लक्ष्मीनारायण कंडवाल महिला एवं बाल विकास विभाग में संयुक्त संचालक के पद पर वर्ष 1996 से पदस्थ हैं। अब विभाग उनके निलंबन की कार्रवाई कर सकता है।

शादी का दबाव बना मौत की वजह

दो महीने बाद खुला महिला हत्याकांड का रहस्य; शव जलाकर मिटाए थे सबूत

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे और नवी मुंबई से जुड़े एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने दो महीने बाद खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक एक ईंट सप्लायर ने शादी के दबाव से बचने के लिए 30 वर्षीय महिला की हत्या कर दी और पहचान छिपाने के लिए शव को जला दिया। महिला का जला हुआ शव अप्रैल में नवी मुंबई के पनवेल इलाके में मिला था।

लंबे समय तक पहचान नहीं हो पाने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और गुमशुदगी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस के अनुसार 11 अप्रैल को पनवेल के चिंचवली-वाकड़ी गांव की सीमा के पास एक बुरी तरह जला और सड़ा हुआ शव मिला था। शव के पास कोई पहचान पत्र नहीं था। ऐसे में पुलिस ने महिला के शरीर पर मिले गहनों की जानकारी देशभर में साझा की और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान ठाणे के शील डाइघर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक गुमशुदगी रिपोर्ट से बड़ा सुराग मिला।

पुलिस ने बताया कि महिला की अंगूठियां, नथ, कान के झुमके और शरीर की बनावट गुमशुदा महिला अनितादेवी भगवान राजभर से मेल खा रही थी। पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि महिला लगातार करण नामदेव पाटिल नाम के एक व्यक्ति के संपर्क में थी। करण शिलफाटा इलाके में ईंट सप्लायर का काम करता है। पुलिस ने जब उसे पूछताछ के लिए बुलाया तो वह शुरू में सहयोग नहीं कर रहा था। इसके बाद पुलिस का शक और गहरा गया। हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली।

'मालाबार गोल्ड' शोरूम में हाईप्रोफाइल महिला चोर, मुंह में छिपाए सोने-हीरे के गहने

वडोदरा, 10 जून (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा के पॉश रेसकोर्स इलाके में स्थित 'मलबार गोल्ड' शोरूम में चोरी की एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। खरीदारी के बहाने पहुंची एक हाईप्रोफाइल महिला ने स्टाफ की नजरों से बचकर लाखों रुपये कीमत की सोने और डायमंड की अंगूठी व ईयररिंग्स चुराने की कोशिश की। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला ने चोरी किए गए गहनों को अपने मुंह में छिपा लिया था, ताकि किसी को शक न हो। हालांकि शोरूम स्टाफ की सतर्कता के चलते महिला की हरकत पकड़ में आ गई और उसे मौके पर ही रोक लिया गया। पकड़े जाने पर महिला रो पड़ी। उसने माफी भी मांगी।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि महिला एक ग्राहक बनकर शोरूम में दाखिल हुई। इसके बाद उसने स्टाफ से सोने और हीरे के गहने देखने का अनुरोध किया। स्टाफ से बातचीत करते हुए, उसने उनका ध्यान भटकाने की कोशिश की और फिर चुपके से सोने-हीरे की बालियों का एक सेट और एक अंगूठी अपने मुंह में छिपा ली। जब स्टाफ को उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ, तो गहनों की दोबारा गिनती की गई। कुछ गहने गायब पाए जाने पर महिला से पूछताछ की गई।

650 करोड़ के कथित स्वास्थ्य घोटाले पर कांग्रेस का हमला

दिल्ली के अस्पतालों और खरीद व्यवस्था पर गंभीर सवाल

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद से जुड़े 650 करोड़ रुपये के कथित घोटाले को लेकर सियासत तेज हो गई है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी और बीजेपी दोनों पर निशाना साधते हुए राजधानी की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित सार्वजनिक धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, जबकि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर केवल आश्वासन दिए जाते रहे। देवेंद्र यादव ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में खरीद से जुड़ा यह मामला आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आए कथित भ्रष्टाचार के नए उदाहरण के रूप में सामने आया है।

उनके अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खर्च किए जाने वाले फंड का सही उपयोग सुनिश्चित करने के बजाय व्यवस्था को अनियमितताओं के हवाले कर दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा बीजेपी सरकार इस मामले में जवाबदेही तय करने के बजाय चुप्पी साधे हुए है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान संचालित औषधालयों को मोहल्ला क्लीनिकों में बदलने के बाद दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते वर्षों में सरकारी अस्पताल कुछ भ्रष्ट अधिकारियों, मंत्रियों और चिकित्सकों के लिए धन उगाही का माध्यम बनते चले गए, जिसका खामियाजा आम मरीजों को भुगतना पड़ा।

देवेंद्र यादव ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के ब्लॉक विस्तार परियोजना में कथित वित्तीय गड़बड़ियों और लागत में भारी बढ़ोतरी का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद संबंधित मंत्रियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने इसे करदाताओं के धन के दुरुपयोग पर सरकारों की कथित मिलीभगत का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों के लिए दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद को केंद्रीकृत करने, लागत कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से गठित केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) की कार्यप्रणाली अब गंभीर सवालों के घेरे में है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, जांच में यह बात सामने आई है कि एजेंसी से जुड़े कुछ अधिकारियों ने ऑर्डर बढ़ाने, आपूर्तिकर्ताओं के चयन और बाजार दरों से अधिक कीमत पर बिल स्वीकृत कराने में कथित तौर पर भूमिका निभाई।

देवेंद्र यादव ने बताया कि एसीबी द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद दिल्ली सरकार के अस्पतालों और सीपीए की खरीद प्रक्रिया से जुड़े मामलों में 10 डॉक्टरों और 45 अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनके अनुसार, यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि जांच एजेंसियां खरीद व्यवस्था में संभावित अनियमितताओं को गंभीरता से देख रही हैं।

उत्तरकाशी के दयारा बुग्याल ट्रैक से बबीता पांडे गायब

12 दिन से तलाश जारी, 100 जवान सर्च ऑपरेशन में लगे

उत्तरकाशी, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में दयारा बुग्याल ट्रैक से एक लड़की बबीता पांडे गायब हो गई। पिछले 12 दिन से उसकी तलाश जारी है। 23 वर्षीय बबीता पांडे मूल रूप से नैनीताल के रामनगर क्षेत्र के चिल्किया गांव की रहने वाली है। एमबीए छात्रा बबीता पांडे 29 मई की रात से रहस्यमय हालात में लापता हो गई। उसकी तलाश के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और पुलिस की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। बताया जा रहा है कि बबीता अपने दो दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर गई थी। वो गोई बेस कैंप में रुके थे। बबीता के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह आधी रात को टेंट से बाहर गई थी और उसके बाद वापस नहीं लौटी। 12 हजार फीट पर गुम हुई बबीता पांडे का 12 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। 100 जवान, ड्रोन,हेलीकॉप्टर और डॉग स्क्वॉड दिन रात बबीता की तलाश में जुटे हैं। पुलिस के अनुसार, बबीता अपने दो दोस्तों के साथ 28 मई को रैथल गांव में रुकी थी, जिसकी फुटेज सीसीटीवी में कैद हुई थी। एक दिन बाद, उन्होंने रैथल से दयारा बुग्याल के लिए ट्रेकिंग शुरू की और गोई बेस कैंप में रात बिताई। लेकिन बबीता कैंप से लापता हो गई। बबीता को खोजने की जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि ट्रेकिंग एजेंसी 'प्रो माउंटेन' ने उन्हें ट्रेक पर भेजने के लिए फर्जी परमिट का इस्तेमाल किया था।

उत्तरकाशी के जिला पर्यटन अधिकारी केके जोशी ने बताया कि पांडे और उनके दोस्तों के पास आधिकारिक पर्यटन पोर्टल 'एक्सप्लोर उत्तरकाशी' पर कोई वैध डिजिटल परमिट नहीं था। एजेंसी के बारे में यह भी पता चला कि 'प्रो माउंटेन' ने सरकारी राजस्व नियमों का उल्लंघन किया था। धोखाधड़ी के कारण ट्रेकिंग एजेंसी का रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने पूछताछ के लिए बबीता के दो दोस्तों को हिरासत में लिया था। उनकी पहचान उधम सिंह नगर जिले के हरमनपाल सिंह और उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के हरमनप्रीत सिंह के तौर पर हुई। उनके साथ-साथ, पुलिस ट्रेकिंग एजेंसी के गाइड और अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ कर रही है।

एमबीबीएस सीट दिलाने के नाम पर 1.40 करोड़ की ठगी

डॉक्टर समेत दो के खिलाफ केस दर्ज

बेंगलुरु, 10 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एमबीबीएस की मैनेजमेंट कोटा सीट दिलाने का झांसा देकर एक दंपति से 1.40 करोड़ रुपए की कथित ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में बागलगुंटे पुलिस ने एक डॉक्टर सहित दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। आरोपियों पर भरोसा तोड़ने और धोखाधड़ी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता दंपति अपनी बेटी के लिए निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीट की तलाश कर रहे थे। उनकी बेटी नीट परीक्षा के अंकों के आधार पर सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने में सफल नहीं हो सकी थी। ऐसे में वे मैनेजमेंट कोटा के तहत किसी निजी मेडिकल कॉलेज में दाखिले के विकल्प तलाश रहे थे।

एफआईआर में बताया गया है कि आरोपी डॉक्टर डॉ। शिल्पा अरावली (ए-1), जो उस समय तुमकुर रोड स्थित प्रक्रिया अस्पताल में कार्यरत थीं, ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया। डॉक्टर ने दावा किया कि उनके और उनके सहयोगियों के निजी मेडिकल कॉलेजों में मजबूत संपर्क हैं तथा वे मैनेजमेंट कोटा के तहत एमबीबीएस सीट दिलवा सकती हैं। डॉक्टर के आश्वासन पर विश्वास करते हुए शिकायतकर्ता ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की सहमति दे दी। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने सबसे पहले प्रक्रिया अस्पताल के पार्किंग क्षेत्र के पास शिकायतकर्ता से 35 लाख रुपए नकद लिए। इसके बाद शिकायतकर्ता को निर्देश दिया गया कि वे शेष राशि आरटीजीएस के माध्यम से पी। किरण कुमार (ए-2) के बैंक खाते में स्थानांतरित करें। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जुलाई से सितंबर 2023 के बीच चार अलग-अलग किश्तों में कुल 1.05 करोड़ रुपए आरोपी के खाते में भेजे गए। इस प्रकार आरोपियों को कुल 1.40 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

हालांकि, पूरी राशि प्राप्त करने के बाद भी आरोपियों ने कथित तौर पर विभिन्न बहाने बनाकर दाखिले की प्रक्रिया को लगातार टालना शुरू कर दिया। शिकायत में कहा गया है कि 28 दिसंबर 2023 को डॉ। शिल्पा अरावली ने शिकायतकर्ता को सूचित किया कि वह एमबीबीएस सीट की व्यवस्था करने में असमर्थ हैं और इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त समय की मांग की। इसके बाद भी शिकायतकर्ता लगातार आरोपियों से संपर्क करते रहे और कई बार धनराशि वापस करने की मांग की। शिकायत के अनुसार, 23 मार्च 2024 को प्रक्रिया अस्पताल में दोनों पक्षों के बीच व्यक्तिगत मुलाकात भी हुई, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों ने न तो पैसे लौटाए और न ही किसी प्रकार का समाधान प्रस्तुत किया। आखिरकार शिकायतकर्ता ने पुलिस का रुख किया, जिसके आधार पर 7 जून को बागलगुंटे पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

अमरनाथ यात्रियों को बड़ी राहत

तवी रिवर फ्रंट पर ही मिलेगा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, मिलेगी वन-स्टॉप सुविधा

जम्मू, 10 जून (एजेंसियां)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से तैयारियों को लेकर नई व्यवस्था लागू हो गई है। इनमें तवी रिवर फ्रंट में बनाए जा रहे यात्री पंजीकरण केंद्र पर ही स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाने की सुविधा दी जाएगी। श्रद्धालु यात्रियों को यहीं पर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन, स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाए जाने के बाद रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान दी जाएगी। उसके बाद ही श्रद्धालु अपने जत्थे के साथ भगवती नगर यात्री निवास से रवाना होंगे।

पूर्व में बाबा के श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण की व्यवस्था रेलवे स्टेशन स्थित श्री माता वैष्णो देवी धाम, सरस्वती धाम परिसर में की जाती रही है। यहां पर यात्रा शुरू होने से लेकर 10 दिन तक श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। इस वर्ष प्रशासन के निर्देश पर पंजीकरण व स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाए जाने का कार्य तवी रिवर फ्रंट स्थित यात्रा पंजीकरण में होगा। नई व्यवस्था से रेलवे स्टेशन व आसपास श्री माता वैष्णोदेवी धाम के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात बाधित नहीं होगा। इससे श्रद्धालु भी परेशान नहीं होंगे। बाबा अमरनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य निदेशक डॉ. पूनम सेठी ने डिप्टी डायरेक्टर व संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों, नोडल अधिकारियों के साथ बैठक में समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी यात्रा में लगाई जा रही है, वे अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि विभागीय स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए श्रद्धालुओं को इधर-उधर नहीं भटकना होगा,तवी रिवर फ्रंट पर ही उनकी स्वास्थ्य जांच कर प्रमाणपत्र जारी होंगे। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए शेड लेकर पहला लंगर दल बालटाल पहुंच गया है। पशुपतिनाथ सेवक दिल्ली का यह दल यहां से आगामी 14 जून को पवित्र गुफा के लिए रवाना होगा। दल के सेवक वहां बाबा बर्फानी के नाम पर लंगर लगाएंगे। घोड़ों के लिए भी लंगर का इंतजाम होगा।

सेवक इसके लिए सौ टन चारा लेकर पहुंचेंगे। पशुपतिनाथ सेवक दल दिल्ली के प्रधान राजीव सेठी के अनुसार वे 27 साल से लंगर लगा रहे हैं। दल में करीब 15 स्वयंसेवक शामिल हैं जो शेड लगाकर इसमें लंगर की सामग्री जुटाएंगे। आगामी तीन जुलाई से शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा के लिए 131 लंगरों ने अनुमति ली है। सभी के अपने अलग-अलग मेन्यू हैं। दक्षिण भारतीय भोजन को भी जगह दी है। इसके अतिरिक्त टिक्की, गोलगप्पे, दही-भल्ले आदि को भी मेन्यू में शामिल किया है। अग्रिम पंजीकरण तीन जुलाई से चलेगा।

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की वेबसाइट के मुताबिक यह पंजीकरण 12 अगस्त तक चलेगा। उपायुक्त जतिन किशोर ने मंगलवार को बालटाल मार्ग से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को लंबित कार्य 20 जून तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए ताकि यात्रा का संचालन सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जा सके। एक्शन प्लान के तहत विभिन्न विभागों के कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

साहिबाबाद की फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

गाजियाबाद, 10 जून (एजेंसियां)। गाजियाबाद के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र के साइट-4 स्थित एक फर्नीचर निर्माण इकाई में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री उसकी चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 जून को सुबह करीब 4:55 बजे फायर विभाग को सूचना मिली कि साइट-4, साहिबाबाद स्थित एक लकड़ी के गोदाम एवं फर्नीचर निर्माण इकाई में आग लग गई है।

सूचना मिलते ही प्रभारी अधिकारी फायर टेंडरों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि प्लॉट संख्या 534-सी स्थित एसएस फर्नीचर सोफा होम नामक फैक्ट्री में भीषण आग लगी हुई थी। फैक्ट्री में सोफे बनाने का कार्य किया जाता था और बड़ी मात्रा में लकड़ी, फोम तथा अन्य ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी। आग की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुख्य अग्निशमन अधिकारी को सूचना दी गई। उनके निर्देश पर फायर स्टेशन वैशाली से दो अतिरिक्त वाटर ब्राउजर भी मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों ने चारों तरफ से आग को घेरकर बुझाने का अभियान शुरू किया। इस दौरान आग की तेज लपटों के कारण फैक्ट्री का टिन शेड गिर गया, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की

11 बच्चों समेत 13 की मौत, 14 महिलाएं घायल तालिबान ने एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया

काबुल/इस्लामाबाद, 10 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने मंगलवार रात अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की। तालिबान के मुताबिक, इन हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल हैं। 14 महिलाएं घायल हुई हैं।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम घरों को निशाना बनाकर बमबारी की। मुजाहिद ने घायलों की फोटोज भी शेयर कीं।

हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक इस कार्रवाई के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी हो रही है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 9 जून को एक बॉर्डर चौकी पर हुए हमले में पाकिस्तान के छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के दौरान आठ आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि हमलावरों ने सीमा चौकी पर कब्जा करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान लंबे समय से कहता रहा है कि उसकी सैन्य कार्रवाई आतंकवादी संगठनों के खिलाफ है, खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ। पाकिस्तान का आरोप है कि (टीटीपी) के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं और पाकिस्तान में हमले करते हैं।

वहीं काबुल में तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। उसका कहना है कि वह किसी भी ऐसे समूह को पनाह नहीं दे रही है। इसके उलट तालिबान पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाता है। तालिबान सरकार के अनुसार पिछले एक साल में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। मार्च 2026 में अफगानिस्तान पर एक बड़ा हवाई हमला किया था।

अफगान अधिकारियों के मुताबिक, काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुई बमबारी में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

तालिबान ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में 269 मौतों की पुष्टि हुई थी।

अफगानिस्तान का दावा था कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया था। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान का दावा था कि कार्रवाई में एक गोला-बारूद डिपो को टारगेट किया गया था। मार्च की उस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया।

राफेल का नया उत्तराधिकारी, यूरोप का महागठबंधन टूटा

अब अकेले ही 6th जेन फाइटर जेट बनाएगा फ्रांस

पेरिस, 10 जून (एजेंसियां)। छठी पीढ़ी लड़ाकू विमान बनाने के लिए फ्रांस और जर्मनी के बीच चल रही बातचीत टूट गई है। 8 जून को 'फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम' (एफसीएएस) नेक्स्ट-जेनरेशन फाइटर प्रोग्राम के फेल होने की पुष्टि हो गई है। इस प्रोग्राम के तहत छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान बनाया जाना था। फ्रांस और जर्मनी के साथ इस प्रोग्राम में स्पेन भी था। जर्मनी के साथ बातचीत नाकाम होने के बाद अब फ्रांस ने अकेले ही राफेल के उत्तराधिकारी छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान को बनाने का फैसला किया है।

इसका एक अहम संकेत राफेल बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी 'डसॉ एविएशन' के सीईओ एरिक ट्रैपियर के बयानों से मिला है। उन्होंने कहा कि फ्रांस को मल्टीनेशनल यूरोपियन प्रोग्राम पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय भविष्य की पीढ़ी के कॉम्बैट एयरक्राफ्ट को खुद डिजाइन और प्रोड्यूस करने की क्षमता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने बार-बार कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो फ्रांस के पास अकेले ही अगली पीढ़ी का फाइटर डेवलप करने की काबिलियत है।

एरिक ट्रैपियर ने मिराज सीरीज से लेकर अपने सबसे नए फाइटर राफेल तक एयरक्राफ्ट डिजाइन करने के देश के लगातार इतिहास का हवाला दिया। ट्रैपियर ने कहा कि फ्रांस 'एक और पीढ़ी को स्वतंत्र रूप से डेवलप करने' के विकल्पों पर विचार कर रहा है ताकि मौजूदा राफेल और यहां तक कि मुश्किलों में फंसे एफसीएएस प्रोग्राम से आगे बढ़कर एक स्वतंत्र तकनीकी रास्ता अपनाया जा सके। आपको बता दें कि राफेल लड़ाकू विमान को भी फ्रांस ने अकेले ही बनाया है। वो पहले ब्रिटेन के साथ यूरोफाइटर प्रोजेक्ट में जुड़ा था लेकिन कई मुद्दों पर असहमति के बाद उसने अकेले ही राफेल बनाने का फैसला किया।

फ्रांस ने एयरफ्रेम और स्टील्थ डिजाइन, कॉम्बैट एवियोनिक्स और मिशन सिस्टम, अपने एयरबोर्न डेटरेंट (हवा से हमला करने की क्षमता) के लिए न्यूक्लियर स्ट्राइक सर्टिफिकेशन, फ्रेंच नेवी के भविष्य के एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेशन के लिए कम्पैटिबिलिटी और स्वदेशी हथियारों के साथ साथ लॉयल-विंगमैन ड्रोन के इंटीग्रेशन जैसे मामलों में काफी हद तक आजादी बनाए रखी है। दूसरे यूरोपीय देशों के उलट फ्रांस ने लंबे समय से एक ऐसा घरेलू एयरोस्पेस इंडसट्रियल बेस बनाए रखने की कोशिश की है जो विदेशी निर्भरता के बिना एडवांस्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट डिज़ाइन और मैन्युफैक्चर कर सके।

फ्रांस पहले यूरोफाइटर प्रोजेक्ट में था लेकिन इस प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद उसने पांच साल पहले ही राफेल बना लिया। ये फ्रांस की क्षमता को दिखाता है। यूरोफाइटर के मुकाबले भी राफेल को काफी बेहतर माना जाता है। यूरोफाइटर को यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और इटली ने मिलकर बनाया था। राफेल की रेंज ज्यादा है, ऑपरेशनल लागत कम है और इसमें कहीं ज्यादा एडवांस्ड रडार लगा है। राफेल में फ्रांस ने 2001 में ही यानि यूरोफाइटर से 20 वर्ष पहले ही फेज़्ड ऐरे रडार इंटीग्रेट कर दिया था और 2013 में डवांस्ड 'एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे रडार' इंटीग्रेट कर लिया गया।

दक्षिण अफ्रीका में मास शूटिंग में 12 लोगों की मौत

10 से ज्यादा हमलावरों की तलाश

केप टाउन, 10 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका में एक बार फिर सामूहिक गोलीबारी की बड़ी घटना सामने आई है। मंगलवार शाम देश के गौतेंग प्रांत में जोहान्सबर्ग के पूर्व में स्थित क्लीवलैंड इलाके की जंपर्स अनौपचारिक बस्ती में अज्ञात हमलावरों ने कई जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक हमलावर एक सफेद टोयोटा क्वांटम वाहन में पहुंचे थे। वे बस्ती में दो अलग-अलग रास्तों से दाखिल हुए और कई स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद उसी वाहन से फरार हो गए। अधिकारियों का मानना है कि इस हमले में 10 से ज्यादा लोग शामिल थे। घटना के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस फिलहाल हमले के कारणों की जांच कर रही है और अभी तक किसी मकसद की पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब दक्षिण अफ्रीका पहले से ही हिंसक अपराधों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है।

देश में औसतन हर दिन करीब 60 हत्याएं दर्ज की जाती हैं।

एच–1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर वसूलने का आदेश रद्द

कोर्ट बोला– ट्रम्प फीस के नाम पर टैक्स नहीं ले सकते, भारतीयों को सबसे ज्यादा राहत

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प के एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर (करीब 95 लाख रुपए) फीस वसूलने वाली नीति को रद्द कर दिया है। बॉस्टन कोर्ट ने कहा कि यह फीस नहीं बल्कि एक टैक्स है और इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति नहीं, बल्कि संसद की मंजूरी जरूरी थी। ट्रम्प ने सितंबर 2025 में घोषणा की थी कि जो कंपनियां एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देंगी, उन्हें हर वीजा के लिए 1 लाख डॉलर की एक्स्ट्रा फीस देनी होगी। इसके बाद 20 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने इसे चुनौती दी थी। अब कोर्ट के फैसले के खिलाफ ट्रम्प सरकार अपील कर सकती है।

एच-1बी एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां कुछ समय के लिए विदेशों से हाई स्किल वाले पेशेवरों को नौकरी पर रख सकती हैं। पहले एच-1बी वीजा आवेदन करने पर कंपनियों को करीब 2000 से 5000 डॉलर तक फीस देनी पड़ती थी।

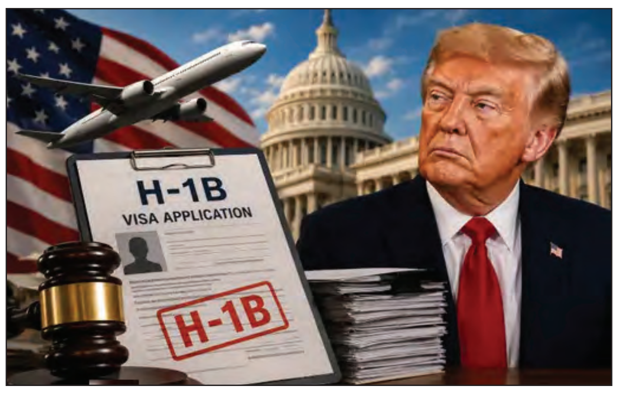

इस वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भारतीय आईटी और टेक प्रोफेशनल्स करते हैं। ऐसे में कोर्ट के इस फैसले को भारतीयों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। ट्रम्प सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि एच-1बी सिस्टम का दुरुपयोग हो रहा है। सरकार के मुताबिक कई कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को रख रही थीं। ऐसे में यह फीस टैक्स नहीं बल्कि एक तरह का आर्थिक दंड है। सरकार ने कहा कि इमिग्रेशन कानून के तहत राष्ट्रपति को विदेशी नागरिकों की एंट्री सीमित करने का अधिकार है, लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं हुआ। ट्रम्प सरकार के फीस बढ़ने का असर वीजा आवेदनों पर भी पड़ा। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 के लिए एच-1बी रजिस्ट्रेशन में 38.5% की गिरावट आई। यह संख्या 3.44 लाख से घटकर 2.11 लाख रह गई।

अमेरिकी सरकार ने खुद कोर्ट में माना था कि फीस बढ़ने के बाद एच-1बी वीजा के आवेदन तेजी से घटे हैं। मार्च में प्रशासन ने बताया था कि 15 फरवरी तक सिर्फ 85 लोगों ने ही नई फीस जमा की थी।

एच-1बी प्रोग्राम के तहत हर साल 65,000 वीजा जारी किए जाते हैं। इसके अलावा एडवांस डिग्री वाले विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए और 20,000 वीजा दिए जाते हैं। यह वीजा आमतौर पर 3 से 6 साल के लिए मंजूर होता है।

फिलीपींस में भूकंप के बाद 2100 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए

मौत का आंकड़ा 45 पहुंचा

मनीला, 10 जून (एजेंसियां)। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद हालात अभी भी सामान्य नहीं हो पाए हैं। मुख्य भूकंप के दो दिन बाद भी धरती लगातार कांप रही है और अब तक 2100 से ज्यादा आफ्टरशॉक दर्ज किए जा चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप और उसके बाद हुए नुकसान में 45 लोगों की मौत हो चुकी है, 630 से ज्यादा लोग घायल हैं और 17 लोग अब भी लापता हैं।

बुधवार को जनरल सैंटोस शहर में एक ढही हुई इमारत में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान फिर जोरदार झटका महसूस हुआ। झटके के बाद बचावकर्मियों को तुरंत बाहर निकलना पड़ा, क्योंकि इमारत से मलबा गिरने लगा था।

लगातार आ रहे आफ्टरशॉक की वजह से लोग घर लौटने से डर रहे हैं। 25 हजार से ज्यादा लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं।

भूकंप से 3,100 से ज्यादा घर, दर्जनों सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। जनरल सैंटोस एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते सामान्य उड़ानें बंद कर दी गई हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलीपींस में पिछले कई दशकों के सबसे ताकतवर भूकंपों में से एक है।

आफ्टरशॉक का सिलसिला अभी कुछ दिनों तक जारी रह सकता है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन 2030 तक खत्म हो जाएगा

खामियां दूर करना चुनौती, नासा प्रशांत महासागर में मलबा गिराएगी, 9500 करोड़ खर्च होंगे

न्यूयॉर्क, 10 जून (एजेंसियां)। पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में स्थित इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नासा ने 2028 से शुरू करके 2030 तक इसे सुरक्षित तरीके से धरती पर गिराने की अपनी योजना को सार्वजनिक किया है।

इसके लिए नासा ने 1 अरब डॉलर (करीब 9500 करोड़ रुपए) का प्लान तैयार किया है। आईएसएस पिछले 25 साल से सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है।

आईएसएस निर्धारित उम्र पूरी कर चुका है। इसका कार्यकाल कई बार बढ़ चुका है। पिछले कुछ सालों से इसमें लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। स्टेशन को सुरक्षित बनाए रखने पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं। नासा अब

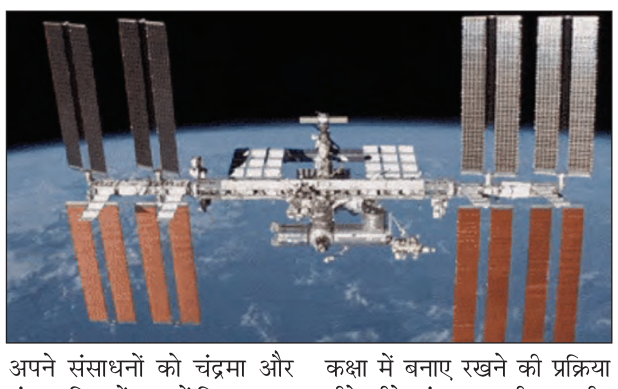

अपने संसाधनों को चंद्रमा और मंगल मिशनों पर केंद्रित करना चाहता है। इसलिए आईएसएस को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से रिटायर करने का फैसला लिया गया है।

करीब 4.5 लाख किलोग्राम वजनी आईएसएस को यूं ही पृथ्वी की ओर गिरने नहीं दिया जाएगा। 2028 के आसपास स्टेशन को कक्षा में बनाए रखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे बंद कर दी जाएगी। विशेष अंतरिक्ष यान से उसे नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में धकेला जाएगा। वायुमंडल में प्रवेश करते ही स्टेशन का अधिकांश हिस्सा घर्षण से जलकर नष्ट हो जाएगा।

हालांकि, इसके बाद भी स्पेस के बड़े टुकड़े पृथ्वी पर आबादी वाले क्षेत्रों में गिर सकते हैं। इसलिए नासा ने प्रशांत महासागर में जमीन से काफी दूर स्थित क्षेत्र को चुना है, ताकि वायुमंडल में जलने के बाद बचा हुआ मलबा इसी सुनसान समुद्री क्षेत्र में गिरे।

नासा के अनुसार, आईएसएस को दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्र में क्रैश किया जाएगा। इस जगह का नाम पॉइंट नीमो है। यह जगह वैश्विक स्तर पर खास अंतरिक्ष के पुराने स्पेस स्टेशन, सैटेलाइट और दूसरे कचरे को डिस्पोज करने के लिए चुनी गई है।

पॉइंट नीमो के आसपास किसी भी जहाज के जाने पर बैन है। यहां इंसानों के रहने के लिए कोई जगह नहीं है। साल 1971 से लेकर अब तक तकरीबन 300 तरह के अंतरिक्षीय कचरे को यहां गिराया गया है।

हाथियों का उत्पात जारी

धनबाद, 10 जून (एजेंसियां)। टुंडी क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। इस समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन अब ब्लिंकिंग लाइट तकनीक अपनाने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य हाथियों को गांवों में आने से रोकना और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना है। पिछले लगभग 15 दिनों से करीब 35 हाथियों का झुंड टुंडी पहाड़ी क्षेत्र में डेरा डाले हुए है। ये हाथी भोजन की तलाश में अक्सर रात के समय पहाड़ से उतरकर आसपास के गांवों में पहुंच जाते हैं।

पर्वतपुर और बसहा सहित कई गांवों में हाथियों ने घरों को क्षतिग्रस्त किया है। खेतों में खड़ी धान, गेहूं सहित अन्य फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया गया है। हाथियों की अचानक आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है और उन्हें हर रात डर के साए में गुजारनी पड़ रही है।

रोटी तक ईएमआई पर लेने को मजबूर हुए ईरानी

तेहरान, 10 जून (एजेंसियां)। मैंने मोहल्ले की दुकान से उधार राशन लिया। अगले दिन पैसा देने गया तो बिल दोगुना हो चुका था।' तेहरान के 52 साल के सरकारी कर्मचारी मेहदी की यह बात ईरान में महंगाई की तस्वीर को बयां करती है। तेहरान, इस्फहान, अहवाज और मशहद के लोगों से बात करने पर पाया कि उनकी आवाजों में अब बमों से ज्यादा रसोई का डर दिख रहा है।

मेहदी ने बताया कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब तनख्वाह महीने के बीच में ही खत्म हो जाती है। कई इलाकों में हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि लोग रोटी, राशन, और सुपरमार्केट पैकेज तक ईएमआई में खरीद रहे हैं।

इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद कुछ ईरानियों को लगा था कि सरकार गिर जाएगी, लेकिन

ऐसा नहीं हुआ। अब सरकार समर्थक हों या विरोधी, सभी युद्ध, महंगाई और अनिश्चितता से टूट रहे हैं। युद्ध के बाद से देश में कुकिंग ऑयल 430%, अंडे 345%, चावल 287% और दूध 139% तक महंगे हो गए हैं।

कई अब युद्ध को बदलाव का रास्ता नहीं मान रहे। वे बातचीत को देश बचाने का आखिरी साधन समझने लगे हैं। सरकार विरोधी तेहरान की 44 साल की पर्यावरण विशेषज्ञ लीदा, ने कहा कि वे बातचीत के पक्ष में हैं। उनका कहना है कि ईरान ने बहुत जानें गंवाईं। इंफ्रास्ट्रक्चर टूटा।

युद्ध देश हित में नहीं है। विश्लेषक एली के मुताबिक यह विरोधियों के लिए कड़वा हिसाब लगाने का समय है। उन्हें मानना पड़ रहा है कि उम्मीदों के उलट यह शासन बचा रहा। ईरान में युद्ध शुरू होते ही इंटरनेट बंद हो गया था। मई के अंत तक लोग दुनिया से भी कटे रहे और एक-दूसरे से भी।

कश्मीर पर पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाने के बाद यूरोपीय संघ का एक और भारत विरोधी कदम, निशाने पर रूस संग दोस्ती

ब्रसेल्स, 10 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बयानबाजी के बाद यूरोपीय संघ ने एक और भारत विरोधी कदम उठाया है। मंगलवार को यूरोपीय संघ ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर प्रतिबंधों का 21वां पैकेज प्रस्तावित किया है। इसमें भारत और चीन समेत कई देशों की उन कंपनियों, वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा नेटवर्क और सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को निशाना बनाया गया है जिन पर रूस के सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र का समर्थन करने का आरोप है। भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव थोड़ा हैरान करने वाला है क्योंकि इसी साल दोनों के बीच व्यापार समझौता हुआ था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट के जरिए यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कल्लास ने इसकी घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि इस नए पैकेज का मकसद यूक्रेन में रूस की सैन्य गतिविधियों को जारी रखने और उनके लिए फंड जुटाने की क्षमता को और कमजोर करना है। कल्लास ने कहा 'हम एक-एक ईंट करके रूस की युद्ध-अर्थव्यवस्था की नींव को ढहा रहे हैं।'

कल्लास वही नेता हैं जिन्होंने इस्लामाबाद में पाकिस्तान में कश्मीर पर विवादित बयान देते हुए पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाए थे। यूरोपीय संघ ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ अपने 21वें प्रतिबंध पैकेज का जो प्रस्ताव रखा है उसमें भारत और चीन सहित कई देशों की करीब 50 कंपनियों पर कड़े निर्यात प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है।

काजा कल्लास ने कहा ने कहा 'प्रस्तावित पैकेज में रूसी तेल की कीमत पर प्राइस कैप को अस्थायी रूप से रोकना, उन संस्थानों पर प्रतिबंध लगाना जिनका इस्तेमाल मॉस्को कथित तौर पर राजस्व जुटाने और मौजूदा प्रतिबंधों से बचने के लिए करता है और बैंकों, हथियार निर्माताओं, तेल व्यापारियों, रिफाइनरियों और क्रिप्टोकरेंसी ऑपरेटरों को निशाना बनाने वाले अतिरिक्त उपाय शामिल हैं।'

बांग्लादेश के बीजीबी ने उठाया लोगों को 'जबरन धकेलने' का मुद्दा

ढाका, 10 जून (एजेंसियां)। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के डीजी अशरफुज्जमां सिद्दीकी के नेतृत्व वाले डेलीगेशन की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) डीजी के साथ बैठक हुई है। बांग्लादेश की मीडिया ने कहा है कि नई दिल्ली में दोनों देशों की बॉर्डर फोर्स के डायरेक्टर जनरल-लेवल की बातचीत में भारत से लोगों को भेजने (पुश-इन) की कोशिशों पर दोनों पक्षों ने एक बार फिर अलग रुख अपनाया है। बैठक में इस मुद्दे पर दोनों पक्षों में एक राय नहीं देखी गई। प्रथोमोलो की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बांग्लादेश ने भारत की पुश-इन की कोशिशों को गैर-कानूनी, अमानवीय और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। भारतीय अधिकारियों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि घरेलू कानूनों और तय प्रक्रियाओं के अनुसार गैर-कानूनी विदेशियों को वापस भेज रहा है। ऐसे में इस पर ढाका को एतराज नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, 57वीं बीजीबी-बीएसएफ डायरेक्टर जनरल-लेवल कॉन्फ्रेंस में पुश-इन के अलावा बॉर्डर पर बांग्लादेशी नागरिकों पर कथित गोलाबारी रोकने की मांग ढाका के डेलीगेशन की ओर से की गई। बीजीबी डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्जुमां सिद्दीकी ने लिखित बयान में बांग्लादेश का पक्ष रखा। बीजीबी हेडक्वार्टर के अनुसार, 7 मई 2025 से इस साल 26 जनवरी के बीच बीएसएफ ने 2,479 लोगों को बांग्लादेश भेजा। इनमें से 120 भारतीय नागरिक थे। बांग्लादेश का दावा है कि इस साल मई से बॉर्डर पर पुश-इन की कोशिशें बढ़ी हैं। पश्चिम बंगाल सरकार डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट (थ्री-डी) के तहत बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने का अभियान चला रही है। वहीं 2,800 से ज्यादा बांग्लादेशियों को बीजीबी को सौंपने को सही ठहराते हुए बीएसएफ ने दावा किया कि भारतीय बॉर्डर फोर्स तय प्रक्रियाओं के तहत ही काम कर रही है। बीएसएफ ने एक बार फिर बांग्लादेश को वापस भेजने के लिए अवैध लोगों की लिस्ट सौंपने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि जब बांग्लादेश को लिस्ट दी जाती है तो प्रक्रिया में बहुत देरी होती है।

बाइक खड़ी करने के झगड़े में पति-पत्नी का मर्डर

सक्ती, 10 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में बाइक खड़ी करने के विवाद में पड़ोसियों ने पति-पत्नी की हत्या कर दी। ग्राम सेंदुरस में 2 जून की रात आरोपी स्केल पट्टी की मदद से दरवाजा खोलकर घर के अंदर घुसे और सो रहे दंपत्ति के सिर पर रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है। आरोपियों ने मर्डर के बाद महिला के शव के गले से सोने का जेवर, नाक की फुल्ली और अलमारी में रखा कुछ सोना चुरा लिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने साल 2024 में पुरानी रंजिश को लेकर भी एक दंपत्ति की हत्या की थी। इनसे चोरी का जेवर खरीदने वाले सराफा व्यापारी को भी पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार, सेंदुरस गांव में बुजुर्ग दंपति पुरुषोत्तम खुंटे और गुहरिन बाई खुंटे खेती-किसानी का काम करते थे। उनके बच्चे बाहर रहते थे। 2 जून की रात दोनों अपने घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी अज्ञात बदमाशों ने उनके सिर और चेहरे पर लोहे की रॉड से वार कर उन्हें मार डाला था। मृतक महिला के गले से सोने के जेवर, अलमारी से नकदी और मोबाइल फोन गायब मिले थे। इस मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। फोन का लोकेशन ट्रेस करने पर खरसिया थाना क्षेत्र के पलगड़ा के आसपास मिला। जायसवाल ढाबे से देवकुमार यादव (33) को हिरासत में लिया गया, उसके पास से मृतक का मोबाइल बरामद हुआ। कड़ाई से पूछताछ में उसने अपने साथी रूपचरण यादव (40) के साथ मिलकर हत्या और लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

श्रीकृष्ण ने आखिर क्यों सहन की शिशुपाल की 100 गलतियां

महाभारत और श्रीकृष्ण की कथाओं में ऐसे कई रहस्य छिपे हैं जो आज भी लोगों को हैरान कर देते हैं। उन्हीं में से एक प्रसंग जुड़ा है चेदि नरेश शिशुपाल से। आपने अक्सर सुना होगा कि भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल की 100 गलतियां माफ की थीं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर भगवान श्रीकृष्ण जैसा धर्म का पालन करने वाला अवतार किसी व्यक्ति के इतने बड़े अपराधों को बार-बार क्यों सहता रहा। आखिर शिशुपाल कौन था, जिसने खुलेआम श्रीकृष्ण का अपमान किया, सभा में उनका विरोध किया और फिर भी उसे तुरंत दंड क्यों नहीं मिला। इसके पीछे की कथा क्या है और तब क्या हुआ जब शिशुपाल ने 100 गलतियों की सीमा पार कर दी। तो आइए जानते हैं श्रीकृष्ण और शिशुपाल से जुड़े इसी रोचक और रहस्यमयी प्रसंग के बारे में-

पौराणिक कथाओं में शिशुपाल और भगवान श्रीकृष्ण का संबंध केवल इस जन्म तक सीमित नहीं माना जाता, बल्कि इसे कई जन्मों से चले आ रहे वैर से जोड़ा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु के द्वारपाल जय और विजय को सनकादि ऋषियों के श्राप के कारण पृथ्वी पर जन्म लेना पड़ा। कहा जाता है कि उन्होंने अलग-अलग युगों में भगवान के विरोधी रूप में जन्म लिया - पहले हिरण्याक्ष और हिरण्यकश्यपु, फिर रावण और कुंभकर्ण, और बाद में शिशुपाल तथा अन्य विरोधी पात्रों के रूप में।

इस जन्म में शिशुपाल के मन में श्रीकृष्ण के प्रति शत्रुता के कई कारण बताए जाते हैं। उनमें सबसे प्रमुख कारण रुक्मिणी विवाह का प्रसंग माना जाता है। शिशुपाल, विदर्भ राजकुमार रुक्मी का घनिष्ठ साथी था। रुक्मी

अपनी बहन रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से करवाना चाहता था, जबकि रुक्मिणी स्वयं श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थीं। अंततः श्रीकृष्ण रुक्मिणी को अपने साथ ले आए, जिससे शिशुपाल का क्रोध और बढ़ गया। इसके अलावा शिशुपाल का संबंध कंस और मगध नरेश जरासंध से भी था। वह कई अवसरों पर श्रीकृष्ण के विरोधियों का साथ देता रहा। उसे यह भी विश्वास था कि श्रीकृष्ण उसके 100 अपराध करने पर भी उसके प्राण नहीं हरेंगे।

शिशुपाल के जन्म से जुड़ी कथा भी काफी रोचक मानी जाती है। कहा जाता है कि जन्म के समय उसका रूप सामान्य नहीं था। उसते तीन नेत्र और चार भुजाएं थी और वह गधे की तरह रो रहा था। इसे देखकर शिशुपाल के माता-पिता भयभीत हो उठे। वह उसका त्याग करना चाहते थे, लेकिन उसी समय आकाशवाणी हुई कि जिस व्यक्ति की गोद में जाने पर बालक का असामान्य रूप सामान्य हो जाएगा, वही आगे चलकर उसकी मृत्यु का कारण बनेगा। कई राजा और वीर उसे देखने पहुंचे, लेकिन जब बालक श्रीकृष्ण की गोद में पहुंचा, तब उसका स्वरूप सामान्य हो गया। यह देखकर उसकी माता चिंतित हो गईं। उन्होंने श्रीकृष्ण से अपने पुत्र के जीवन की रक्षा का वचन मांगा। तब श्रीकृष्ण ने आश्वासन दिया कि वे उसके 100 अपराधों को क्षमा करेंगे। समय बीतता गया और शिशुपाल कई अवसरों पर श्रीकृष्ण के प्रति कटु वचन बोलता रहा। लेकिन श्रीकृष्ण शांत बने रहे।

बाद में धर्मराज युधिष्ठिर ने राजसूय यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें अनेक ऋषि-मुनि, आचार्य और राजाओं को आमंत्रित किया गया। यज्ञ की विधि के दौरान प्रश्न उठा कि सभा में सबसे पहले सम्मान किसे दिया जाए। तब सहदेव ने श्रीकृष्ण को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए उनका नाम प्रस्तावित किया। भीष्म सहित अनेक विद्वानों ने भी इस मत का समर्थन किया। जैसे ही युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण का सम्मान करना शुरू किया, शिशुपाल क्रोधित हो उठा। उसने सभा के बीच श्रीकृष्ण की योग्यता पर प्रश्न उठाए और अपमानजनक बातें कहनी शुरू कर दीं। सभा में उपस्थित अनेक राजा और योद्धा उसके व्यवहार से नाराज़ हो गए, लेकिन श्रीकृष्ण ने सबको शांत रहने का संकेत दिया।

इसके बावजूद शिशुपाल नहीं रुका। वह लगातार कटु वचन बोलता रहा। तब श्रीकृष्ण ने उसे चेतावनी देते हुए कहा कि उसकी सीमाएं अब पूरी होने के करीब हैं और उसे रुक जाना चाहिए। लेकिन शिशुपाल ने इसे भी अनदेखा कर दिया और अपना अपमानजनक व्यवहार जारी रखा। अंततः जब उसने सारी सीमाएं पार कर दीं, तब श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसी क्षण शिशुपाल का अंत कर दिया। कहा जाता है कि उसके शरीर से निकली दिव्य ज्योति अंत में भगवान श्रीकृष्ण में विलीन हो गई।

जब सती के अपमान से कांप उठी सृष्टि

महादेव की जटा से जन्मे वीरभद्र ने कैसे किया था प्रजापति दक्ष का अंत?

हिंदू धर्म शास्त्रों और विशेषकर शिव पुराण में भगवान शिव के कई रूपों का वर्णन मिलता है, लेकिन उनका 'वीरभद्र' अवतार उनके सबसे भयंकर और शक्तिशाली रौद्र रूपों में से एक माना जाता है। यह अवतार न केवल महादेव के असीम क्रोध का प्रतीक है, बल्कि यह अन्याय और अहंकार के विनाश की एक जीवंत गाथा भी है।

शिव पुराण के मतानुसार ब्रह्मा के मानस पुत्र प्रजापति दक्ष कश्मीर घाटी के हिमालय क्षेत्र में रहते थे। उनकी पुत्री सती ने अपने पिता की इच्छा के विरूद्ध भगवान शंकर से विवाह किया था। माता सती और भगवान शंकर के विवाह उपरांत राजा दक्ष ने एक विराट यज्ञ का आयोजन किया लेकिन उन्होंने अपने दामाद और पुत्री को यज्ञ में निमंत्रण नहीं भेजा।

फिर भी सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंच गई। लेकिन दक्ष ने पुत्री के आने पर उपेक्षा का भाव प्रकट किया और शिव के विषय में सती के सामने ही अपमानजनक बातें कही। सती के लिए अपने पति के विषय में अपमानजनक बातें सुनना हृदय विदारक और घोर अपमानजनक था। यह सब वह बर्दाश्त नहीं कर पाई और इस अपमान को सहन न कर पाई उन्होंने वहीं यज्ञ कुंड में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए।

जब भगवान शिव को माता सती के प्राण त्यागने का ज्ञात हुआ तो उनका तीसरा नेत्र खुल गया और वे क्रोध से भर उठे। शिव ने अपनी एक बिजली जैसी चमकती जटा उखाड़कर बड़े वेग से पृथ्वी पर पटकी। उस जटा के टकराते ही वह दो भागों में विभाजित हो गई।

वीरभद्र: जटा के मुख्य भाग से एक अत्यंत विशाल और भयानक योद्धा प्रकट हुआ, जिसकी हजार भुजाएं थीं और जो साक्षात काल के समान प्रतीत हो रहा था। वह त्रिशूल और तलवार जैसे घातक शस्त्रों से सुसज्जित था।

भद्रकाली: जटा के दूसरे हिस्से से महाविनाश की देवी भद्रकाली का प्राकट्य हुआ।

भगवान शिव के आदेश पर वीरभद्र और भद्रकाली ने अपनी शिवगणों की सेना के साथ दक्ष के यज्ञ मंडप पर हमला कर दिया। वीरभद्र की शक्ति इतनी प्रचंड थी कि उन्होंने भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र के वेग को भी रोक दिया था। अंततः वीरभद्र ने प्रजापति दक्ष का सिर काटकर उसी यज्ञ कुंड की अग्नि में डाल दिया, जिसमें माता सती ने प्राण त्यागे थे।

जब ब्रह्मा जी ने भगवान शिव से प्रार्थना की तो दयालु शिव का क्रोध शांत हुआ। उन्होंने दक्ष को पुनर्जीवित किया लेकिन उनके धड़ पर बकरे का सिर लगाकर उन्हें जीवनदान दिया, जिससे उनका अहंकार सदा के लिए समाप्त हो गया।

भगवान शिव ने दुखी होकर सती के शरीर को अपने कंधों पर धारण कर तांडव नृत्य करने लगे। पृथ्वी समेत तीनों लोकों को व्याकुल देख कर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र द्वारा माता सती के शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

देवी सती के शरीर के अंग और धारण किए हुए आभूषण जहां-जहां गिरे वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। देवी भागवत में 108 शक्तिपीठों का वर्णन आता है, तो देवी गीता में 72 शक्तिपीठों का, देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों की चर्चा की गई है। वर्तमान में भी 51 शक्तिपीठ ही पाए जाते हैं। कुछ शक्तिपीठ पाकिस्तान, बांगलादेश और श्रीलंका में भी स्थित हैं।

15 जून को नीम करौली में उमड़ेगा 'आस्था का महासैलाब'

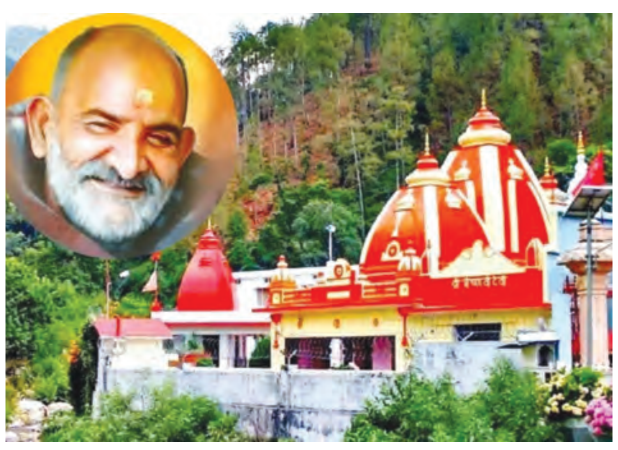

जून का महीना आते ही नीम करौली बाबा के भक्तों की नजरें उत्तराखंड के कैंची धाम की ओर टिक जाती हैं। हर साल की तरह इस बार भी 15 जून को कैंची धाम में स्थापना दिवस और महा-उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। आश्रम परिसर में तैयारियां तेज हो चुकी हैं और वहीं दूसरी तरफ दैनिक दर्शन के लिए भी भक्त घंटों लंबी कतारों में लगे हुए हैं। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में कैंची धाम एक बार फिर भक्ति, सेवा और श्रद्धा के विराट संगम का साक्षी बनने जा रहा है।

स्थापना दिवस का धार्मिक महत्व

कैंची धाम की स्थापना 15 जून 1964 को हुई थी। इसी दिन नीम करौली बाबा ने इस पवित्र आश्रम का उद्घाटन किया था। तब से हर वर्ष 15 जून को यहां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दिन बाबा के दर्शन और आश्रम में सेवा करने से विशेष आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है। नीम करौली बाबा, जिन्हें उनके अनुयायी प्रेम से "महाराजजी" कहकर संबोधित करते हैं, अपनी सरलता, करुणा और मानव सेवा के संदेश के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। उनके भक्तों में आम लोगों से लेकर कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां भी शामिल रही हैं। यही वजह है कि कैंची धाम आज केवल एक मंदिर या आश्रम नहीं, बल्कि वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में पहचान बना चुका है।

देश-विदेश से पहुंचते हैं बाबा के भक्त

स्थापना दिवस के अवसर पर कैंची धाम में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित देश के कई राज्यों से लोग यहां पहुंचते हैं। इसके अलावा अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से भी भक्त इस अवसर पर कैंची धाम आते हैं। सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का माहौल बन जाता है। श्रद्धालु घंटों इंतजार कर बाबा की समाधि और मंदिर में दर्शन करते हैं। कई परिवार ऐसे भी हैं जो हर वर्ष स्थापना दिवस पर कैंची धाम पहुंचने की परंपरा निभाते हैं।

सोशल मीडिया ने बढ़ाई लोकप्रियता

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए कैंची धाम की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। बाबा की शिक्षाओं, चमत्कारों और जीवन दर्शन से जुड़ी कहानियां लगातार लोगों तक पहुंच रही हैं। यही कारण है कि युवा पीढ़ी में भी कैंची धाम के प्रति आकर्षण बढ़ा है।

महा-भंडारा बनता है उत्सव का केंद्र

सेवा भावना की अद्भुत मिसाल

कैंची धाम स्थापना दिवस का सबसे बड़ा आकर्षण विशाल महा-भंडारा होता है। इस दिन लाखों श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन वितरित किया जाता है। आश्रम के स्वयंसेवक कई दिनों पहले से इसकी तैयारी में जुट जाते हैं। भोजन बनाने से लेकर वितरण, सफाई व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सहायता तक हर काम सेवा भाव से किया जाता है।

प्रशासन भी अलर्ट मोड पर

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। अभी से भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है। यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं और भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए जा रहे हैं। पुलिस, जिला प्रशासन और आश्रम प्रबंधन संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उद्देश्य यही है कि लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेष ट्रैफिक प्लान और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है।

धार्मिक आयोजन से पर्यटन को भी फायदा

कैंची धाम का वार्षिक उत्सव केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों के होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी सेवाएं और स्थानीय बाजार इस दौरान काफी सक्रिय हो जाते हैं। कई श्रद्धालु कैंची धाम के दर्शन के साथ नैनीताल, भीमताल, सातताल और कुमाऊं क्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थलों की भी यात्रा करते हैं। इससे धार्मिक पर्यटन को नया बढ़ावा मिलता है और स्थानीय कारोबारियों को भी लाभ होता है।

परमा एकादशी का दुर्लभ संयोग

आज रखा जाएगा व्रत, तीन वर्ष बाद पुण्य का महापर्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, अधिकमास में आने वाली परमा एकादशी का व्रत इस वर्ष 11 जून को रखा जाएगा। यह एकादशी, जिसे कमला एकादशी या पुरुषोत्तमा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, लगभग हर तीन साल में अधिकमास के दौरान पड़ती है और इसका धार्मिक महत्व सामान्य एकादशियों की तुलना में कहीं अधिक माना जाता है। इस विशेष दिन को दुर्लभ पुण्य का महापर्व कहा जा रहा है।

व्रत का विधान और शुभ मुहूर्त

गंज बाजार स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पुजारी उमेश नौटियाल के अनुसार, पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 10 जून की रात्रि 12:58 बजे से प्रारंभ होगी और 11 जून की रात्रि 10:37 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर, परमा एकादशी का व्रत 11 जून, गुरुवार को रखा जाएगा। व्रत का पारण 12 जून को सुबह 5:23 बजे से 8:10 बजे के मध्य किया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना और व्रत करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही, यह व्रत जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

पूजा का विशेष शुभ मुहूर्त

परमा एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ शुभ मुहूर्त 11 जून को सुबह 10:36 बजे से दोपहर 2:05 बजे तक रहेगा। इस अवधि में श्रद्धालु विधिपूर्वक श्रीहरि का पूजन, भजन-कीर्तन और मंत्रजाप करके विशेष पुण्य प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता आने से पहले मिलते हैं ये 8 संकेत

कई बार जीवन में ऐसा दौर आता है जब लगातार मेहनत करने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते। नौकरी में प्रमोशन अटक जाता है, व्यापार में लाभ नहीं दिखता या फिर लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता। ऐसे समय में निराशा होना स्वाभाविक है। लेकिन ज्योतिष शास्त्र मानता है कि हर संघर्ष का एक निश्चित समय होता है और सफलता आने से पहले ब्रह्मांड कुछ विशेष संकेत देता है। इन संकेतों को पहचान लिया जाए तो व्यक्ति अपने कठिन समय को अधिक धैर्य और सकारात्मकता के साथ पार कर सकता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार ग्रहों की चाल, व्यक्ति की ऊर्जा और आसपास की परिस्थितियों में होने वाले कुछ बदलाव इस बात का संकेत हो सकते हैं कि आपकी मेहनत रंग लाने वाली है। यदि पिछले कुछ समय से आपको भी ऐसे अनुभव हो रहे हैं, तो संभव है कि आपकी सफलता का समय नजदीक हो।

सफलता से पहले क्यों बढ़ती हैं चुनौतियां?

ज्योतिष में माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ ग्रह मजबूत होने लगते हैं या कठिन ग्रहों का प्रभाव समाप्ति की ओर बढ़ता है, तब जीवन में एक संक्रमण काल आता है। इस दौरान व्यक्ति को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई लोग सफलता मिलने से ठीक पहले सबसे ज्यादा संघर्ष करते दिखाई देते हैं।

अचानक पुराने रुके हुए काम पूरे होने लगें

यदि लंबे समय से अटके हुए छोटे-छोटे कार्य अचानक पूरे होने लगें, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। ज्योतिष

के अनुसार यह ग्रहों के अनुकूल होने और सकारात्मक ऊर्जा के सक्रिय होने का संकेत हो सकता है।

बार-बार शुभ सपने दिखाई देना

सपनों का संबंध अवचेतन मन और सूक्ष्म ऊर्जा से माना जाता है। मंदिर, बहता हुआ साफ पानी, सूर्योदय, सफेद फूल या ऊंचे पर्वत जैसे दृश्य सपनों में दिखाई देना आने वाली उपलब्धियों की ओर इशारा कर सकता है।

आत्मविश्वास में धीरे-धीरे वृद्धि होना

कई बार बाहरी परिस्थितियां नहीं बदलतीं, लेकिन व्यक्ति के भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होने लगती है। बिना किसी विशेष कारण के आत्मविश्वास बढ़ना और भविष्य को लेकर सकारात्मक महसूस करना भी सफलता के निकट होने का संकेत माना जाता है।

सही लोगों का जीवन में आना

ज्योतिषीय मान्यता है कि जब भाग्य का समय बदलता है तो ऐसे लोग जीवन में प्रवेश करते हैं जो आगे बढ़ने में मददगार साबित होते हैं। यह कोई नया मित्र, मार्गदर्शक, सहयोगी या व्यावसायिक साझेदार हो सकता है।

ग्रहों के बदलते प्रभाव के संकेत

सुबह जल्दी आंख खुलना

यदि बिना अलार्म के नियमित रूप से ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय से पहले आंख खुलने लगे, तो इसे आध्यात्मिक और मानसिक जागरूकता का संकेत माना जाता है। कई ज्योतिष विशेषज्ञ इसे सकारात्मक ग्रह प्रभाव से जोड़ते हैं।

बार-बार शुभ प्रतीकों का दिखना

रास्ते में गाय दिखाई देना, मंदिर की घंटियों की आवाज सुनाई देना, मोर का दर्शन होना या घर में अचानक सकारात्मक वातावरण महसूस होना भी शुभ संकेतों में गिना जाता है। हालांकि इन्हें अंधविश्वास की तरह नहीं बल्कि पारंपरिक मान्यताओं के रूप में देखा जाता है।

समस्याओं का समाधान आसानी से मिलने लगे

पहले जहां छोटी-छोटी परेशानियां भी बड़ी लगती थीं, वहीं अचानक कठिन परिस्थितियों के समाधान मिलने लगें तो यह भाग्य के सक्रिय होने का संकेत माना जाता है। कई लोग अपने जीवन में ऐसे बदलावों का अनुभव सफलता से पहले करते हैं।

मेहनत करने की इच्छा और बढ़ जाना

दिलचस्प बात यह है कि सफलता के करीब पहुंचने पर व्यक्ति अक्सर और अधिक मेहनत करने लगता है। उसे अपने लक्ष्य स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं और वह पहले की तुलना में अधिक अनुशासित हो जाता है। ज्योतिष में इसे सकारात्मक ग्रह ऊर्जा का प्रभाव माना गया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 जून - 2026

भारत की सामरिक ताकत बढ़ी

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की नवीनतम रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया एक बार फिर परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा के नए दौर में प्रवेश कर रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान जैसे प्रमुख परमाणु शक्ति संपन्न देश न केवल अपने परमाणु भंडार को बनाए रख रहे हैं, बल्कि हथियारों और उनकी डिलीवरी प्रणालियों को भी तेजी से आधुनिक बना रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की बढ़ती परमाणु क्षमता विशेष महत्व रखती है, क्योंकि यह केवल सैन्य शक्ति का विस्तार नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को बदलती भू-राजनीतिक चुनौतियों के अनुरूप मजबूत करने का प्रयास है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में भारत के परमाणु शस्त्रागार में लगभग 190 परमाणु हथियार शामिल हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत ने वर्ष 2026 में पहली बार 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय तैनाती में रखा है, जबकि 2025 में ऐसी कोई तैनाती नहीं थी। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और त्वरित प्रतिक्रिया देने योग्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अब लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों के विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है। ऐसे हथियारों की पहुंच चीन के दूरस्थ क्षेत्रों तक हो सकती है, जिससे भारत की रणनीतिक क्षमता और मजबूत होगी। इसके साथ ही भारत नई परमाणु डिलीवरी प्रणालियों पर भी काम कर रहा है। इनमें ऐसी तकनीकें शामिल हैं जिनके माध्यम से एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु हथियारों को अलग-अलग लक्ष्यों तक पहुंचा सकती है। यह क्षमता आधुनिक युद्ध रणनीतियों में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारत के लिए यह मजबूती इसलिए आवश्यक है क्योंकि उसे एक साथ चीन और पाकिस्तान जैसी दो परमाणु शक्तियों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चीन का परमाणु भंडार तेजी से बढ़ रहा है और उसकी संख्या 620 हथियारों तक पहुंच चुकी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य में आए बदलावों ने भी यह स्पष्ट किया है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं है, बल्कि विश्वसनीय परमाणु प्रतिरोधक क्षमता भी राष्ट्रीय सुरक्षा का अनिवार्य आधार बन चुकी है। भारत का उद्देश्य किसी हथियार दौड़ में शामिल होना नहीं, बल्कि दोनों मोर्चों पर रणनीतिक संतुलन बनाए रखना है। रिपोर्ट में भारत की समुद्री परमाणु शक्ति के विस्तार का भी उल्लेख है। भारत सीमित संख्या में परमाणु हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों पर तैनात कर रहा है।

यह विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत की 'द्वितीय प्रहार क्षमता' मजबूत होती है। किसी भी संभावित हमले की स्थिति में यदि भूमि आधारित संसाधनों को नुकसान पहुंचे, तब भी समुद्र में मौजूद पनडुब्बियां जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम हैं। हालांकि भारत की परमाणु नीति हमेशा जिम्मेदारी, संयम और संतुलन पर आधारित रही है। भारत 'नो फर्स्ट यूज' तथा 'न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता' के सिद्धांतों का पालन करता है। भारत ने कभी भी परमाणु हथियारों को आक्रामक विस्तार या दबाव की राजनीति के साधन के रूप में नहीं देखा है। उसकी नीति का मूल उद्देश्य केवल राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना है। भारत द्वारा अपनी परमाणु क्षमता, लंबी दूरी की मारक शक्ति, आधुनिक डिलीवरी प्रणालियों तथा समुद्री प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कदम है। हालांकि भारत की नीति हथियारों की अंधी दौड़ में शामिल होने की नहीं, बल्कि न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की रही है।

बिस्मिल ने मातृभूमि के लिए उत्सर्ग कर दिया जीवन

मोहन मंगलम

पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल' भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के प्रमुख सेनानी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाविद् व साहित्यकार भी थे जिन्होंने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

उनके लिखे 'सरफरोशी की तमन्ना' जैसे अमर गीत ने अंग्रेजों की दासता से भारत की आजादी के लिए ऐसी चिंगारी छेड़ी जिसने ज्वाला का रूप लेकर ब्रिटिश शासन के भवन को लाक्षागृह में परिवर्तित कर दिया। ब्रिटिश साम्राज्य को दहला देने वाले काकोरी काण्ड को रामप्रसाद बिस्मिल ने ही अंजाम दिया था।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर शहर में 11 जून 1897 को जन्मे रामप्रसाद अपने पिता मुरलीधर और माता मूलमती की दूसरी सन्तान थे। पिता ने पहले हिन्दी का अक्षर-बोध कराया किन्तु 'उ' से उल्लू न तो उन्होंने पढ़ना सीखा और न ही लिखकर दिखाया। उन दिनों हिन्दी की वर्णमाला में 'उ' से उल्लू ही पढ़ाया जाता था। रामप्रसाद इस बात का विरोध करते थे और बदले में पिता की मार भी खाते थे। शायद यही प्राकृतिक गुण रामप्रसाद को एक क्रान्तिकारी बना पाये।

थक-हारकर पिता ने रामप्रसाद को उर्दू के स्कूल में भर्ती करा दिया। वहां उर्दू मिडिल की परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर अंग्रेजी पढ़ना प्रारम्भ किया। साथ ही पड़ोस के एक पुजारी के उपदेशों के कारण पूजा-पाठ और व्यायाम करना भी प्रारम्भ कर दिया। शरीर सुन्दर व बलिष्ठ हो गया। एक दिन मन्दिर में आने वाले मुंशी इन्द्रजीत ने रामप्रसाद को आर्य समाज के सम्बन्ध में बताया और स्वामी दयानन्द सरस्वती की लिखी पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' दी। इसी दौरान शाहजहांपुर के आर्य समाज भवन में स्वामी सोमदेव का आगमन हुआ। एक ओर सत्यार्थ प्रकाश का गम्भीर अध्ययन व दूसरी ओर स्वामी सोमदेव के साथ राजनीतिक विषयों पर खुली चर्चा से रामप्रसाद के मन में देश-प्रेम की भावना जागृत हुई। लाहौर षड्यंत्र के मामले में सन 1915 में प्रसिद्ध क्रान्तिकारी भाई परमानंद को फांसी सुना दी गई। रामप्रसाद बिस्मिल ने इस फैसले का समाचार पढ़कर उसी समय अंग्रेजों के अत्याचारों को मिटाने तथा मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सतत प्रयत्न करने की प्रतिज्ञा ले ली। यद्यपि बाद में महामना मदनमोहन मालवीय तथा देशबंधु एण्ड्रयूज के प्रयत्नों से भाई परमानंद की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया, किन्तु रामप्रसाद बिस्मिल जीवन पर्यन्त अपनी प्रतिज्ञा पर अटल रहे और अपना जीवन मातृभूमि के लिए समर्पित कर दिया।

सन 1916 के कांग्रेस अधिवेशन में स्वागताध्यक्ष पं. जगत नारायण 'मुल्ला' के आदेश की धज्जियाँ उड़ाते हुए उन्होंने जब पूरे लखनऊ शहर में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की शोभायात्रा निकाली तो सभी नवयुवकों का ध्यान उनकी ओर गया। 1916 में रामप्रसाद की एक पुस्तक छपकर आ चुकी थी, कुछ नवयुवक उनसे जुड़ चुके थे। उन्होंने पं. गेंदालाल दीक्षित के मार्गदर्शन में मातृवेदी के नाम से खुद का एक संगठन खड़ा कर लिया था। दल के लिए धन एकत्र करने के उद्देश्य से रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने जून 1918 में दो तथा सितम्बर 1918 में एक डकैती भी डाली, जिससे पुलिस सतर्क होकर इन युवकों की खोज में जगह-जगह छापे डाल रही थी। 26 से 31 दिसम्बर 1918 तक दिल्ली में लाल किले के सामने हुए कांग्रेस अधिवेशन में इस संगठन के नवयुवकों ने चिल्ला-चिल्ला कर जैसे ही पुस्तकें बेचनी शुरू की थीं कि पुलिस ने छापा डाला किन्तु बिस्मिल की सूझ-बूझ से सभी पुस्तकें बच गईं। मैनपुरी षडयंत्र में शाहजहांपुर से 6 युवक शामिल थे जिनका नेतृत्व रामप्रसाद बिस्मिल कर रहे थे किन्तु वे पुलिस के हाथ नहीं आए।

एसी कमरे में बैठकर क्रान्ति की बातें

राधा रमण

राजनीति की डगर काफी उबड़-खाबड़ होती है, पथरीली होती है। उसमें धूप में चलना होता है। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करना होता है। नारेबाजी करनी होती है, जेल जाना होता है और जरूरत पड़ने पर पुलिस की लाठी भी खानी होती है। एयरकंडीशनर (एसी) कमरों में बैठकर तो सिर्फ मीठी-मीठी बातें होती है। क्या आपको लगता है कि देश के सियासी दल खासकर विपक्ष के दल सड़क पर उतरने की हालत में हैं ? कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता।

लगभग दो साल बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्ल्यूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई, जिसमें पांच मुद्दों पर सहमति की बात कही गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि इंडिया गठबंधन के नेता मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटर लिस्ट में हेरफेर और चुनाव की निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। इसके अलावा बैठकमें शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। देश में आर्थिक स्थिति की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की सरकार से मांग की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि इंडिया गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते, बैठक करते और जन सरोकार के मुद्दे उठाते रहेंगे। साथ ही संसद के मानसून सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन के सांसद रोज बैठक करते रहेंगे। अब इसका विश्लेषण करते हैं। एसआईआर को लेकर पहले भी विपक्ष के कई दल सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं और मुंह की खाकर लौटे हैं। अब सीजेआई को पत्र लिखने से क्या नया हो जाएगा ? नीट पेपर लीक और सीबीएसई 12वीं बोर्ड की नई ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस्तीफा नहीं मिला। मिलने की उम्मीद भी कम है, क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2015 में ही स्पष्ट कर चुके हैं कि यह सरकार इस्तीफा देनेवाली नहीं है। तब से सरकार उसी लकीर पर चल रही है। बीच में कई मामले आए, चाहे वह तत्कालीन गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का मामला हो, मंत्री कौशल किशोर का हो, बंदी संजय का हो, ब्रजभूषण शरण सिंह का हो अथवा हरदीप पुरी का हो, पिछले 12 वर्षों में एम जे अकबर के अलावा किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। अकबर का मामला भी अपवाद कहा जा सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा था। मीटू में नाम आ जाने और चरित्र हनन से आजिज आकर उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था।

अब बात सर्वदलीय बैठक बुलाने की करते हैं। अगर विपक्ष के पास देश की बदहाल आर्थिक स्थिति से निकलने, महंगाई पर अंकुश लगाने, बेरोजगारी दूर करने और किसानों की आय बढ़ाने का कोई रोडमैप है, तो उसे जनता को बताना चाहिए। हो सकता है सरकार भी उससे सीख ले लेती। फिर क्या सरकार इन मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं है ? कृषि मंत्री संसद के पिछले सत्र में ही कह चुके हैं कि सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुनी हो गई है। तब संसद में बैठे विपक्ष के लोग क्या कर रहे थे। यह अलग बात है कि किसान अपनी बदहाली और बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते- बैठक करते रहेंगे और मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रोज बैठक करंगे। करिए, किसने रोका है ? लेकिन इससे क्या हो जाएगा ? मुझे कहने दीजिए कि देश में इंडिया गठबंधन के नेताओं के पास सरकार के विरोध का कोई रोडमैप नहीं है। जिन क्षेत्रीय दलों के सहयोग से कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई का व्यूह रचना चाहती है, उनका वजूद तो कांग्रेस के पुराने वोटरों से ही तो है। क्या वे अपना वोट बैंक कांग्रेस के लिए कुर्बान करेंगे ? फिर क्या इंडिया गठबंधन के किसी नेता ने कभी सड़क पर उतरने और जेल भरो आंदोलन करने कोशिश की है ? नहीं। आज के नेता चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, तेजस्वी हों या कोई और, सभी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके क्रान्ति करना चाहते हैं। नेताओं के इसी आरामतलब व्यवहार के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता घर बैठ गए हैं। सभाओं में किराये की भीड़ जुटाई जाती है। यही कटु सत्य है। इन्हें जनता से भी कोई लेना-देना नहीं है। ये तो बस पिकनिक मनाने के लिए दौरा करते हैं। याद कीजिए, 1974 में विपक्ष के नेताओं ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्त्व में लामबंद होकर आंदोलन किया था। सडकों पर उतरे थे, पुलिस की लाठियां खायी थीं और जेल गए थे। तब कहीं इंदिरा गांधी की बर्बर सरकार से मुक्ति मिली थी।

इंडिया गठबंधन की एकता सिर्फ नेताओं में है, वह भी दिखावे के लिए है। कार्यकर्ता आज भी एक-दूसरे को निपटाने में ही मशगूल हैं। चुनाव में टिकट वितरण के दौरान इंडिया गठबंधन के राज्यस्तरीय नेताओं की कटुता देखते ही बनती है। हमने देखा कि विधानसभा चुनावों के दौरान सीट बंटवारे में इन्होंने एक-दूसरे पर क्या-क्या आरोप लगाये थे। कई जगहों पर फ्रेंडली फाइट करते दिखाई देते हैं और हार जाने के बाद बैठकर रुदाली करते हैं। देश ने देखा कि महाराष्ट्र में कैसे उद्धव ठाकरे और शरद पवार का उनके अपनों ने ही बिस्तरगोल कर दिया। अब पश्चिम बंगाल में भी यही हो रहा है। बिहार की हालत किसी से छिपी नहीं है। सबकुछ गंवाकर लालू परिवार अब सरकारी बंगले और व्यक्तिगत सुरक्षा पर कैसे हाय-तौबा कर रहा है। इनकी प्राथमिकता में जनता कहीं है ही नहीं। हाल का उदाहारण मध्यप्रदेश की राज्यसभा सीट को ले सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सूचना छिपाने के कारण रद्द हो जाने पर सिर्फ कांग्रेसी ही हो-हल्ला कर रहे हैं। बाकी विपक्ष खामोश है। ऐसे में आगे इंडिया गठबंधन कौन सी क्रान्ति कर लेगा, समझा जा सकता है।

इसमें दो राय नहीं है कि जनता महंगाई से कराह रही है। महज 10 दिन के अंतराल में पेट्रोल-डीजल के दाम साढ़े सात रुपये और सीएनजी के दाम करीब 6 रुपये बढ़ गए हैं। पेपर लीक हो जाने के कारण बेरोजगारी चरम पर है। सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना दम तोड़ते नजर आ रही है। शुरुआत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर दिए जाते थे, फिर नौ हुए और अब चार पर सिमट गए हैं। खाद्य पदार्थ महंगे हो गए हैं। निजी क्षेत्रों में काम के घंटे तो बढ़ गए हैं लेकिन कामगारों के वेतन में इजाफा नहीं हुआ है। खाद महंगे हो जाने के कारण किसान पहले से ज्यादा संकट में हैं और विपक्ष के नेता एसी कमरों की ठंडी हवा में एकता का राग अलाप रहे हैं। रस्सी जल गई है, लेकिन ऐंठन बाकी है।

सूरजमल ने 12 जून को लालकिला पर किया था कब्जा

मुनीष त्रिपाठी

इतिहास का ऐसा महान योद्धा जिसे इतिहास में दुर्भावना के चलते उचित स्थान नही दिया गया। भरतपुर रियासत के महाराजा सूरजमल कभी भी युद्ध नही हारे थे । उन्होंने 12 जून 1761 को मुगलों को परास्त करने के बाद आगरा और लालकिला पर कब्जा कर लिया था । यह कब्जा जाटों का दस सालों से ज्यादा समय तक सूरजमल के पुत्र जवाहर सिंह की मृत्यु तक बना रहा । महाराजा के पिता बदन सिंह ने अपने जीवित रहते ही होनहार सूरजमल को शासन की बागडोर दे दी थी। बदन सिंह बेहद धार्मिक प्रवत्ति के थे उन्होंने अपना अंतिम समय अपने द्वारा बनवाये गए डीग किले में भगवान कृष्ण की भक्ति में गुजारा था।

सूरजमल लंबी काठी के थे। युद्ध तो उनके लिये जैसे खेल ही हो । बदन सिंह के कुछ प्रारंभिक युद्धों को छोड़कर सभी युद्धों को उन्होंने ही लड़ा था। ज्यादातर उनके युद्ध मुगलों के खिलाफ ही लड़े गए थे। उन्होंने अपने राज्य का विस्तार राजस्थान के भरतपुर, अलवर, मेवात सहित काफी इलाके में किया था। बल्कि पश्चिम में राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के कुछ इलाके छोड़ दे तो लगभग पूरा हरियाणा, आगरा से अलीगढ़,खुर्जा , बुलंदशहर , मेरठ तक सूरजमल ने अपनी विजय पताका फहराई थी । पूर्व में फर्रुखाबाद, मैनपुरी, फिरोजाबाद, एटा , इटावा तक सूरजमल का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नियंत्रण था। सूरजमल के विजय अभियान में उनका लड़ाका साला बलराम सिंह जिसके नाम पर वल्लभगढ़ बसाया गया है, कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया था । सही माने में तो महाराजा ने मुगल सल्तनत को दिल्ली शहर और उसके आसपास के थोड़े से इलाके में ही समेट दिया था। मशहूर इतिहासकार यदुनाथ सरकार ने 'डिक्लाइन ऑफ मुगल एम्पायर' और प्रोफेसर कानूनगो ने अपनी किताब 'द हिस्ट्री आफ जाट' में विस्तार से वर्णन किया है। कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने भी 'महाराजा सूरजमल' किताब में भी महाराजा द्वारा मुगलों की आन बान शान के प्रतीक मुगलों की दूसरी राजधानी आगरा और किले पर कब्जे करने का वर्णन विस्तार से किया है। जब मराठा सरदार मल्हार होल्कर ने धन की लालच में भरतपुर राज्य के कुम्हेर किले की घेराबंदी की तो किले पर तैनात जाट सैनिकों ने भी गोलियां बरसाई। इसी गोलीबारी में मल्हार होल्कर का पुत्र और अहिल्याबाई के पति खांडेराव होल्कर मारा गया । इस घटना से सूरजमल दुखी हुए और उन्होंने गोलीबारी करने वाले जाट सैनिकों को खरी खोटी सुनाई तथा खांडेराव की मौत पर अफसोस जताते हुए महाराजा सूरजमल ने मल्हार होल्कर को शोकवस्त्र और पत्र भेजा। बड़े अचरज की बात है कि इतिहास की इतनी बड़ी जाटों से सम्बंधित सत्य घटनाओं को किसी भी मुस्लिम और वामपंथी इतिहासकार ने नही लिखा ।

जबकि न जाने कितने मुस्लिम और वामपंथी इतिहासकारों जैसे इरफान हबीब ,लईक अहमद,हरिश्चन्द्र वर्मा, सतीश चंद्र ने मुगल इतिहास पर भरपूर कलम चलाई है। अब बात करते है महाराजा सूरजमल के शौर्य और पराक्रम की । 1739 में नादिरशाह ने दिल्ली पर आक्रमण कर भारी लूटमार कर तबाही मचा दी । भरतपुर के राजा बदन सिंह ने एक छोटी सैनिक टुकड़ी को लेकर अपने पुत्र राजकुमार सूरजमल को दिल्ली के नागरिकों की रक्षा करने और राहत कार्य के लिए भेजा । भूख से परेशान दिल्ली के नागरिकों को सूरजमल ने शिविर लगाकर अन्न और दवा मुहैया कराया । जनवरी 1757 में अब्दाली ने दिल्ली पर आक्रमण किया तब भी दिल्ली के नागरिकों की रक्षा के लिये सूरजमल के बेटे जवाहर सिंह ने अब्दाली की टुकड़ी पर घात लगाकर हमला कर अब्दाली के सैकड़ो सैनिकों को दिल्ली और हरियाणा की सीमा पर मौत के घाट उतार दिया । चूंकि अब्दाली की विपुल हथियारों से लैस सेना के आगे हमला करने वाले जाट सैनिक बहुत कम संख्या में थे फिर भी जवाहर सिंह ने यह जोखिम इसलिए उठाया अब्दाली को दिल्ली से आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की । फिर भी अब्दाली दिल्ली को रौंदते हुए मथुरा की ओर बढ़ा।

सूरजमल ने डीग के अभेद्य किले में रहकर अब्दाली के आक्रमण की आशंका से युद्ध की तैयारी करने में जुट गए साथ ही जाट राजकुमार जवाहर सिंह को दस हजार की सैनिक टुकड़ी के साथ मथुरा भेज दिया। मथुरा में जवाहर ने जान पर खेलकर अब्दाली के सैनिकों से भारी संघर्ष कर लूटमार करने से रोकना चाहा । इस संघर्ष में अब्दाली के लगभग 7,000 सैनिक मारे गए जबकि जाट योद्धा 5,000 की संख्या में मारे गए। अब्दाली जब मथुरा को तबाह करने के बाद भरतपुर राज्य पर आक्रमण करने की तैयारी कर रहा था लेकिन अब्दाली के सैनिकों ने युद्ध लंबा खिंचने की संभावना के चलते जाट राजा से युद्ध करने से इंकार कर दिया । यहां चौकाने वाली बात यह थी कि राजस्थान का कोई भी राजा कृष्ण की नगरी मथुरा को बचाने नही पहुंचा। पानीपत का युद्ध जनवरी 1761 में मराठों से हुआ था इस युद्ध में 75 हजार मराठे मारे गए थे , हजारों घायल हुए थे। तब महाराजा सूरजमल ने ही जोखिम लेकर अब्दाली की मौजूदगी की परवाह न करते हुए हजारों घायल मराठों तथा मराठों के साथ आई महिलाओं की न केवल सुरक्षा और दवा की बल्कि सूरजमल की धार्मिक प्रवत्ति की रानी किशोरी ने प्रत्येक मराठा को 5 किलो अनाज और दो चांदी के रुपये दिए । अब्दाली के खौफ के चलते किसी भी राजस्थान के दूसरे राजा ने यह मानवीय कार्य करने की हिम्मत नही जुटा पाई। इतना ही नही मराठों की पराजय के बाद अब्दाली लंबे समय तक लगभग 5 महीने दिल्ली में धन इकट्ठा करने के लिये रुका रहा सूरजमल ने अब्दाली की मौजूदगी में ही मई में 1761 में आगरा पर आक्रमण कर दिया लगभग एक माह तक कड़े संघर्ष में सूरजमल ने आगरा और किले पर 12 जून 1761 में कब्जा कर लिया। अब्दाली को आगरा पर आक्रमण की सूचना दिल्ली में रहते ही मिली ,अब्दाली इस सूचना के बाद 5 दिन तक दिल्ली बना रहा परन्तु आगरा आने की हिम्मत नही कर सका उसने अपने लश्कर के साथ अपने वतन अफगानिस्तान जाना ही मुनासिब समझा । जबकि मुगल सेनापति नजीब अब्दाली को जाटों के खिलाफ युद्ध के लिये भड़काता रहा। जाटों का सफल संघर्ष मुगलों के अत्याचारों के खिलाफ लगभग 100 सालों तक अनवरत चलता रहा। औरंगजेब के समय मथुरा के गोकुल सिंह ने जो चिंगारी जगाई थी वह मशाल के रूप में सूरजमल और जवाहर के समय प्रगट हुई जिसने मजबूत मुगल साम्राज्य को जर्जर ही नहीं किया बल्कि मुगलों की राजधानी दिल्ली शहर पर भी जाटों ने आक्रमण कर मुगलों के इज्जत के प्रतीक शाही स्नानागार के दरवाजे भी तोड़कर भरतपुर ले आये ।

दिल्ली पर जवाहर की लंबी घेरेबंदी के कारण भूख से तड़प रहे दिल्ली के नागरिकों ने घर से निकल कर जवाहर के आगे आत्मसमर्पण कर दिया । जवाहर ने भी विशाल हृदय का परिचय देते हुए न केवल अभय प्रदान किया बल्कि अन्न और भोजन भी दिया।

राष्ट्र के उत्सव में मोहन भागवत ने आत्ममंथन का दीप जलाया

प्रो. आरके जैन

राजनीति में ऐसे क्षण विरले आते हैं, जब कोई वाक्य भाषण की सीमा लांघकर राष्ट्रीय विमर्श का दर्पण बन जाता है। दावों की ऊंचाई और हकीकत की जमीन के बीच खड़े भारत को नागपुर से एक सीधा संदेश मिला। रेशीमबाग में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि 'हमारी तैयारी अभी अधूरी है, यही हमें विश्वगुरु बनने से रोक रहा है'। यह कथन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि इसे संघ प्रमुख ने कहा, बल्कि इसलिए कि यह उस दौर में आया है जब उपलब्धियों का उत्सव अक्सर आत्ममंथन की आवश्यकता को ढंक देता है। राष्ट्रों का उत्थान जयघोषों से नहीं, अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें दूर करने की क्षमता से होता है। भागवत ने दरअसल उस असुविधाजनक प्रश्न को सामने रख दिया, जिससे बचने की आदत राजनीति को भी है और समाज को भी—क्या हम वास्तव में उतने तैयार हैं, जितना हमारा दावा है?

भारत आज केवल एक देश नहीं, बल्कि वैश्विक अपेक्षाओं का केंद्र बनता जा रहा है। पश्चिम आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, पश्चिम एशिया अस्थिरता की चपेट में है और वैश्विक व्यवस्था नए संतुलन की तलाश में भटक रही है। ऐसे दौर में भारत की सभ्यतागत चेतना, लोकतांत्रिक परंपरा और सांस्कृतिक विस्तार उसे अलग पहचान देते हैं। दुनिया भारतीय दृष्टि को सुनने को तैयार है, लेकिन वैश्विक मंच पर सम्मान केवल विचारों से नहीं, सामर्थ्य से मिलता है। इतिहास गवाह है कि नैतिक नेतृत्व उसी का स्वीकार किया जाता है, जिसके पास आर्थिक ताकत, तकनीकी श्रेष्ठता और मजबूत संस्थाएं हों। भागवत का संकेत स्पष्ट था—विश्वगुरु का स्थान घोषणा से नहीं, योग्यता और तैयारी से हासिल होता है।

भारत की उपलब्धियां जितनी बड़ी हैं, उतने ही बड़े उसके सामने खड़े कुछ अनुत्तरित प्रश्न भी हैं। अंतरिक्ष मिशनों से लेकर डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक कूटनीति से लेकर आधारभूत विकास तक देश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इसके बावजूद गुणवत्तापूर्ण रोजगार, उत्कृष्ट शिक्षा, शोध की संस्कृति, न्यायिक दक्षता और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्र अभी और सुदृढ़ीकरण की मांग करते हैं। किसी राष्ट्र की परिपक्वता केवल उसकी सफलताओं से नहीं, बल्कि अपनी कमियों को देखने की क्षमता से भी मापी जाती है। आत्मप्रशंसा प्रगति को धीमा करती है, जबकि आत्ममूल्यांकन उसे नई दिशा देता है। हमारे सार्वजनिक जीवन की विडंबना यह है कि गंभीर विमर्श भी जल्द ही राजनीतिक संघर्ष का औजार बन जाता है। भागवत के वक्तव्य के साथ भी यही हुआ। विपक्ष ने इसे सत्ता पर परोक्ष प्रश्नचिह्न बताया, तो समर्थकों ने इसे विकास की गति बढ़ाने का संदेश माना। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, लेकिन इस शोर में मूल मुद्दा ओझल हो गया। विश्वगुरु बनने का लक्ष्य न किसी एक सरकार का एजेंडा है, न किसी दल की उपलब्धि। यह पीढ़ियों के पुरुषार्थ, मजबूत संस्थाओं और समाज की सामूहिक चेतना से साकार होने वाली लंबी राष्ट्रीय यात्रा है। इसे राजनीतिक लाभ-हानि की संकीर्ण कसौटी पर नहीं परखा जा सकता।

भारत की असली कमी पूंजी या प्रतिभा की नहीं, राष्ट्रीय दृष्टि और अनुशासन की है। देश के पास विशाल युवा आधार, बड़ा बाजार, कुशल मानव संसाधन और ऐतिहासिक अवसर मौजूद हैं। चुनौती इन्हें संगठित राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान-सृजन का केंद्र बनना होगा, उद्योगों को नवाचार का, राजनीति को दीर्घदृष्टि का और समाज को सहअस्तित्व का। यदि सामाजिक ध्रुवीकरण गहराता रहा, शिक्षा औसत स्तर पर अटकी रही और शोध उधार के विचारों पर टिका रहा, तो केवल ऊंची विकास दर भी भारत को वह वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं दिला सकेगी जिसकी कल्पना की जाती है। विश्वगुरु होने का अर्थ उपदेश देना नहीं, बल्कि ऐसा राष्ट्रीय आचरण गढ़ना है जिसे दुनिया उदाहरण मानकर अपनाना चाहे।

भागवत के वक्तव्य का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मसंतोष के खतरे को लेकर है। इतिहास बताता है कि सभ्यताओं को बाहरी चुनौतियों से अधिक नुकसान भीतर पनपी आत्ममुग्धता पहुंचाती है। जिस क्षण कोई समाज स्वयं को पूर्ण और निर्विवाद मान लेता है, उसी क्षण उसकी प्रगति की गति मंद पड़ने लगती है। भारत के लिए यह आत्मप्रशंसा नहीं, आत्मसंस्कार का समय है। यह मान लेना कि अभी कई मंजिलें बाकी हैं, कमजोरी नहीं बल्कि परिपक्वता का प्रमाण है। अपनी कमियों को पहचानने वाले राष्ट्र उन्हें दूर करने का मार्ग भी खोज लेते हैं, जबकि उन्हें नजरअंदाज करने वाले अंततः उन्हीं सीमाओं में घिर जाते हैं।

संघ प्रमुख के बयान का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि इसमें उपलब्धियों पर प्रश्न नहीं, उन्हें टिकाऊ बनाने की चिंता दिखाई देती है। यह निराशा नहीं, दूरदृष्टि का स्वर है। यदि भारत वैश्विक व्यवस्था में प्रभावी नेतृत्व की आकांक्षा रखता है, तो उसे केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रहना होगा; ज्ञान, नवाचार और सामाजिक भरोसे में भी अग्रणी बनना पड़ेगा। विश्व नेतृत्व का आधार सामर्थ्य से बनता है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता नैतिक विश्वसनीयता से तय होती है। भारत के पास दोनों हासिल करने की क्षमता है, शर्त केवल इतनी है कि वह दावों और धरातल के बीच मौजूद अंतर को ईमानदारी से पहचाने। इतिहास हर राष्ट्र को अवसर देता है, लेकिन नेतृत्व का अधिकार वही राष्ट्र अर्जित करते हैं जो अपनी आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने का सामर्थ्य रखते हैं।

पीठ पर सड़क

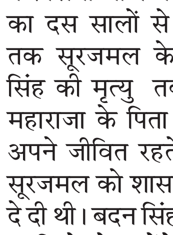

सुरेश कुमार मिश्रा

तेज दुपहरी में धूल उड़ाती पगडंडी पर चार जोड़ी पैर थरथरा रहे थे। बांस की उस चरचराती खटोली पर एक भारी चुप्पी पसरी थी। गोपी ने कंधे का अंगोछा बदलते हुए कहा, "अरे भाई सुकना, ज़रा संभल के। आगे पत्थरों की भरमार है। कहीं मैया का जी और न डोले।"
सुकना ने माथे का पसीना पोंछा, "हां रे भाई, छाता ज़रा ठीक से तान। सूरज आज आग उगल रहा है, मानो हमारी किस्मत को ही भून डालेगा।"
खटोली पर लेटी देह बेजान थी, आंखें मूंदे, जैसे इस दुनिया की सारी हलचल से नाता तोड़ चुकी हो। चिढ़ौती नामक गांव के इस रास्ते पर हर कंकड़ एक नुकीला सवाल था। सदियों से इस माटी ने छाती चीरकर कोयला और पत्थर बांटे, पर बदले में उसे मिली सिर्फ पैरों को लहूलुहान करती यह पगडंडी।
छोटा मंगरा आगे-आगे रास्ता दिखा रहा था। वह बड़बड़ाया, "शहर वाले कहते हैं, देश बहुत आगे निकल गया है। चमचमाती गाड़ियां हवा से बातें करती हैं।"
गोपी कड़वाहट से हंसा, "हां रे! हमारे पहाड़ों को खाकर जो आलीशान कोठियां बनी हैं, वहीं वो गाड़ियां खड़ी होती हैं। हमारे हिस्से तो बस यह डगमगाती लकड़ी आई है। सरकारी बाबू कल ही तो कह रहे थे कि कागज़ पर सड़क बन चुकी है, बस ज़मीन पर उतरना बाकी है। शायद हमारी पीठ ही उनकी सड़क है।" तभी सुकना का पैर फिसला, खटोली डगमगाई। "राम-राम! ज़रा धीरे।" गोपी चिल्लाया। खटोली पर कोई हलचल नहीं हुई। दूर, विकास के बड़े-बड़े होर्डिंग चमक रहे थे, जिन पर मुस्कुराते चेहरे 'मुफ़्त इलाज और खुशहाली' का ढिंढोरा पीट रहे थे। उन चमकीले विज्ञापनों के ठीक नीचे से यह चार कंधों का जनाज़ा गुज़र रहा था।
अस्पताल की ढलान आते ही गोपी ने राहत की सांस ली, "चलो, पहुंच गए। मैया! आंखें खोलो, अब डॉक्टर बाबू सुई लगा देंगे, सब दर्द मिट जाएगा।"
जैसे ही खटोली नीचे रखी गई, गोपी ने मैया का कंबल हटाया। अंदर कोई बीमार इंसान नहीं था। वहां तो गांव के स्कूल की वह टूटी हुई 'दीवार घड़ी' और कुछ 'सरकारी कागज़ात' बंधे थे, जिन पर महीनों पहले अस्पताल की मंजूरी की मुहर लगनी थी। सुकना रो पड़ा, "मैया तो कल रात ही बिना दवा के दम तोड़ चुकी थी गोपी!
हम तो इस मरे हुए सिस्टम की लाश को कंधे पर उठाकर साहब को दिखाने लाए हैं, ताकि वो अपनी चमचमाती सड़क पर इस कागज़ी भूत का इलाज कर सकें।"

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं। ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है।

कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है।

जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे 'ब्लैकहेड्स' कहते हैं। इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे 'व्हाइटहेड्स' कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है।

चावल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसके दाने त्वचा पर जमा गंदगी को धीरे-धीरे हटाने में मदद करते हैं। जब चावल को हल्का दरदरा पीसा जाता है, तो उसके छोटे-छोटे कण चेहरे की ऊपरी परत पर जमी मृत त्वचा को साफ करने का काम करते हैं। इससे त्वचा पहले से ज्यादा साफ और ताजा महसूस होती है।

इस स्क्रब को बनाने के लिए सबसे पहले थोड़ा चावल लेकर उसे मिक्सर में हल्का पीस लें। ध्यान रखें कि चावल पूरी तरह पाउडर न बन जाए। इसके बाद इसमें थोड़ा कच्चा दूध मिलाएं। दूध त्वचा को मुलायम रखने में मदद करता है और चेहरे पर जमी गंदगी की पकड़ ढीली करता है। फिर इसमें थोड़ा गुलाब जल मिला लें। गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी देने के लिए जाना जाता है। इन तीनों चीजों को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

जब यह पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे चेहरे पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए कुछ मिनट तक मसाज करें। नाक के आसपास के हिस्से पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें, क्योंकि ब्लैकहेड्स सबसे ज्यादा वहीं दिखाई देते हैं। चावल के छोटे कण त्वचा की ऊपरी परत पर जमी गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करते हैं।

मसाज करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। स्क्रब करने के बाद त्वचा को नमी की जरूरत होती है, इसलिए मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा मुलायम बनी रहती है।

आंवले का सेवन उम्र बढ़ाता है

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, इसके ये अनमोल फायदे बिल्कुल अमृत के समान हैं। अगर आप नहीं जानते आंवले के यह फायदे, तो जरूर जानिए ...

आंवले के फायदेः

1. डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।

2. एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवले का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।

3. पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।

4. रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।

5. आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।

6. बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।

7. शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवला सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।

8. याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।

9. चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।

10. बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है।

सुबह क्यों जरूरी है हेल्दी नाश्ता थाली में क्या-क्या करें शामिल ?

आजकल मोटापा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन गया है। व्यस्त जीवनशैली, अनियमित खानपान और जंक फूड की आदत ने लोगों को कई बीमारियों की चपेट में डाल दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को चेतावनी देते हुए बताया कि मोटापे से बचने और स्वस्थ रहने के लिए सुबह का हेल्दी नाश्ता बहुत जरूरी है।

अच्छा नाश्ता न सिर्फ दिनभर की एनर्जी देता है बल्कि भूख पर नियंत्रण रखता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने से भी बचाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह का नाश्ता छोड़ने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा हो जाती है। नाश्ता शरीर को जरूरी पोषण देता है और पूरे दिन एक्टिव रहने में मदद करता है। मंत्रालय का कहना है कि अगर आप फिट और एनर्जेटिक रहना चाहते हैं तो तली-भुनी और मीठी चीजों से दूर रहें। सुबह का नाश्ता जरूरी है मगर जरूरी नहीं कि थाली में कुछ भी शामिल कर लिया जाए। ऐसे में भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय बताता है कि सुबह के समय नाश्ते की थाली में क्या-क्या शामिल करना चाहिए?

बेहतर कल के लिए आज से ही समझदारी से स्नैकिंग शुरू करें। अनहेल्दी स्नैकिंग मोटापे का प्रमुख कारण है। स्मार्ट स्नैक करके आप फिट रह सकते हैं। दिन की शुरुआत हेल्दी नाश्ते से करें, ताकि पूरे दिन ऊर्जा बनी रहे और अनावश्यक भूख न लगे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि छोटी-छोटी आदतें बदलने से बड़ा फर्क पड़ सकता है। रोज सुबह संतुलित नाश्ता, बीच में हेल्दी स्नैक्स और नियमित व्यायाम अपनाकर मोटापे को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

नाश्ते में फाइबर, प्रोटीन और अच्छे कार्ब्स वाली चीजें रखें। ओट्स, दही, अंडा, पूरे अनाज की रोटी, सब्जियों वाला पराठा, फल, दाल-चावल का हल्का खिचड़ी या उपमा अच्छे विकल्प हैं। सुबह के नाश्ते में ताजे फल जैसे सेब, केला, संतरा या पपीता जरूर शामिल करें।

ये विटामिन और फाइबर से भरपूर होते हैं जो पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं। दोपहर के बीच अगर भूख लगे तो अनहेल्दी स्नैक्स की जगह स्मार्ट विकल्प चुनें। चिप्स और नमकीन की जगह भुने हुए चने खाएं। मिठाइयों और पेस्ट्री की बजाय मुट्ठी भर सूखे मेवे (बादाम, अखरोट, किशमिश) लें। क्रीमी और मीठे स्नैक्स की जगह ताजा सलाद या फल का सेवन करें। ये विकल्प न सिर्फ स्वादिष्ट हैं बल्कि वजन नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं।

बालों में तेल लगाने के बाद सोना सही है या गलत ?

बाल जड़ों से तभी मजबूत और स्वस्थ बनते हैं जब उनकी सही तरीके से देखभाल की जाए। हेयर केयर रूटीन बालों की सेहत को काफी हद तक प्रभावित करता है। कई लोग रात को सोने से पहले तेल लगाते हैं ताकि तेल बालों में अच्छे से समा जाए। वहीं, कुछ लोग दिनभर की थकान मिटाने के लिए रात को बालों में तेल लगाकर सो जाते हैं। लेकिन क्या यह तरीका सही है?

क्या सोने से पहले बालों में तेल लगाना सेहत के लिए अच्छा है और क्या इससे बालों को कोई नुकसान नहीं होता? आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को यह बताने जा रहे हैं कि बालों में तेल लगाने का सही समय क्या

है और रात को सोने से पहले बालों में तेल लगाना चाहिए या नहीं। रात को सोने से पहले तेल लगाना चाहिए या नहीं?

हेयर एक्सपर्ट के मुताबिक, तेल आपके बालों को कंडीशन करता है और उन्हें चमक देता है, इसलिए बालों में तेल लगाना जरूरी है। हालांकि, तेल लगाने का एक सही समय होता है। लेकिन अगर आप रात को सोने से पहले बालों में तेल लगाते हैं, तो आज से ही अपनी यह आदत बदल लें। सोने से पहले बालों में कभी भी तेल नहीं लगाना चाहिए। ।

अगर आप रात को बालों में तेल लगाकर छोड़ देते हैं, तो इससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है, बाल बहुत चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे डैंड्रफ की समस्या तेजी से बढ़ सकती है।

आपको अपने बालों में तेल कब लगाना चाहिए?

बालों में तेल लगाना बालों की देखभाल का एक महत्वपूर्ण रूटीन है, लेकिन तेल लगाना हमेशा सही समय पर करना चाहिए। बालों में शैम्पू करने से एक घंटा पहले तेल लगाएँ। तेल को बालों में अवशोषित होने के लिए 6-7 घंटे की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन एक घंटा पर्याप्त है। इसलिए अपने बालों को धोने से 1 से 2 घंटे पहले तेल लगाएँ।

बालों में तेल लगाने का ये है सही तरीका

हमेशा अपने बालों पर गुनगुना तेल लगाएं क्योंकि यह जल्दी सोख लेता है। अपने बालों को कई हिस्सों में बांट लें और जड़ों तक तेल की मालिश करें।

अपने हाथों पर तेल लगाकर दो से तीन बार स्कैल्प पर तेल लगाएं। इसके बाद अपने बालों को चौड़े दांतों वाली कंघी से कंघी करें ताकि तेल हर कोने तक पहुंच जाए। अगर आप इस तरह से अपने बालों में तेल लगाएंगे तो बालों से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान नहीं करेंगी।

मांसपेशियों की अकड़न दूर करने में मदद करते हैं ये ड्रिंक्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लंबे समय तक बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधियों की कमी, ज्यादा एक्सरसाइज या शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण मांसपेशियों में अकड़न और दर्द की समस्या आम होती जा रही है।

कई बार लोग इस परेशानी को मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लगातार मांसपेशियों में जकड़न रहने से रोजमर्रा के काम भी प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में पर्याप्त पानी पीने के साथ-साथ कुछ पौष्टिक ड्रिंक्स का सेवन भी शरीर को राहत पहुंचाने में मदद कर सकता है। ये ड्रिंक्स शरीर को हाइड्रेट रखने, इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने और मांसपेशियों को आराम देने में सहायक माने जाते हैं।

अगर आप भी अक्सर मसल्स स्टिफनेस, थकान या ऐंठन से परेशान रहते हैं, तो अपनी डाइट में कुछ खास पेय पदार्थों को शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ड्रिंक्स के बारे में, जो मांसपेशियों को रिलैक्स करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

1. नारियल पानी

नारियल पानी पोटैशियम, मैग्नीशियम और इलेक्ट्रोलाइट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है। यह शरीर में पानी की कमी दूर करने के साथ मांसपेशियों की ऐंठन और थकान कम करने में मदद कर सकता है।

2. चेरी जूस

चेरी जूस में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। कुछ अध्ययनों के अनुसार यह एक्सरसाइज के बाद होने वाले मांसपेशियों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

3. हल्दी वाला दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन सूजन कम करने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। हल्दी वाला दूध पीने से मांसपेशियों के दर्द और जकड़न में राहत मिल सकती है।

4. केला और दूध की स्मूदी

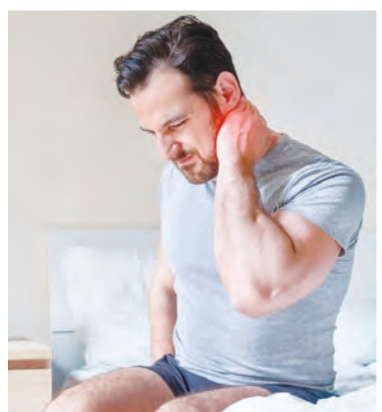

केले में पोटैशियम और दूध में प्रोटीन पाया जाता है। यह कॉम्बिनेशन मांसपेशियों की रिकवरी और ऊर्जा बनाए रखने में मदद कर सकता है।

5. ग्रीन टी

ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन मांसपेशियों को आराम देने में सहायक हो सकता है।

6. अदरक की चाय

अदरक में प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो मांसपेशियों के दर्द और अकड़न को कम करने में मदद कर सकते हैं।

मांसपेशियों की अकड़न से बचने के लिए क्या करें?

दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

नियमित स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें।

मैग्नीशियम और पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं।

लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने से बचें।

पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें।

पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी पक्षाघात मरीजों के लिए आधुनिक और वैज्ञानिक वरदान

पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को दोबारा सक्रिय करने में मदद करती है। चिकित्सा विज्ञान में हुए नए शोधों के अनुसार, भविष्य में इस तकनीक की मदद से पक्षाघात के लक्षणों में बहुत बड़ा सुधार संभव है। इसके कार्य करने के तरीके और भविष्य की संभावनाओं का संपूर्ण विवरण :पक्षाघात में पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी का महत्व (वरदान क्यों है?

स्ट्रोक के कारण मस्तिष्क का जो हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाता है, पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी उसके आस-पास की स्वस्थ कोशिकाओं को नए न्यूरल नेटवर्क (संपर्क मार्ग) बनाने के लिए उत्तेजित करती है। इसे न्यूरोप्लास्टिसिटी कहते हैं।

रक्त संचार और ऑक्सीजन में सुधारः

यह थेरेपी प्रभावित हिस्से में सूक्ष्म रक्त वाहिकाओं को खोलती है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाओं तक ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्व तेजी से पहुँचते हैं।

सूजन को कम करनाः

स्ट्रोक के बाद मस्तिष्क में होने वाली अंदरूनी सूजन को कम करके यह स्वस्थ कोशिकाओं को नष्ट होने से बचाती है।

कोशिकाओं का पुनर्जीवनः

यह कोशिकाओं के पावरहाउस 'माइटोकॉन्ड्रिया' को चार्ज करती है, जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और सुप्त पड़ी नसें दोबारा काम करने लगती हैं।

क्या भविष्य में इससे पक्षाघात पूरी तरह ठीक हो सकता है?

पूरी तरह ठीक होना मरीज की स्थिति (स्ट्रोक कितना गंभीर था और कितना समय बीत चुका है) पर निर्भर करता है, लेकिन हालिया क्लिनिकल ट्रायल्स (जैसे 2026 के नवीनतम शोध) दिखाते हैं किः

विकलांगता में भारी कमीः

जो मरीज पारंपरिक फिजियोथेरेपी के साथ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक थेरेपी लेते हैं, उनमें बिना विकलांगता के सामान्य जीवन जीने की संभावना 22% से अधिक बढ़ जाती है।

गतिशीलता वापस आनाः

हाथ-पैरों की जकड़न कम होती है, जिससे मरीज का संतुलन सुधरता है और वह दोबारा चलने-फिरने व पकड़ बनाने में सक्षम हो पाता है।

मानसिक और संज्ञानात्मक सुधारः

यह न केवल शारीरिक क्षमता बल्कि याददाश्त, बोलने की क्षमता और स्ट्रोक के बाद होने वाले डिप्रेशन (अवसाद) को भी ठीक करने में मदद करती है। भविष्य में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक थेरेपी पक्षाघात के इलाज का मुख्य हिस्सा बनने वाली है। हालांकि, यह पारंपरिक फिजियोथेरेपी और दवाओं का विकल्प नहीं है, बल्कि उनके साथ मिलकर रिकवरी की रफ्तार को दोगुना करने का एक बेहद सुरक्षित और गैर-आक्रामक (बिना चीर-फाड़ वाला) जरिया है।

आँखों से चश्मा हटाने में लाभकारी और कान की समस्याओ का समाधान भी है इन नुस्खों में

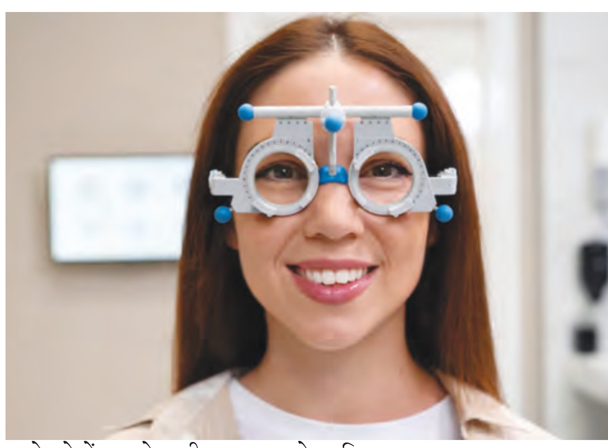

ये दोनों हमारे शरीर का सबसे अधिक आकर्षण वाला हिस्सा ही नहीं, बल्कि सबसे उपयोगी अंग भी है। इसका सिर्फ खूबसूरत होना तब तक मायने नहीं रखता जब तक कि आपके आंखों की रोशनी भी सलामत न हो, क्योंकि ऐसा नहीं हुआ तो या तो आपकी खूबसूरत आंखों को चश्मे के मोटे-मोटे फ्रेम की नज़र लग जाएगी या फिर लेंस लगाने के झंझटों में फंसे ही रहेंगे . मनुष्य के शरीर में आंखें वह अंग हैं जिसका सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। आंखें वह इन्द्रियां होती हैं जिसके कारण ही हम वस्तुओं को देख सकते हैं। हमारे शरीर की समस्त ज्ञानेन्द्रियों में आंखें सबसे प्रमुख ज्ञानेन्द्रियां हैं। आंखों के बिना किसी कार्य को करने में हम असमर्थ हो जाते हैं। आंख की तरह ही कान भी शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग है. इस लेख में आप आंख और कान की देखभाल कैसे कर सकते है यह जानना बेहद ज़रूरी है । (नोट : यहां बताए गए नुस्खों में से एक या एक से अधिक आजमाए जा सकते हैं। लेकिन बेहतर रिजल्ट्स के लिए इनमें से अधिक से अधिक उपाय रेग्युलर बेसिस पर ट्राय किए जाने चाहिए)

आंवला – सूखे आंवले को रात भर पानी में भिगो दें सुबह इस पानी को छानकर इससे आंखें धो ले।

त्रिफला – रात को त्रिफला पानी में भिगोकर रख दें सुबह उसके पानी से उनके धो ले।

जीरा – जीरे और मिस्री को बराबर मात्रा में पीस लें इससे रेगुलर एक चम्मच घी के साथ ले।

इलायची – तीन या चार हरी इलायची को एक चम्मच सौंफ के साथ पीस ले इसे रेगुलर एक गिलास दूध के साथ पिए।

सौंफ – एक चम्मच सौंफ दो बादाम और आधा चम्मच मिश्री पीस लें उसे रात को सोने से पहले एक गिलास दूध के साथ ले।

बादाम – रेगुलर रात को छह-सात बादाम पानी में भिगोकर रख दें इन्हें सुबह छिलके निकाल कर खाएं।

देसी घी – कनपटी पर देसी घी की हल्के हाथ से रोजाना 5-10 मिनट मसाज करें इससे आंखों की रोशनी बढ़ेगी।

गाजर – इसमें विटामिन ए पाया जाता है इसे रेगुलर खाने या इसका जूस पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

सरसों – रेगुलर रात को सोने से पहले तलवों पर सरसों के तेल से मालिश करें।

ग्रीन टी – रेगुलर दिन भर में दो या तीन कप ग्रीन टी पिए इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आंखों को स्वस्थ रखते हैं।

तमिल निर्देशक भारतीराजा का निधन
85 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

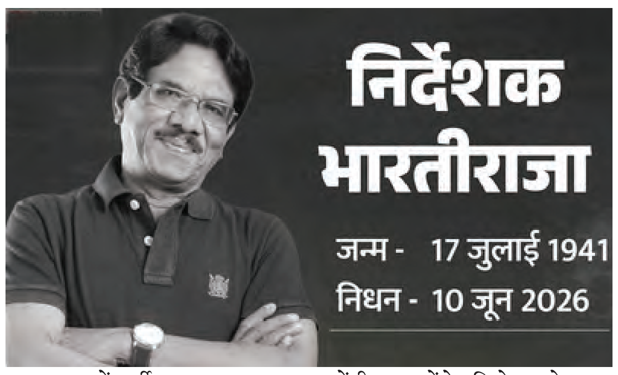

तमिल फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल ने निर्देशक भारतीराजा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। काउंसिल ने शोक संदेश में लिखा, 'हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि हमारे एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ सदस्यों में से एक मशहूर डायरेक्टर भारतीराजा का बुधवार सुबह निधन हो गया।'

लंबे वक्त से बीमार थे निर्देशक भारतीराजा

तमिल फिल्मों के चर्चित निर्देशक भारतीराजा का बुधवार को चेन्नई में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 85 साल के थे। उनके अंतिम संस्कार को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

साल 2024 में निर्देशक के बेटे मनोज की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई थी। इसके बाद से भारतीराजा की तबीयत खराब रहने लगी थी। वह अपने 48 वर्षीय बेटे के निधन के बाद बहुत टूट चुके थे। इस सदमे से उबरने की कोशिश कर रहे थे। पिछले साल दिसंबर में भी उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई थी, तब भी उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अभिनेत्री खुशबू सुंदर ने जताया शोक

निर्देशक भारतीराजा के निधन पर अभिनेत्री और पॉलिटिशियन खुशबू सुंदर ने भी दुख जाया है। भारतीराजा के निधन पर शोक जताते हुए एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर पोस्ट करते हुए खुशबू सुंदर ने लिखा, 'यह जानकर बहुत दुख हुआ कि हमारे सबसे चहेते और सम्मानित डायरेक्टर भारतीराजा अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन से तमिल सिनेमा में शोक की लहर दौड़ गई है। उनकी फिल्में हमेशा से मिसाल रही हैं और आगे भी फिल्म मेकिंग की पाठशाला बनी रहेंगी। उन्होंने सिनेमा के हर चाहने वाले के लिए एक बड़ी विरासत छोड़ी है। वे हमेशा कहते थे कि मुझे दो चोटियों वाले लुक में एक फिल्म करनी चाहिए। यह सपना अब अधूरा ही रह जाएगा। आपकी बहुत याद आएगी, सर।'

इन फिल्मों से मशहूर हुए थे निर्देशक भारतीराजा

भारतीराजा ने साल 1977 में '16 वयाथिनिले' नाम की फिल्म के साथ निर्देशन की शुरुआत की थी। उन्होंने 40 से अधिक फिल्मों का निर्देशन किया। चार दशकों से अधिक समय तक उन्हें 'इयाकुनार इम्मयम' के नाम से जाना जाता रहा। एक निर्देशक के रूप में उनकी सबसे प्रसिद्ध फिल्मों में 'किझाके पोगम रेल', 'सिगप्पु रोजक्कल', 'अलैगल ओइवाथिल्लई', 'काधल ओवियाम' और 'मुधल मारियाथाई' शामिल हैं।

भारतीराजा के निधन पर रजनीकांत और कमल हासन ने जताया दुख

रजनीकांत ने जताया दुख

वेटरन एक्टर रजनीकांत ने मशहूर फिल्ममेकर भारतीराजा को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि भारतीराजा साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया है।

उनकी कला हमेशा जिंदा रहेगी :कमल हासन

उन्होंने कहा, एक सज्जन इंसान चले गए, लेकिन उनकी कला हमेशा जिंदा रहेगी।

भारतीराजा के घर पहुंचे सीएम विजय, दिवंगत निर्देशक को दी श्रद्धांजलि

तमिलनाडु के सीएम विजय ने दिवंगत निर्देशक भारतीराजा को श्रद्धांजलि दी है। अंतिम दर्शन के लिए वह निर्देशक के घर पहुंचे। सीएम विजय ने घोषणा की है कि भारतीराजा का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा।

नयनतारा ने विग्नेश शिवन को प्यार से किया किस
मनाई शादी की चौथी सालगिरह

लेडी सुपरस्टार नयनतारा और फिल्म मेकर विग्नेश शिवन की शादी 9 जून 2022 को हुई थी। दोनों ने महाबलीपुरम के एक लग्जरी रिसॉर्ट में पूरे तमिल रीति-रिवाजों और भव्य समारोह के साथ शादी की थी। आज शादी की चौथी सालगिरह पर नयनतारा ने पति विग्नेश और बच्चों की कई प्यारी तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल फिर से जीत लिया है। नयनतारा और विग्नेश शिवन ने 2015 में फिल्म नानुम राउडी धान के सेट पर मुलाकात के बाद डेटिंग शुरू की। इसके बाद दोनों ने 9 जून 2022 को शादी कर ली थी। आज 9 जून 2026 को दोनों की शादी के पूरे चार साल हो गए हैं।

नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति विग्नेश शिवन और जुड़वां बच्चों उयिर और उलग के साथ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ नयनतारा ने कैप्शन में लिखा, 'हमारी शादी की सालगिरह मुबारक हो।' नयनतारा और विग्नेश शिवन को वेनिस में अपने बेटों उयिर और उलग के साथ खुशनुमा पल बिताते हुए देखा गया। फैंस इन तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। नयनतारा और विग्नेश ने जून 2022 में महाबलीपुरम में एक निजी समारोह में शादी की और उसी साल अक्तूबर में सरोगेसी के माध्यम से अपने जुड़वा बच्चों के जन्म की घोषणा की। विग्नेश शिवन की निर्देशित फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' हाल ही में रिलीज हुई है। इस साइंस फिक्शन रोमांस फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, कृति शेट्टी और एसजे सूर्या ने अभिनय किया है। नयनतारा ने दो दशकों में लगभग 75 तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ अभिनय किया था। नयनतारा को आखिरी बार मलयालम थ्रिलर फिल्म 'पैट्रियट' में देखा गया था, जिसमें मोहनलाल और ममूटी भी थे। अब वह सलमान खान के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी।नयनतारा साउथ स्टार यश के साथ फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस फिल्म में नयनतारा के अलावा हुमा कुरैशी, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत हैं।'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' एक बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। यह गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं।

मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में कैटरीना कैफ

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मां बनने के बाद अब कैटरीना कैफ धीरे-धीरे काम पर लौटने का प्लान बना रही हैं और इन दिनों नई फिल्मों और प्रोजेक्ट्स की स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं।

स्क्रिप्ट को काफी ध्यान से देख रही हैं एक्ट्रेस

खबरों की मानें तो कैटरीना किसी भी प्रोजेक्ट को जल्दबाजी में साइन नहीं करना चाहतीं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स के मुताबिक वह ऐसी कहानी चुनना चाहती हैं जो उनकी जिंदगी के इस नए दौर के साथ मेल खाती हो। यही वजह है कि वह हर स्क्रिप्ट को काफी ध्यान से देख रही हैं।

ओटीटी पर भी कर सकती हैं डेब्यू

दिलचस्प बात यह है कि कैटरीना अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी काम करने के बारे में सोच रही हैं। अगर ऐसा होता है तो यह उनका पहला ओटीटी प्रोजेक्ट होगा। आजकल कई बड़े सितारे ओटीटी की ओर रुख कर रहे हैं और कैटरीना भी इस नए फॉर्मेट को एक्सप्लोर करना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह 2027 के दूसरे हिस्से में शूटिंग पर वापसी कर सकती हैं।

आखिरी बार इस फिल्म में आई थीं नजर

कैटरीना कैफ आखिरी बार फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति थे। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज हुई थी और दर्शकों से ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिला था। हालांकि दोनों की एक्टिंग और केमिस्ट्री की काफी तारीफ हुई थी।

'मेरी क्रिसमस' (12 जनवरी 2024) ने बॉक्स ऑफिस पर टोटल 18.30 करोड़ का कलेक्शन किया था। इससे पहले वह 'टाइगर 3' (12 नवंबर 2023) में नजर आई थीं। ये बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी, और इसने टोटल 285.52 करोड़ की कमाई की थी।

इससे पहले कैटरीना की फिल्म 'फोन बूथ' (4 नवंबर 2022) रिलीज हुई थी, जो फ्लॉप रही थी और केवल 14.01 करोड़ कमा पाई थी।

5 नवंबर 2021 को 'सूर्यवंशी' रिलीज हुई थी, जो सुपरहिट रही थी और 196 करोड़ का कलेक्शन किया था।

पर्सनल लाइफ के बारे में

कैटरीना ने दिसंबर 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। दोनों ने राजस्थान में पारंपरिक तरीके से शादी की थी, जिसमें सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार शामिल हुए थे। पिछले साल 7 नवंबर 2025 को कैटरीना और विक्की के घर बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने विहान कौशल रखा है।

फिलहाल, फैंस को कैटरीना के कमबैक का बेसब्री से इंतजार है और देखना दिलचस्प होगा कि वह बड़े पर्दे पर वापसी करती हैं या ओटीटी से नई शुरुआत करती हैं।

'बिग बॉस 20' की तैयारियां शुरू सलमान खान होस्ट करेंगे शो

टेलीविजन का सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' अपने 20वें सीजन के साथ वापस आ रहा है। लाखों दर्शकों के लिए 'बिग बॉस' का मतलब ही सलमान खान भी है। सलमान के फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि वह एक बार फिर इस शो को होस्ट करने के लिए तैयार हैं।

इस सीजन में क्या होगा खास?

इस शो के मेकर्स नए प्रतियोगियों को चुनने के लिए ऑडिशन शुरू करने वाले हैं। इस बार कुछ पुराने मशहूर प्रतियोगी भी दोबारा घर में एंट्री ले सकते हैं। वैरायटी इंडिया के अनुसार, इस शो की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सलमान 21 सितंबर से इस नए सीजन की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

सलमान का जलवा

'वीकेंड का वार' में सलमान खान का अंदाज, उनका गुस्सा और समझाने का तरीका ही इस शो की असली जान है, जो इस बार भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। 'बिग बॉस 19' काफी कामयाब रहा था, जिसमें गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट और अमाल मलिक जैसे सितारों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसी वजह से सीजन 20 से लोगों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म में सलमान खान

'बिग बॉस' की शूटिंग शुरू करने से पहले सलमान खान अपनी दो बड़ी फिल्मों का काम पूरा करेंगे। वामसी पेडिपल्ली की एक्शन फिल्म में सलमान के साथ साउथ की सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। सलमान इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा 'बिग बॉस' शुरू होने से पहले ही शूट करना चाहते हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान

'मातृभूमि' फिल्म को अपूर्वा लखिया डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देंगी। फिल्म में सलमान कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। पहले यह फिल्म गलवान घाटी विवाद पर आधारित थी, लेकिन अब इसमें कुछ बदलाव करके चीन से जुड़े संदर्भों को हटा दिया गया है।

विजय सेतुपति के अभिनय की मुरीद हुईं संयुक्ता, बोलीं- यह अनुभव शब्दों से परे

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'स्लमडॉगः 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि सेतुपति को सामने से एक्टिंग करते देखना एक शानदार अनुभव रहा। संयुक्ता ने बताया कि वह विजय सेतुपति की प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा कि असल जिंदगी में विजय को परफॉर्म करते देखना बिल्कुल अलग और खास अनुभव है। संयुक्ता ने कहा कि मैं विजय की बहुत बड़ी फैन हूं। उन्हें असल जिंदगी में परफॉर्म करते देखना एक बिल्कुल अलग एहसास है। जिस तरह वे किरदार में सहजता से ढल जाते हैं और डायलॉग बोलते हैं, ऐसा लगता है कि वे उनके अंदर से ही आ रहे हैं। एक को-एक्टर के रूप में इस प्रोसेस को करीब से देखना सच में बहुत खास था।

अभिनेत्री संयुक्ता पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म 'स्लमडॉग 33 टेम्पल रोड' में विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बतायाकिह मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है। मैंने पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। इसमें अलग लेकिन जबरदस्त बदलाव है। इसने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में नई चुनौती दी है और मैं इससे बहुत खुश हूं।

उन्होंने फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि हर कोई मुझे कह रहा था कि यह फिल्म अपनी तरह की अनोखी होगी।

सेट पर पहुंचकर मुझे समझ आया कि क्यों। पुरी सर का डायरेक्शन स्टाइल बहुत सहज, स्टाइलिश और खूबसूरत है। वे सिर्फ समय पर शूटिंग खत्म नहीं करते, बल्कि समय पर शुरू भी करते हैं और जल्दी पूरा कर लेते हैं। उन्हें काम करते देखना अद्भुत है। यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती, धैर्य और लगातार मेहनत ही असली चाबी है : अद्रिजा रॉय

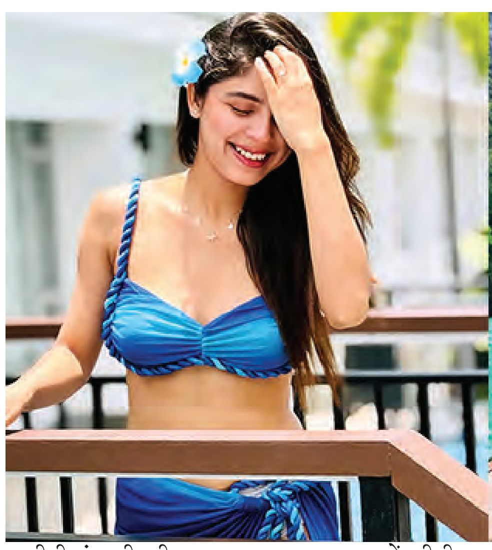

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा कि टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है।

हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है। उन्होंने कहा कि टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा कि लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है। यह लंबे समय तक नहीं टिकती।

दूसरी ओर सफलता एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें लगातार काम करना, अपने अभिनय को बेहतर बनाना और हर किरदार में सुधार लाना जरूरी होता है। जो लोग इस इंडस्ट्री में स्थायी रूप से सफल होना चाहते हैं, उन्हें समझना होगा कि सिर्फ चर्चा में रहना काफी नहीं है, बल्कि अपने काम में निरंतरता बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि धैर्य मेरे लिए एक सोचने का तरीका बन गया है। धैर्य ने मुझे अपने काम के प्रति ज्यादा गंभीर और शांत बनाया है। अब मैं हर सीन को जल्दीबाजी में नहीं करती, बल्कि उसे समझकर और समय देकर निभाने की कोशिश करती हूं।

'अल्फा' मूवी में एक्शन अवतार से फैंस को चौंकायेगी आलिया

यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली बड़ी फिल्म 'अल्फा' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई थी। खास बात यह है कि यह स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी कहानी एक महिला जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है। मेकर्स ने आखिरकार फिल्म का पहला टीजर रिलीज कर दिया गया है। करीब एक मिनट 55 सेकेंड्स का यह टीजर एक्शन, सस्पेंस, इमोशन्स और बड़े मिशन की झलकियों से भरपूर है। टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है और दर्शक आलिया भट्ट के नए अवतार की तारीफ कर रहे हैं। टीजर की शुरुआत में बॉबी देओल और आलिया भट्ट एक शानदार रेस्तरां में बैठे दिखाई देते हैं। बॉबी आलिया के पिता की भूमिका में हैं।

यह आलिया के 18वें जन्मदिन का अवसर होता है। शुरुआत में सब कुछ एक सामान्य पिता-बेटी के सेलिब्रेशन जैसा लगता है, लेकिन कुछ ही पलों में कहानी नया मोड़ ले लेती है। बॉबी देओल अपनी बेटी को एक कार्ड देते हैं, जिस पर एक कमरे का नंबर लिखा होता है।

जब आलिया उससे जुड़ा सवाल पूछती हैं, तब पता चलता है कि यह कोई गिफ्ट नहीं, बल्कि उनका पहला मिशन है।

यहीं से टीजर का रोमांच बढ़ना शुरू हो जाता है। बॉबी देओल अपनी बेटी से कहते हैं कि जिस दिन का इंतजार था, वह आ गया है। उन्होंने उसे बचपन से जिस मकसद के लिए तैयार किया था, अब उसे पूरा करने का समय आ गया है।

इसके बाद टीजर में आलिया का बिल्कुल अलग अवतार दिखाई देता है। वह दुश्मनों पर कभी चाकू से वार करती हैं, तो कभी सिर पर गोली चलाती हैं। वह कई खतरनाक एक्शन करती नजर आ रही हैं।

टीजर में 'अल्फा' नाम से एक सीक्रेट प्रोग्राम से रूबरू कराया जाता है, इसके तहत देश की अगली पीढ़ी के योद्धाओं को तैयार किया जाता है।

टीजर में जहां आलिया भट्ट का एक्शन सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है, वहीं बॉबी देओल का रहस्यमयी अंदाज भी लोगों को प्रभावित कर रहा है। हालांकि फिल्म में शरवरी वाघ और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं, लेकिन इस टीजर में उनकी झलक नहीं दिखाई गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में उनके किरदारों से जुड़े अलग प्रोमो या पोस्टर सामने आ सकते हैं।

'अल्फा' यश राज फिल्म्स के लोकप्रिय स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इससे पहले 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर', 'पठान', 'टाइगर 3' और 'वॉर 2' जैसी फिल्में इस यूनिवर्स का हिस्सा रह चुकी हैं।

फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है, जबकि निर्देशन शिव रवैल ने किया है।

पहले इस फिल्म को 10 जुलाई 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट 3 जुलाई 2026 तय की गई है।

परिमल नाथवानी को चुनाव आयोग की हरी झंडी

कांग्रेस की आपत्तियां खारिज, अब क्रॉस वोटिंग पर टिकी सबकी नजर

रांची, 10 जून (एजेंसियां)। झारखंड राज्यसभा चुनाव की दो सीटों के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी को मंजूरी मिल गई है। उनके नामांकन पत्र में कथित तौर पर तीन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज की गई थीं, जिसके कारण विधानसभा प्रभारी सचिव एवं रिटर्निंग ऑफिसर रंजीत कुमार ने उनके नामांकन को फिलहाल होल्ड पर रखा था। बाद में परिमल नाथवानी से संबंधित बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया। नाथवानी द्वारा दिए गए जवाबों से रिटर्निंग ऑफिसर संतुष्ट हुए, जिसके बाद उनके नामांकन पत्र को वैध घोषित कर दिया गया। साथ ही कांग्रेस की ओर से उठाई गई आपत्तियों को भी खारिज कर दिया गया।

अब चुनावी मैदान में तीन उम्मीदवार रह गए हैं। इनमें झामुमो उम्मीदवार बैद्यनाथ राम, कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा और भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी शामिल हैं।

राजनीतिक समीकरणों पर नजर डालें तो विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 56 विधायक हैं, जिसके आधार पर गठबंधन दोनों सीटें जीतने की स्थिति में दिखाई देता है। हालांकि नाथवानी के मैदान में उतरने से चुनावी मुकाबला रोचक हो गया है और क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

नाथवानी की राह में बड़ी चुनौती एनडीए के पास 24 विधायक हैं। ऐसे में नाथवानी को जीत के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव परिणाम काफी हद तक प्राथमिकता वोटों और विभिन्न दलों के विधायकों की रणनीति पर निर्भर करेगा। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि विधायकों की खरीद-फरोख्त या हॉर्स ट्रेडिंग से जुड़े किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे दावे फिलहाल राजनीतिक चर्चाओं और अटकलों का हिस्सा हैं।

चुनाव परिणाम और मतदान के दौरान विधायकों का रुख ही अंतिम तस्वीर स्पष्ट करेगा। नाथवानी के नामांकन को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि वह दिल्ली से रांची यह बताने और तर्क रखने आए थे कि कांग्रेस का मामला कितना मजबूत है, लेकिन जब वे करीब 12:30 बजे पहुंचे तब तक सुनवाई समाप्त हो चुकी थी। उनके अनुसार, अदालत ने कहा कि इस विषय पर पक्ष की बात पर्याप्त रूप से सुनी जा चुकी है। वहीं कांग्रेस की ओर से पैरवी कर रहे वकील सुरेंद्र सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान परिमल नाथवानी के दस्तावेजों में कई कमियां पाई गईं।

उन्होंने कहा कि उम्मीदवार के नाम में भी विसंगति थी, जहां 'परिमल नाथवानी' के बजाय 'नाथवानी परिमल' लिखा गया था।

चौहान के अनुसार, 'चुनाव संचालन नियम, 1961' के नियम 4A के तहत दाखिल किए जाने वाले फॉर्म-26 में उम्मीदवार को अपनी संपत्ति, जीवनसाथी, परिवार और आश्रितों से संबंधित पूरी जानकारी देनी होती है, लेकिन नाथवानी के हलफनामे में कई कॉलम खाली छोड़ दिए गए थे और केवल उनके तथा उनकी पत्नी की जानकारी दी गई थी।

झारखंड के 14 जिलों में आंधी-बारिश को लेकर अलर्ट

15 से 17 जून के बीच मानसून प्रवेश करने की संभावना

रांची, 10 जून (एजेंसियां)। रांची समेत पूरे झारखंड के मौसम में अब बदलाव आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 15 से 17 जून तक झारखंड में संताल परगना के रास्ते मॉनसून के प्रवेश करने की उम्मीद है।

रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आज 10 जून को कोडरमा और हजारीबाग को छोड़ कर अन्य जिलों में बादल छाये रहने की संभावना है। इस दौरान कई स्थानों पर वज्रपात और तेज हवा चलने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 11 जून को रांची समेत 14 जिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान रांची, खूंटी, रामगढ़, धनबाद, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और बोकारो में 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी, बादल, वज्रपात और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। रांची समेत पूरे राज्य में 11 जून से मौसम में बदलाव की संभावना है।

बिहार में खुलेगा गूगल का ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर?

दिल्ली में सीएम सम्राट से मिले वाइस प्रेसीडेंट चंदू थोटा

पटना/दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। बिहार में बड़े स्तर पर तकनीकी निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए राज्य सरकार ने गूगल इंडिया को ऑफर दिया है। दिल्ली के बिहार भवन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से गूगल इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट चंदू थोटा के नेतृत्व में आए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस मुलाकात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर साझा की। बैठक के दौरान राज्य के विकास को गति देने के लिए आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर गंभीर विमर्श हुआ और बिहार को वैश्विक आईटी मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर बातचीत की गई।

बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने किया गूगल को ऑफर

मुलाकात के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'बिहार भवन, नई दिल्ली में गूगल इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट श्री चंदू थोटा जी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। बैठक में तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान बिहार जीसीसी नीति-2026 के अंतर्गत गूगल को राज्य में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने हेतु आमंत्रित किया।' मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और गूगल इंडिया के शीर्ष अधिकारियों के बीच हुई इस बैठक में बिहार के मुख्य सेक्टरों को डिजिटल रूप से मजबूत करने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों के बीच राज्य में आधुनिक तकनीक के विस्तार, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने और कृषि क्षेत्र में नए तकनीकी प्रयोगों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई। अगर, गूगल इस प्रस्ताव को स्वीकार करता है, तो ये बिहार के तकनीकी इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश साबित हो सकता है।

बिहार जीसीसी नीति- 2026 के अंतर्गत गूगल को राज्य में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने हेतु आमंत्रित किया।

गूगल इंडिया का ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) भारत (मुख्य रूप से हैदराबाद और बेंगलुरु) में स्थित एक बेहद अपग्रेडेड और स्ट्रैटजिक इन-हाउस टेक्नोलॉजी हब है। 2004 से चल रहे ये सेंटर पारंपरिक आउटसोर्सिंग मॉडल से अलग है।

दिल्ली- ईसी दफ्तर के सामने भूपेश बघेल ने दिया धरना

कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नॉमिनेशन रद्द होने का विरोध, निर्णय के खिलाफ सौंपा आवेदन

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नॉमिनेशन रद्द होने का कांग्रेस नेताओं ने विरोध किया। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार रात दिल्ली में चुनाव आयोग दफ्तर के सामने धरने पर बैठे रहे। इस दौरान सचिन पायलट, के सी वेणुगोपाल, जयराम रमेश भी मौजूद रहे।

भूपेश बघेल ने कहा कि, 5:30 बजे मध्य प्रदेश के रिटर्निंग ऑफिसर ने सुनवाई का समय दिया था। उसी समय ऑफिस बंद हो गया। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नॉमिनेशन रद्द होने के निर्णय के खिलाफ हम एप्लीकेशन कहां देंगे।

बघेल ने कहा कि शाम को जब हम भारत निर्वाचन आयोग पहुंचे तो यहां भी दफ्तर बंद हो चुका था। इसके बाद जब धरने पर बैठे तब हमारा एप्लीकेशन क्लर्क ने लिया। हम आवेदन देंगे तब ही कोर्ट जाने का रास्ता खुलेगा।

मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन मंगलवार को खारिज कर दिया गया। बीजेपी की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने ये फैसला लिया। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, अब तीनों सीटों पर भाजपा कैंडिडेट निर्विरोध हैं।

भाजपा का आरोप था कि मीनाक्षी ने तेलंगाना की हैदराबाद कोर्ट में लंबित एक मामले की जानकारी नामांकन पत्र में छिपाई है। रिटर्निंग ऑफिसर ने कारण बताओ नोटिस जारी कर मंगलवार शाम साढ़े 5 बजे तक जवाब मांगा था। कांग्रेस प्रत्याशी के जवाब से संतुष्ट न होने पर नामांकन खारिज कर दिया गया, जिसके बाद कांग्रेस नेता विरोध में उतर आए।

जांच के दायरे में दिल्ली से मुंबई तक के मौलाना

गायब हो गया आयुष उर्फ अली

शामली, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली में दवा व्यवसायी के पुत्र के धर्मांतरण का मामला लगातार गरमाया हुआ है। आयुष मालिक धर्मांतरण केस में पुलिस एक्शन मोड में दिख रही है। इसमें दिल्ली से लेकर मुंबई तक के मौलानाओं को रडार पर लिया गया है। साथ ही, इस पूरे खेल में शामिल सभी लोगों को निशाने पर लिया गया है। हालांकि, आयुष मालिक उर्फ मोहम्मद अली ने मीडिया के सामने आकर अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन की बात कही है। इसके बावजूद पुलिस मामले में एक्टिव मोड में है। इसका कारण आयुष मालिक के पिता देवराज मलिक के पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में परिवार पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप माना जा रहा है। इस मामले में चांदनी कुरैशी और उसके पिता को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, धर्मांतरण के खेल में जुड़े तमाम पक्षों को कार्रवाई के दायरे में लाने की तैयारी चल रही है।

आयुष मलिक धर्मांतरण प्रकरण में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया है। धर्मांतरण करने वाले आयुष के बयान के बाद भी पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस इसे युवक के ब्रेनवॉश से जुड़ा मामला मान रही है। मामले की तह तक जाने के लिए शामली से दिल्ली और मुंबई तक फैले नेटवर्क को खंगालने के लिए चार टीमें गठित की गई हैं।

आयुष मलिक केस को उठाने वाले स्वामी यशवीर महाराज ने युवक की शादी दिल्ली में कराने और मुंबई में खतना होने की बात कही है। पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। शामली पुलिस इस समय पुलिस भर्ती परीक्षा को पूरा कराने में जुटी हुई है। इसके बाद टीमें विभिन्न स्थानों पर दबिश देंगी। मामले में जांच का फोकस अब उन तथ्यों पर है, जिनमें आयुष के मुंबई में खतना कराने और बाद में दिल्ली में निकाह होने की जानकारी सामने आई है। इन बिंदुओं से जुड़े दस्तावेज, गवाह और अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच चल रही है।

मेडिकल व्यवसायी देवराज मलिक की ओर से लगाए आरोपों को भी जांच का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है और उनकी ओर से उपलब्ध कराई सूचनाओं का सत्यापन कराया जा रहा है। मामले में नामजद मौलवियों और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में पुलिस की कार्रवाई जारी है। दूसरी तरफ, गिरफ्तार की गई आयुष की पत्नी चांदनी और उसके पिता के बाद नामजद परिवार के अन्य सदस्य फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर पुलिस की ओर से दबिश दी जा रही है। पुलिस की जांच में धर्मांतरण मामले में पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर ठोस सबूत सामने नहीं आए हैं।

तीन गो तस्कर गिरफ्तार

ऊपर सब्जी, नीचे गोवंश पिकअप में बेरहमी से गायों को बांधा हुआ था

मथुरा, 10 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के थाना कोसीकला इलाके में बुधवार तड़के गो तस्करों और गो रक्षकों के बीच फिल्मी स्टाइल में हाई वोल्टेज धरपकड़ का सीन क्रिएट हो गया। नेशनल हाईवे पर आगरा की ओर से दिल्ली की तरफ जा रही एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी को जब गो रक्षकों ने पीछा किया तो तस्करों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी। इतना ही नहीं तस्करों को एस्कॉर्ट कर रही सेंट्रो कार ने भी बैक गियर में गाडी दौड़ाकर गो रक्षकों पर जानलेवा हमले का प्रयास किया, लेकिन तस्करों के हौसले पस्त हो गए। गो रक्षकों ने घेराबंदी कर तीन गो तस्करों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उनके कब्जे से बेरहमी से बांधकर सब्जी के नीचे दबाकर ले जाए जा रहे गो वंश को मुक्त कराया।

गैंगरेप और हत्या मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

चतरा, 10 जून (एजेंसियां)। पिपरवार थाना क्षेत्र के सपही नदी में बालू के नीचे दबा मिला युवती का शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के आरोप में चार युवकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

गिरफ्तार आरोपियों में सूरज कुमार (19), पवन महतो (21), राहुल भुंईया (19), और रोहित कुमार महतो (19) शामिल हैं। टंडवा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार के अनुसार, 6 जून 2026 को सपही नदी में एक युवती का शव बालू में दबा मिला था। सूचना मिलने के बाद विशेष छापेमारी दल का गठन कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान घटनास्थल की घेराबंदी की गई और एफएसएल) की टीम को बुलाया गया। एफएसएल की जांच और स्थानीय स्तर पर जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मृतका की पहचान रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र निवासी के रूप में हुई। जांच में पता चला कि मृतका का खलारी थाना क्षेत्र के मनातू गांव निवासी सूरज कुमार से प्रेम संबंध था।

पुलिस के अनुसार, 1 और 2 जून की रात आरोपियों ने युवती को मेला दिखाने के बहाने पंडरिया जंगल ले गए। वहां सूरज कुमार के अन्य साथियों राहुल मुंडा और रोहित कुमार महतो ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपियों ने चाकू और ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी और शव को सपही नदी के बालू में दबा दिया।

बिहार के 94 लाख पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खुशखबरी

एकदम सैलरी की तरह हर महीने फिक्स डेट पर आएगा पैसा

पटना, 10 जून (एजेंसियां)। बिहार के 94 लाख से अधिक बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सम्राट सरकार ने दी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का ऐलान किया। अब लाभार्थियों को अपनी पेंशन राशि के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

हर महीने सैलरी तरह 10 तारीख को सीधे उनके खातों में पेंशन का पैसा ट्रांसफर किया जाएगा। बिहार सरकार के मुताबिक, इस नई व्यवस्था का उद्देश्य वित्तीय सहायता को अधिक पारदर्शी, सुलभ और समयबद्ध बनाना है। बुधवार को नई दिल्ली स्थित बिहार भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सुविधा का शुभारंभ किया। बिहार समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के 94 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में कुल 1096.44 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि डिजिटल माध्यम से ट्रांसफर की।

सरकार ने कहा कि गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग को समय पर सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बिहार सरकार ने लाभार्थियों को मिलने वाली मासिक आर्थिक मदद में बड़ा इजाफा किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले इस योजना के तहत लाभार्थियों को मात्र 400 रुपये प्रति माह दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। राशि में हुई इस वृद्धि से राज्य के लाखों परिवारों को मजबूत आर्थिक सहारा मिलेगा।

मुख्यमंत्री सम्राच चौधरी ने राज्य के उन सभी योग्य नागरिकों से तुरंत आवेदन करने की अपील की है जो योजना से वंचित हैं। इसके साथ ही सुचारू भुगतान के लिए जरूरी निर्देश भी दिए।

60 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग, जो अभी तक इस योजना से नहीं जुड़ पाए हैं, वे तुरंत अपना आवेदन जमा करें।

जिन लाभार्थियों की पेंशन रुकी हुई है, वे अपने बैंक खाते को आवश्यक पहचान दस्तावेजों से तुरंत लिंक कराएं।

बैंक प्रक्रिया पूरी न होने से कई लोगों की राशि अटक जाती है, इसलिए खाता अपडेट रखना अनिवार्य है।

सपा नेता बोले- अखिलेश परिवार को निशाना बनाना घटिया राजनीति

राम मंदिर में चोरी से ध्यान भटकाने की कोशिश, कीचड़ उछालना कायरता

अयोध्या, 10 जून (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की 23 साल की बड़ी बेटी अदिति यादव की निजी जिंदगी से जुड़े तमाम दावे सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं। पूर्व मंत्री और अयोध्या के सपा नेता तेज नारायण पांडेय (पवन पांडेय) ने इसके पीछे भाजपा को बताया है। पवन पांडेय ने बुधवार को X पर एक लंबी पोस्ट लिखी। वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा, जब अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी को लेकर सवाल उठाए तो भाजपा के नेताओं ने आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों का रास्ता अपना लिया।

उन्होंने कहा, अखिलेश के परिवार को निशाना बनाना घटिया राजनीति है। यह केवल एक राजनीतिक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि प्रदेश की हर बेटी, हर बहन और हर मां के सम्मान पर चोट है।

इस मामले में सीतापुर से सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा, चरित्र पर कीचड़ उछालना कायरों की शान है, बेटियों का सम्मान करना भारत की पहचान है। जो मनगढ़ंत कहानियों से बेटी को बदनाम करना चाहते हैं, क्या वह जनता के गुस्से का परिणाम भी जानते हैं?

पवन पांडेय ने कहा, राम मंदिर दान राशि से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय भाजपा के कुछ नेता और समर्थक राजनीतिक विरोधियों के परिवारों को निशाना बना रहे हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग (भाजपा) स्वयं को सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा संरक्षक बताते हैं, वही राजनीतिक प्रतिशोध में महिलाओं और बेटियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला काम करते हैं।

परियोजना विस्तार पर विवाद मारपीट-फायरिंग का आरोप

सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग की ओबी डंपिंग को लेकर दो पक्षों में तनाव

धनबाद, 10 जून (एजेंसियां)। धनबाद के घनुडीह चीनकोठी बस्ती के पास सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग परियोजना के विस्तार को लेकर ग्रामीणों और कंपनी समर्थकों के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों ने बस्ती के पास ओबी (ओवरबर्डन) डंप करने का विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि विरोध करने पर कंपनी समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग की। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही धनबाद के मेयर संजीव सिंह और घनुडीह ओपी प्रभारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद होने की बात सामने आई है।

मेयर संजीव सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की आपत्तियों के बावजूद ओबी डंपिंग की जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने वाले ग्रामीणों के साथ मारपीट की गई। मेयर ने चेतावनी दी कि जब तक इस मामले पर उच्चस्तरीय बैठक नहीं हो जाती, तब तक विवादित स्थल पर ओबी डंपिंग का कार्य नहीं होने दिया जाएगा।

ग्रामीण सुनील कुमार मंडल ने जानकारी दी कि कथित अवैध ओबी डंपिंग का विरोध करने पर लगभग 30 लोग मौके पर पहुंचे और मारपीट करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान फायरिंग भी की गई, जिससे उनका हाथ टूट गया।

सिंदरी के एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो ने बताया कि थाना प्रभारी से मिली सूचना के अनुसार ओबी डंपिंग को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हुआ था।

उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। एसडीपीओ महतो ने फायरिंग की घटना की सूचना मिलने से इनकार किया और बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्वर्ण व्यवसायी विक्की सोनी हत्याकांड का खुलासा

मृतक के जीजा समेत दो गिरफ्तार, आपसी रंजिश में किया मर्डर

हजारीबाग, 10 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र में सोमवार की रात हुए स्वर्ण व्यवसायी विक्की सोनी हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में मृतक का अपना जीजा विक्रम कुमार मुख्य आरोपी निकला।

पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों विक्रम कुमार और दिलीप कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश और व्यक्तिगत विवाद को हत्या का कारण बताया गया है।

दरअसल, हजारीबाग रोड स्थित करसो पुल के पास सोमवार रातहजारीबाग के स्वर्ण व्यवसायी विक्की सोनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना उस समय हुई, जब वह अपने मित्र अभिषेक कुमार के साथ कोडरमा रेलवे स्टेशन जाने के क्रम में रास्ते में पंचर हुई कार का टायर बदल रहे थे। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी विक्रम कुमार ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

विक्रम कुमार मृतक विक्की कुमार सोनी का जीजा है। दूसरे आरोपी दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है, जो मृतक का मित्र बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने पूछताछ में इस हत्या के साथ-साथ हजारीबाग और आसपास के जिलों में हुई कई लूट, चोरी तथा अन्य आपराधिक घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी

बस चार बार पलटने के बाद हुई खड़ी 2 की मौत, 27 घायल, 6 लोग गंभीर

पाकुड़, 10 जून (एजेंसियां)। पाकुड़ में बारातियों से भरी बस सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। 27 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 6 की स्थिति गंभीर है। घायलों को दुमका रेफर किया गया है। हादसा मड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के मलीपाड़ा गांव में हुआ। बताया जाता है कि बस गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के कदमपहाड़पुर गांव से विवाह समारोह के बाद महेशपुर प्रखंड के परियारदाहा लौट रही थी, तभी सिंगारसी-अमड़ापाड़ा मेन रोड पर ढलान के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई।

हादसे की सूचना मिलते ही अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां से गंभीर घायलों को रेफर किया गया। मृतकों की पहचान परियारदाहा निवासी आलेन मुर्मू (पिता बजार मुर्मू) और राजेश टुडू के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सड़क किनारे चार बार पलटते हुए खड़ी हो गई थी, जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की सूझबूझ से कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को त्वरित इलाज के लिए भेजा गया।

एनआरआई के लिए डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा शुरू

> मिल सकता है 7 प्रतिशत तक ब्याज

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा यानी डॉलर को भारत लाने और रुपये को मजबूत बनाने के लिहाज से बैंकों के लिए अमेरिकी डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा शुरू की है। यह सुविधा प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की ओर से बैंकों में जमा किए जाने वाले नए फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) यानी एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर मिलेगी। योजना के तहत जब कोई एनआरआई भारतीय बैंक में विदेशी मुद्रा जमा करेगा, तो बैंक उस पैसे को डॉलर में बदलकर आरबीआई को दे देगा।

इसके साथ ही बैंक और आरबीआई के बीच एक समझौता होगा। इसके तहत, योजना का समय पूरा होने पर आरबीआई उसी पुरानी विनिमय दर पर बैंकों को डॉलर वापस लौटा देगा। इससे बैंकों को बाजार में डॉलर के उतार-चढ़ाव से कोई नुकसान नहीं होगा।

अनिल अंबानी को मिली अंतरिम सुरक्षा

> काला धन अधिनियम के तहत कार्रवाई पर उच्च न्यायालय की रोक

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। उद्योगपति अनिल अंबानी को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उन्हें काला धन अधिनियम के तहत उन पर मुकदमा चलाने और जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। अंबानी ने अपनी याचिका में इस अधिनियम के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने मंगलवार को यह आदेश दिया। पीठ ने नोट किया कि इस अधिनियम के खिलाफ अन्य याचिकाएं भी दायर की गई हैं। अदालत ने अंबानी की याचिका को स्वीकार कर लिया है। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी कहा कि अंबानी के खिलाफ एक मूल्यांकन आदेश पहले ही पारित हो चुका है। उन्होंने आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर की है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह अपील आगे बढ़ सकती है। हालांकि, याचिका के अंतिम निपटारे तक अंबानी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसमें अभियोजन और जुर्माना भी शामिल है।

क्या है आयकर विभाग का आरोप?

आयकर विभाग ने 8 अगस्त, 2022 को अनिल अंबानी को एक नोटिस जारी किया था। विभाग ने उन पर 814 करोड़ रुपये से अधिक के अघोषित धन पर 420 करोड़ रुपये के कर की कथित चोरी का आरोप लगाया है। यह धन दो स्विस बैंक खातों में रखा गया था। विभाग के नोटिस के अनुसार, अंबानी पर काला धन अधिनियम की धारा 50 और 51 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। इन धाराओं में अधिकतम 10 साल की कैद और जुर्माने का प्रावधान है। विभाग का आरोप है कि अंबानी ने जानबूझकर अपने विदेशी बैंक खातों का विवरण और वित्तीय हितों का खुलासा नहीं किया।

अंबानी ने क्या तर्क दिया है?

अनिल अंबानी ने अपनी याचिका में कहा है कि काला धन अधिनियम 2015 में लागू हुआ था। जबकि जिन लेनदेन पर आरोप लगाए गए हैं, वे मूल्यांकन वर्ष 2006-2007 और 2010-2011 के हैं। अंबानी का तर्क है कि इस अधिनियम के प्रावधानों का पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं हो सकता है। यानी, इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जा सकता है। उन्होंने अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भारत के संविधान के शक्तियों से परे या उल्लंघनकारी बताया है।

किन विदेशी संपत्तियों का जिक्र है?

आयकर विभाग के नोटिस के अनुसार, अनिल अंबानी बहामास स्थित 'डायमंड ट्रस्ट' नामक एक इकाई के आर्थिक योगदानकर्ता और लाभकारी मालिक थे। इसके अलावा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में शामिल 'नदर्न अटलांटिक ट्रेडिंग अनलिमिटेड (एनएटीयू)' नामक एक अन्य कंपनी से भी उनका संबंध बताया गया है। विभाग का आरोप है कि अंबानी ने अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में इन विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं किया। इस तरह उन्होंने काला धन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। कर अधिकारियों ने दो खातों में अघोषित धन का कुल मूल्य 8,14,27,95,784 रुपये आंका है। इस पर देय कर 4,20,29,04,040 रुपये है।

अडाणी एनर्जी सबसे बड़ी स्मार्ट मीटर कंपनी बनी

3,050 करोड़ रुपये में खरीदी इंटेलिस्मार्ट, अब कंपनी के पास 4.7 करोड़ स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को खरीद लिया है। यह सौदा पूरे 3,050 करोड़ रुपए में हुआ है। इसके तहत एईएसएल को इंटेलिस्मार्ट की पूरी 100% हिस्सेदारी मिलेगी। इंटेलिस्मार्ट भारत की प्रमुख स्मार्ट मीटरिंग कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास यूपी, गुजरात, एमपी, बिहार और असम में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर हैं। इस अधिग्रहण के बाद एईएसएल के कुल स्मार्ट मीटरों की संख्या बढ़कर 4.7 करोड़ से अधिक हो जाएगी। इसके साथ ही एईएसएल देश की सबसे बड़ी स्मार्ट मीटर कंपनी बन गई है। इंटेलिस्मार्ट एनआईआईएफ और ईईएसएल का संयुक्त उपक्रम है। इस सौदे में पूरी इक्विटी का अधिग्रहण शामिल है। इसके साथ अडाणी इस कंपनी में एनआईआईएफ का पूरा बकाया कर्ज भी चुकाएगी।

वहीं, एईएसएल के स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस में अभी 2.46 करोड़ से ज्यादा मीटर का ऑर्डर बुक है। अधिग्रहण के बाद कंपनी के पास 4.7 करोड़ स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा और इससे भारत के स्मार्ट मीटरिंग मार्केट में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की टॉप पोजीशन को और मजबूत होगी। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का कहना है कि इस अधिग्रहण के बाद उसके पास 4.7 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा। इससे कंपनी भारत की सबसे बड़ी स्मार्ट मीटरिंग प्लेटफॉर्म बन जाएगी। स्मार्ट मीटर बिजली उपभोक्ताओं को रियल टाइम बिजली खपत की जानकारी देने, बिलिंग में पारदर्शिता लाने और बिजली चोरी रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	वृष	मे
चंद्र	मीन	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

वृष	04-02 बजे
मिथुन	06-02 बजे
कर्क	08-14 बजे
सिंह	10-27 बजे
कन्या	12-33 बजे
तुला	14-36 बजे
वृश्चिक	16-49 बजे
धनु	19-01 बजे
मकर	21-08 बजे
कुंभ	22-58 बजे
मीन	00-37 बजे
मेष	02-13 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**

शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - **432000** — सूर्योदय **05-44**

भोग्य कलि वर्ष. - **426873** — सूर्यास्त. **18 -44**

कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - **1972949127**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले

मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष गुरुवार **11 June 2026**

तिथि - एकादशी **22- 36** रात्रि तक उपरान्त द्वादशी

नक्षत्र - रेवती **08-16** तक उप अश्विनी

योग. - शोभन **01-00** रात्रि तक उप अतिगण्ड

करण - बव **11-52** तक उप बालव

विशेष: पुरूषोत्तम एकादशी स्मार्थ वैष्णव पंचक व नक्षत्र शांति **08-16** तक

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
13-54 से
15-33 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ **05-44 - 07-21** शुभ	अमृत **18-44 - 20-11,** शुभ
रोग **07-21 - 08-59** अशुभ	चंचल **20-11 - 21-33** शुभ
उत्पात **08-59 - 10-38** अशुभ	रोग **20-33 - 22-54** अशुभ
चंचल **10-38 - 12-16** शुभ	काल **22-54 - 00-16** अशुभ
लाभ **12-16 - 13-54** शुभ	लाभ **00-15 - 01-38** शुभ
अमृत **13-54 - 15-33** शुभ	उत्पात **01-38 - 02-59** अशुभ
काल **15-33- 17-11** अशुभ	शुभ. **02-59 - 04-21** शुभ
शुभ **17-11 - 18-44** शुभ	अमृत **04-21 - 05-44** शुभ

स्टारलिंक ने भारत में मंजूरी पर रोक लगने की खबरों को बताया गलत

> कहा-सरकार के साथ बातचीत जारी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। दुनिया के जाने-माने अरबपति और उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि भारत सरकार ने उसकी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को मंजूरी देने की प्रक्रिया रोक दी है। कंपनी ने कहा कि वह भारत सरकार के साथ सक्रिय और सकारात्मक बातचीत कर रही है और उसे अपनी योजनाओं को लेकर उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने कहा कि कंपनी भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उसने सभी नियामकीय तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का पालन किया है।

यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान संघर्ष में स्टारलिंक टर्मिनलों के इस्तेमाल को लेकर चिंताओं के कारण भारत ने कंपनी के व्यावसायिक संचालन की मंजूरियों को प्रभावी रूप से रोक दिया है। ड्रेयर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्टारलिंक भारत सरकार के साथ सक्रिय और सकारात्मक चर्चा कर रही है और गुमनाम सूत्रों के आधार पर प्रकाशित खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने सभी जरूरी नियामकीय और अनुपालन प्रक्रियाओं में सरकार के साथ पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम किया है। ड्रेयर के अनुसार, स्टारलिंक ने भारत के लिए एक विशेष तैनाती (डिप्लॉयमेंट) मॉडल तैयार किया है, जो देश की तकनीकी संप्रभुता, नियामकीय आवश्यकताओं और सुरक्षा मानकों के अनुरूप है।

चांदी 9,658 रुपये गिरकर 2.36 लाख रुपये किलो पर आई, सोना 4,090 रुपये टूटा

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से आज यानी 10 जून को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 4,090 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 9,658 रुपए कम होकर 2.36 लाख रुपए पर आ गई है। 31 मई को चांदी की कीमत 2.63 लाख रुपए थी। यानी सिर्फ 10 दिनों में ही ये 27 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं इस दौरान सोने की कीमत 8 हजार रुपए कम हुई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते लोग मार्केट से पैसा निकालकर अपने पास कैश रख रहे हैं।

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस-मेटा

> गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला प्लांट बनेगा > क्लीन एनर्जी के लिए भी साझेदारी

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है।

इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी।

भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने को तैयार

रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है। मेटा का भारत का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर बनाना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है। जामनगर हाइपरस्केल एआई कंप्यूटिंग के लिए एक लैंडमार्क डेस्टिनेशन बनेगा। मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, हमें भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस के साथ काम करने पर गर्व है। जामनगर की यह वर्ल्ड-क्लास फैसिलिटी हमें ग्लोबल लेवल पर अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और भारत की इकोनॉमी में हमारे लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट को गहरा करने में मदद करेगी।

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और 'मेटा कंप्यूट' पर भारी निवेश

मेटा अपनी बढ़ती एआई जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने पर निवेश कर रही है। जुकरबर्ग ने 'मेटा कंप्यूट' नामक एक टॉप-लेवल पहल के जरिए इस दशक में 'डिकेड्स ऑफ गीगावाट' और आगे चलकर 'हंड्रेड्स ऑफ गीगावाट' या उससे ज्यादा क्षमता बनाने का प्लान बनाया है। जनवरी 2026 में उन्होंने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की पूर्व सलाहकार दीना पॉवेल मैकॉर्मिक को प्रेसिडेंट और वाइस चेयरमैन नियुक्त किया, जो सरकारों के साथ मिलकर मेटा के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंसिंग पर फोकस कर रही हैं। अप्रैल में मेटा ने अपने पूरे साल के कैपिटल एक्सपेंडिचर के अनुमान को 115-135 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 125 बिलियन डॉलर से 145 बिलियन डॉलर कर दिया है।

डे हाई 630 अंक गिरकर 73,983 पर बंद हुआ सेंसेक्स

निफ्टी भी 23,215 पर आया

मुंबई, 10 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 10 जून को मिला-जुला कारोबार रहा। सेंसेक्स डे हाई से 630 अंक गिरकर 73,983 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 23,214 के स्तर पर आ गया है।

आज के कारोबार में मेटल, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में बिकवाली रही। सेंसेक्स सुबह तेजी के साथ खुला था। कारोबार के दौरान इसे करीब 700 अंक चढ़कर 74,613 का हाई बनाया। हालांकि. 1 बजे के बाद बाजार में तेज बिकवाली आई और सेंसेक्स केवल 64 अंक की बढ़त के साथ 73,983 पर बंद हुआ। निफ्टी में 27 अंकों की गिरावट रही। शेयर बाजार में कल यानी 9 जून को बढ़त रही थी। सेंसेक्स 395 अंक की तेजी के साथ 73,919 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 119 अंकों की तेजी रही थी, ये 23,242 के स्तर पर बंद हुआ था।

ऑनलाइन खरीदारी में 'डार्क पैटर्न' का खेल

> भारतीय ग्राहकों को सालाना 28000 करोड़ रुपये तक का हो रहा नुकसान

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। ऑनलाइन खरीदारी और डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले भारतीय ग्राहकों को 'डार्क पैटर्न' की वजह से हर साल हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। एक नई स्टडी के अनुसार, छिपी हुई फीस, अपने-आप शुरू हो जाने वाले सब्सक्रिप्शन और पहले से चुने गए ऐड-ऑन जैसी तरकीबों के कारण उपभोक्ताओं को सालाना 25,000 से 28,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ता है।

यह दावा 'डार्क पैटर्न्स इन इंडियाज ऑनलाइन मार्केटप्लेस' नाम की 88 पन्नों की रिपोर्ट में किया गया है, जिसे 9 जून को गुरुग्राम स्थित कंज्यूमर इनसाइट्स फर्म डाटुम इंटेल्लीजेन्स ने जारी किया।

करोड़ों ग्राहक इससे प्रभावित

जनसत्ता के सहयोगी द इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 30.4 करोड़ भारतीय ऑनलाइन खरीदारों में से 88% से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हैं। इनमें से हर ग्राहक को अलग-अलग तरह के 'डार्क पैटर्न' (जैसे छिपी हुई फीस, बास्केट स्नीकिंग, ड्रिप प्राइसिंग और झूठी अर्जेंसी) की वजह से हर महीने अनुमानित 78-87 रुपये का नुकसान होता है। 'डार्क पैटर्न' उन प्लेटफॉर्म को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं जो इनका इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि परेशान ग्राहक कम खर्च करते हैं, कम बार ऑर्डर करते हैं या सर्विस का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर देते हैं।

रिपोर्ट का अनुमान है कि प्लेटफॉर्म जीएमवी (ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू) में 55,000 करोड़ रुपये का जोखिम है क्योंकि यूजर खर्च कम कर रहे हैं या दूसरे प्लेटफॉर्म पर जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, "यह वह रेवेन्यू है जो प्लेटफॉर्म ने अभी तक नहीं खोया है, लेकिन आगे खो देंगे।"

73 प्रतिशत प्लेटफॉर्म ऐसे 'फोर्स्ड एक्शन डिजाइन' का इस्तेमाल जारी रखे हुए हैं

इन नकारात्मक प्रभावों के बावजूद, डेटम के रिसर्चर्स द्वारा एनालाइज किए गए 73 प्रतिशत प्लेटफॉर्म ऐसे 'फोर्स्ड एक्शन डिजाइन' का इस्तेमाल जारी रखे हुए हैं जो यूजर को अनचाहे काम करने या खरीदारी करने के लिए मजबूर करते हैं। डेटम के 'डार्क पैटर्न इंडेक्स' में नाइका, बिग बास्केट और क्लीयरट्रीप जैसी भारतीय कंपनियां अपने-अपने सेक्टर में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले प्लेटफॉर्म के तौर पर सामने आई हैं। यह स्टडी ऐसे समय में आई है जब सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने एडटेक फर्म और साइबरसिक्योरिटी कंपनी एमसीएफी सॉफ्टवेयर इंडिया पर 'डार्क पैटर्न' के इस्तेमाल के लिए जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों ने 'डार्क पैटर्न की रोकथाम और रेगुलेशन के लिए गाइडलाइंस' का उल्लंघन किया था। रेगुलेटर ने 2023 में ये गाइडलाइंस जारी की थीं और 13 ऐसे तरीकों को गलत व्यापारिक प्रथाओं (अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस) के तौर पर पहचाना था।

तब से रैपिडो, ज़ेप्टो और फर्स्टक्राई जैसे कुछ प्लेटफॉर्म पर गाइडलाइंस का पालन न करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, रेगुलेटरी स्पष्टता की कमी और लागू करने में कमियों ने प्रगति को बाधित किया है। उदाहरण के लिए, क्विक कॉमर्स ऐप ज़ेप्टो पर सीसीपीए ने नियमों के पालन का स्व-घोषणा पत्र जमा करने के सिर्फ़ छह हफ़्ते बाद 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। रिपोर्ट के अनुसार, यह मौजूदा स्व-ऑडिट फ्रेमवर्क की सीमाओं और मजबूत वेरिफिकेशन मैकेनिज़्म की ज़रूरत को उजागर करता है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,) — आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कर्म करने का भी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

2.43 करोड़ के 'महा घूसकांड' का केस
'मंत्री जी' और 'डॉक्टर साहब' का भी ज़िक्र

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार में कृषि विभाग के भीतर सामने आया खाद-बीज घोटाला और 2.43 करोड़ रुपए का रिश्वत कांड अब पूरी तरह से एक बड़े राजनीतिक युद्ध में तब्दील हो चुका है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा राजस्थान राज्य बीज निगम के अशासकीय निदेशक जुगल किशोर सहित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मामले की कानूनी परतें जैसे-जैसे खुलती चली जा रही हैं, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इसे मुद्दा बनाते हुए और ज़्यादा हमलावर हो रही है। कांग्रेस ने इस महा-घूसकांड की आधिकारिक एफआईआर की प्रति सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से साझा कर दी है। इस एफआईआर कॉपी में दर्ज जांच के तथ्यों, कॉल रिकॉर्डिंग्स के विवरण और बिचौलियों के बीच हुई बातचीत के अंशों ने पूरे राजस्थान के राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। इन पन्नों में डॉक्टर साहब और मंत्री जी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिसे आधार बनाकर विपक्ष अब सीधे कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे की मांग पर अड़ गया है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घूसकांड पर बेहद हमलावर तेवर दिखाए हैं। कांग्रेस ने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को कटघरे में खड़ा करते हुए कृषि मंत्री के पद पर बने रहने की वैधानिकता को चुनौती दी है।

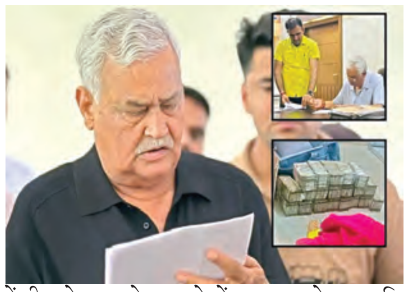

विपक्ष ने अपने आधिकारिक बयान में लिखा, कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा जी, इस महा-घूसकांड के सामने आने के बाद आपकी तथाकथित राजनैतिक नैतिकता पूरी तरह से तार-तार हो चुकी है। अब आपके पास मंत्री पद से इस्तीफा देने के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है। एसीबी की गहन जांच और एफआईआर में सामने आए आधिकारिक तथ्यों में साफ तौर पर लिखा है कि 'डॉक्टर साहब का फोन आया था' और 'गंगानगर वाला पेमेंट मंत्री जी को कुछ नहीं आया'... जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और आपराधिक संवाद दर्ज हैं, जो सीधे तौर पर ऊपरी संरक्षण की ओर इशारा करते हैं।

इस घूसकांड की वायरल हो रही एफआईआर कॉपी का सबसे पेचीदा और संवेदनशील पहलू वह हिस्सा है, जिसमें 'सतीश' नाम के एक किरदार द्वारा पेमेंट के लेन-देन और फाइलों की सेटिंग कराने की बातें विस्तार से लिखी गई हैं। कांग्रेस ने इसी तकनीकी बिंदु को पकड़कर कृषि मंत्री के निजी स्टाफ और सचिवालय विंग को पूरी तरह से निशाने पर ले लिया है।

कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से सवाल दागते हुए पूछा है, इस आधिकारिक एफआईआर में जिस कथित मंत्री और सतीश द्वारा पेमेंट कलेक्ट करने व सेटिंग बिठाने की बातें बार-बार दोहराई जा रही हैं, सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जिस सतीश की बात इस कानूनी जांच में की जा रही है, क्या वह वास्तव में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के निजी सहायक सतीश ही हैं? अगर हां, तो इतने बड़े करोड़ों के लेन-देन का जाल सीधे मंत्री की नाक के नीचे सचिवालय के बंद कमरों में कैसे बुना जा रहा था और इसके पीछे मुख्य योजनाकार कौन-कौन लोग शामिल हैं? एक अन्य पोस्ट शेयर करते हुए कांग्रेस ने लिखा, "अब क्या बचा है.. कृषि मंत्री किरोड़ी लाल जी? इस्तीफा दीजिए। सीकर में संदीप पर आपके नाम से लाखों की उगाही का आरोप लगा, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा, लेकिन आपने बचाने की कोशिश की। अब संदीप का नाम एसीबी की जांच में सामने आ गया है।

भजनलाल सरकार में दिखी 'वसुंधरा राज' की झलक
मंदिरों-मस्जिदों पर बुलडोजर एक्शन देख हनुमान बेनीवाल ने दागे तीखे सवाल

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में मंदिरों और मस्जिदों पर चल रहे प्रशासनिक बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सूबे की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हनुमान बेनीवाल ने अब इस विवाद में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम घसीटते हुए वर्तमान भजनलाल सरकार और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों को एक साथ लपेटे में ले लिया है। बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखकर सरकार की नीयत और विपक्ष की चुप्पी पर तीखे तीर चलाए हैं।

हनुमान बेनीवाल ने अपने पोस्ट की शुरुआत ही सीधे पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के कार्यकाल से तुलना करते हुए की। बेनीवाल के मुताबिक, उस समय भी विकास कार्यों के नाम पर जनता की सहमति और संवाद के बिना करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े प्रमुख धार्मिक स्थलों को हटा दिया गया था। उन्होंने साफ किया कि यह मामला सिर्फ किसी एक मंदिर या मस्जिद का नहीं, बल्कि जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों और सांस्कृतिक विरासत का है।

राजस्थान में भजनलाल सरकार द्वारा मंदिरों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों को हटाने की जो कार्रवाई शुरू की गई है, उसने एक बार फिर वसुंधरा राजे के शासनकाल के उस पुराने दौर की याद ताजा कर दी है।

जयपुर में मस्जिद को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई का जिक्र करते हुए बेनीवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने लिखा कि कुछ मुस्लिम विधायकों ने तो इस कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन बरसों तक मुस्लिम समुदाय के समर्थन से मलाईदार राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े दिग्गज इस संवेदनशील मुद्दे पर पूरी तरह 'मौन' साधे बैठे हैं। बेनीवाल ने सीधे सवाल दागा कि 'क्या सत्ता और विपक्ष के कुछ प्रमुख नेताओं के बीच धार्मिक आस्थाओं से जुड़े मामलों में कोई अंदरूनी सहमति बन चुकी है? जनता इस सेटिंग का जवाब चाहती है।'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को नसीहत देते हुए आरएलपी नेता ने कहा कि विकास करना किसी भी सरकार का दायित्व है और हम इसके विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास की कीमत नहीं चुकाई जा सकती। सड़क चौड़ीकरण या सौंदर्यीकरण के नाम पर कार्रवाई करने से पहले संबंधित समुदायों को विश्वास में लेना जरूरी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि लोकतंत्र बुलडोजर की ताकत से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से चलता है।

बेनीवाल ने प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान बार-बार इंटरनेट बंद करने की नीति को सरकार की नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि अगर आपको कार्रवाई के लिए इंटरनेट बंद करना पड़ रहा है, तो इसका मतलब है कि आप जनता का विश्वास जीतने में फेल रहे हैं। उन्होंने इंटरनेट बंद होने से आम जनता को होने वाले नुकसानों को गिनाते हुए कहा- डिजिटल पेमेंट पूरी तरह ठप हो जाते हैं, जिससे छोटे दुकानदार और सब्जी विक्रेता परेशान होते हैं। उबर, ओला, स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े हजारों युवाओं की रोजी-रोटी छिन जाती है। बैंकिंग और ऑनलाइन टिकट जैसी आवश्यक सेवाएं पूरी तरह रुक जाती हैं।

कांग्रेस नेता के पुश्तैनी घर में चोरी, 2 पुरानी तिजोरियां तोड़ लाखों का माल चुराया

अजमेर, 10 जून (एजेंसियां)। शहर में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही है। अजमेर में चोरों ने 10 से 15 दिन तक धीरे-धीरे करके कांग्रेस नेता के मकान में चोरी की और लाखों का माल चुरा लिया। दरगाह थाने के होलीदड़ा स्थित सत्यनारायण मंदिर के पास चोरों ने कांग्रेस नेता के पुश्तैनी सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के माल समेट लिया। चोर मकान की दो तिजोरियां तोड़कर करीब साढ़े 400 ग्राम सोना, चांदी के बर्तन, नकदी तथा पीतल-तांबे के बर्तन चुराए। चोरी गए सामान की कीमत 20-30 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार राजनारायण आसोपा का होलीदड़ा स्थित सत्यनारायण मंदिर के पास पुश्तैनी से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोर ने मकान की रेकी कर उसे निशाना बनाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी एक रात में नहीं बल्कि करीब 10 से 15 दिन तक धीरे-धीरे चोरी की वारदात को अंजाम देता रहा। पड़ोसियों ने उसको खिड़की से उतरते देखा तो मकान मालिक को सूचना दी। तब जाकर चोरी का पता चला।

आसोपा ने बताया कि चोर मकान के तीनों कमरों के ताले तोड़कर अंदर घुसा। दो कमरे में रखी दो तिजोरियों को भी तोड़ दिया। तिजोरियों में रखे जेवर, चांदी के बर्तन और नकदी चुरा ले गया। पड़ोसी ने चोरी की सूचना दी थी। उन्होंने एक संदिग्ध व्यक्ति को बोरी लेकर मकान की खिड़की से नीचे उतरते देखा। उसे पकड़ने का प्रयास भी किया गया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि युवक क्षेत्र में रहता है। पुलिस संदिग्ध की पहचान का प्रयास में जुटी है। घटना का खुलासा तब हुआ जब परिवार के सदस्य अजमेर के मकान पर पहुंचे। मकान के भीतर ताले टूटे हुए मिले। सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। कमरे और तिजोरियों के टूटे होने की स्थिति देखकर परिवार के होश उड़ गए। इसके बाद तत्काल दरगाह थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर दरगाह थाना पुलिस मौके पर पहुंच घटनास्थल का जायजा लिया। एफएसएल टीम ने फिंगर प्रिंट उठाए।

खराब मौसम का असर: दिल्ली जाने वाली कई उड़ानें जयपुर डायवर्ट, यात्रियों को हुई परेशानी

जयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में मंगलवार रात खराब मौसम और प्रतिकूल उड़ान परिस्थितियों का असर हवाई सेवाओं पर साफ देखने को मिला। मौसम खराब होने के कारण दिल्ली जाने वाली कई उड़ानों को एहतियातन जयपुर एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना पड़ा। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाओं, खराब दृश्यता और मौसम में अचानक आए बदलाव के चलते विमानों की लैंडिंग प्रभावित हुई। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कई उड़ानों को जयपुर भेजने का निर्णय लिया। उड़ानों के डायवर्ट होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा, जबकि कुछ को एयरपोर्ट पर इंतजार भी करना पड़ा। हालांकि, एयरलाइंस और एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। विमानन अधिकारियों के मुताबिक, मौसम सामान्य होने के बाद उड़ानों के संचालन को फिर से व्यवस्थित किया गया। जिन उड़ानों को जयपुर डायवर्ट किया गया था, उन्हें बाद में मौसम और एयर ट्रैफिक की स्थिति के अनुसार दिल्ली के लिए रवाना किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार रात तेज हवाएं और बदलते मौसम के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हुआ। ऐसे हालात में विमानन सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए एयरलाइंस को वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी पड़ी। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून पूर्व मौसमीय गतिविधियों के दौरान इस तरह की परिस्थितियां बनना सामान्य है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी एयरलाइन से अवश्य प्राप्त कर लें।

भरतपुर जिला क्रिकेट संघ सस्पेंड, सचिव पर स्थानीय खिलाड़ियों से पैसे मांगने का आरोप

भरतपुर, 10 जून (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी ने अनियमितताओं के आरोपों पर भरतपुर जिला क्रिकेट संघ निलंबित कर दिया गया। सचिव पर आरोप लगा था कि वे बाहरी खिलाड़ी खिला रहे और स्थानीय खिलाड़ियों से रुपए मांग रहे थे। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी की मंगलवार को आरसीए एकेडमी स्थित कार्यालय पर बैठक हुई। बैठक में भरतपुर जिला क्रिकेट संघ को निलंबित कर दिया।

बीडीसीए (भरतपुर जिला क्रिकेट संघ) को निलंबित करते हुए, कंवीनर डॉ. मोहित यादव ने कहा कि हमें भरतपुर जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थी, इन लगातार शिकायतों पर निर्णय लेते हुए हमनें ये फैसला लिया है।

निर्णय के अंतर्गत बीडीसीए को निलंबित कर दिया गया है। भरतपुर डीसीए की खामियों को बताते हुए कहा गया कि बीडीसीए में एनओसी की भी पालना नहीं की गई। भरतपुर जिला क्रिकेट संघ लोकल खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहा है और उसके बजाय बाहर के खिलाड़ियों को खिलाया जा रहा है। सचिव पर आरोप लगा कि वे बाहरी खिलाड़ी खिला रहे और स्थानीय खिलाड़ियों से रुपए मांग रहे थे।

खिलाड़ियों ने भरतपुर क्रिकेट संघ पर आरोप लगाते हुए बताया कि वहां के सचिव स्थानीय खिलाड़ियों से रुपए मांग रहे हैं। हमारे पास इसकी रिकॉर्डिंग मौजूद हैं। कमेटी ने तय किया कि किसी भी कीमत पर इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इसलिए हमने काफी सोच-विचार कर बीडीसीए को सस्पेंड कर दिया।

भरतपुर जिला क्रिकेट संघ के निलंबित होने के बाद अब वहां की सारी क्रिकेट गतिविधियां आरसीए अपने स्तर पर चलाएगा। यादव ने आगे कहा कि हम उदयपुर स्टेडियम के लिए अदाणी ग्रुप सहित अन्य सहयोगियों से बात कर रहे हैं, क्योंकि पहले भी उन्होंने रुचि दिखाई थी। अभी वहां की जमीन फाइनल हुई है, अभी काफी काम करना है।

भरतपुर जिला क्रिकेट संघ के साथ नागौर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता वापस लेने के मुद्दे पर कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवसर ने कहा कि नागौर में भी हमें कई वित्तीय मामलों में गड़बड़ियां मिली हैं।

जिसे बनना था सहारा, वही बना कातिल, बेटे ने पिता का काटा गला

अलवर, 10 जून (एजेंसियां)। अलवर शहर के चोर डूंगरी के पास रामकृपाल नगर इलाके में मंगलवार रात एक ऐसी वारदात हुई जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। यहां मूल रूप से डीग के मालूकी गांव के रहने वाले रोहिताश कुमार (जो अलवर में ई-रिक्शा चलाते थे) अपने किराए के मकान में में सो रहे थे।

तभी उनके नाबालिग बेटे ने लकड़ी काटने वाले गंडासे से उनके गले पर कई वार किए। इस हमले में रोहिताश की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई और पूरी चारपाई खून से सन गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने हत्या में इस्तेमाल गंडासा चारपाई के नीचे ही फेंक दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि रोहिताश के साले की 7 जून को शादी थी, जिसमें शामिल होने पूरा परिवार गया हुआ था। शादी के बाद 8 जून को रोहिताश और उसका बेटा वापस अलवर लौट आए थे, जबकि उनकी पत्नी अपने भाई की शादी के बाकी कार्यक्रमों के कारण पीहर में ही रुकी हुई थी। अगली ही रात यानी 9 जून को जब रोहिताश्व घर पर सोए, तो बेटे ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे दिया।

वारदात के बाद आरोपी बेटे ने खुद ही अपने मामा कालू को फोन किया और कहा कि मामा जल्दी घर जाओ और पापा को बचा लो। जब कालू आनन-फानन में कमरे पर पंहुचा, तो वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। रोहिताश का शव लहूलुहान हालत में चारपाई पर पड़ा था।

धर्म परिवर्तन मामले पर सियासत तेज
कांग्रेस बोली- नहीं हुआ धर्म परिवर्तन, ये आरएसएस का एजेंडा

उदयपुर, 10 जून (एजेंसियां)। ऋषभदेव थाना क्षेत्र के कानुवाड़ा गांव में सामने आए कथित धर्म परिवर्तन मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। एक ओर भाजपा इसे अंतरराज्यीय साजिश बता रही है तो वहीं कांग्रेस ने धर्म परिवर्तन के आरोपों को खारिज करते हुए पूरे मामले को आरएसएस के एजेंडे का हिस्सा बताया है। मंगलवार को जिला देहात कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रघुवीर मीणा के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल कानुवाड़ा गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीणों और संबंधित परिवारों से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में रघुवीर मीणा ने कहा कि ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से बताया है कि उन्होंने कोई धर्म परिवर्तन नहीं किया है और न ही किसी प्रकार के प्रलोभन या दबाव में धर्म बदलने की बात कही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है और यह आरएसएस के एजेंडे का हिस्सा प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले में पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग करेगी।

इससे पहले रविवार को उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत भी कानुवाड़ा गांव पहुंचे थे। ग्रामीणों से बातचीत के बाद उन्होंने मामले को अंतरराज्यीय षड्यंत्र करार दिया था। रावत का दावा था कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आदिवासी परिवारों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित किया जा रहा था और कुछ लोग इसके प्रभाव में भी आ चुके हैं। सांसद रावत ने कहा था कि यह जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने की सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है, जिसकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। 6 जून को कानुवाड़ा-बिलखाई क्षेत्र में बाबूलाल के नेतृत्व में एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इस सभा में आसपास के 20 से अधिक गांवों के करीब 200 लोग शामिल हुए थे। ग्रामीण नानालाल की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि गरीब आदिवासी परिवारों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पादरियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। फिलहाल इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

नागौर में 53 लाख की चोरी का खुलासा
पुलिस ने 1200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, दो शातिर चोर गिरफ्तार

नागौर, 10 जून (एजेंसियां)। जिले के मेड़तासिटी थाना क्षेत्र के डांगावास गांव में हुई करीब 53 लाख रुपए की सनसनीखेज चोरी का पुलिस ने महज 12 दिनों में खुलासा कर दिया है। जिला पुलिस, डीएसटी और मेड़तासिटी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हनुमानगढ़ के दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है, जबकि चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में और डीएसपी रामकरण सिंह मलिंडा की निगरानी में गठित विशेष टीम ने इस चुनौतीपूर्ण मामले की गहन जांच की। वारदात स्थल और आसपास कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी कैमरा नहीं होने के बावजूद पुलिस ने करीब 1000 से 1200 सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्य, फील्ड इंटेलिजेंस और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार 27 मई 2026 को डांगावास निवासी देवाराम जाट के मकान का ताला तोड़कर चोर 34 से 35 तोला सोने-चांदी के आभूषण और करीब ढाई लाख रुपए नकद चोरी कर ले गए थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 53 लाख रुपए आंकी गई थी।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते सहायक प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

जैसलमेर, 10 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जैसलमेर टीम ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने पोकरण स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में तैनात सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानी सिंह को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी ने यह रिश्वत एक आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े नोटिस के निस्तारण (सैम्युअल/निपटारे) की एवज में मांगी थी।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचंद ने बताया कि एक परिवादी ने एसीबी कार्यालय में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसके आंगनबाड़ी केंद्र के एक मामले में विभाग द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था।

इस नोटिस के निस्तारण और मामले को रफा-दफा करने की एवज में कार्यालय का सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानी सिंह लगातार रिश्वत की मांग कर रहा था। रिश्वत न देने पर आरोपी द्वारा परिवादी को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने गोपनीय तरीके से मामले का सत्यापन करवाया। शिकायत सही पाए जाने पर बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचंद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और सीडीपीओ कार्यालय में जाल (ट्रैप) बिछाया गया।

जैसे ही परिवादी ने सहायक प्रशासनिक अधिकारी भवानी सिंह को उसके कार्यालय में पांच हजार रुपए की रिश्वत की राशि थमाई, वैसे ही मुस्तैद एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की रंगी हुई राशि भी बरामद कर ली गई है।

दफ्तर के भीतर अचानक हुई

अवैध खनन रोकने पहुंची टीम पर हमला

झुंझुनू, 10 जून (एजेंसियां)। जिले के कालोटा क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ वन विभाग की बड़ी कार्रवाई के दौरान खनन माफियाओं का खौफनाक चेहरा सामने आया। सरकारी कार्रवाई से बचने के लिए माफियाओं ने न केवल वन विभाग की सरकारी बोलेरो को जोरदार टक्कर मारी, बल्कि ड्यूटी पर तैनात सहायक वन संरक्षक पर जानलेवा हमला भी कर दिया। इस सनसनीखेज घटनाक्रम में वन विभाग और पुलिस टीम बाल-बाल बची।

डीएफओ काव्या बी. के अनुसार वन विभाग के फ्लाइंग स्क्वायड और उदयपुरवाटी पुलिस की संयुक्त टीम को कालोटा क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम रसूलपुर से खेवा की ढाणी की ओर रवाना हुई। इसी दौरान सामने से अवैध पत्थरों से भरी एक ट्रैक्टर-टॉली आती दिखाई दी। टीम ने चालक को रुकने का इशारा किया लेकिन उसने वाहन रोकने के बजाय तेज गति से भागना शुरू कर दिया।

इसी बीच पीछा करने के दौरान माफियाओं ने हमला बोल दिया। रास्ते में मनीष पुत्र प्रह्लाद फागणा निवासी खेवा ने सरकारी बोलेरो के आगे बैठे एसीएफ हरेंद्र भाकर पर हमला कर दिया। इस हमले में बोलेरो का आगे का शीशा पूरी तरह टूट गया।

इसके बाद भी माफियाओं का दुस्साहस नहीं रुका। ट्रैक्टर चालक ने जान-बूझकर सरकारी बोलेरो को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ट्रॉली का हिस्सा बोलेरो के बोनट पर चढ़ गया।

बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर लूट
24 घंटे के भीतर 3 आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 10 जून (एजेंसियां)। जिले के स्वरूपगंज थाना क्षेत्र में खेत में सो रहे एक बुजुर्ग के साथ हुई लूट और जानलेवा हमले की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बुजुर्ग के कान से सोने की मुरकी लूट ली थी और विरोध करने पर कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। फिलहाल पुलिस लूटी गई मुरकी की बरामदगी और मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है। थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और वृत्ताधिकारी पिंडवाड़ा के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार घटना 7 जून रात की है। एक बुजुर्ग किसान अपने खेत में कृषि कार्य पूरा करने के बाद पास ही स्थित खाट पर सो रहा था। खेत एक होटल के समीप स्थित है। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और सो रहे बुजुर्ग को निशाना बनाया। आरोपियों में से एक ने बुजुर्ग के पैर पकड़ लिए, जबकि दूसरे ने उनके कान में पहनी सोने की मुरकी तोड़कर निकाल ली। जब बुजुर्ग ने विरोध करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित की रिपोर्ट पर सिरोही जिले के स्वरूपगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की और विभिन्न स्तरों पर जानकारी जुटाई। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ के बाद पुलिस ने रमेश कुमार पुत्र दलाजी निवासी मोराफली, आबूरोड, कपुता पुत्र सादाराम निवासी भमरिया फली, पानिया (रोहिड़ा) तथा जोगेश कुमार उर्फ योगेश कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी बागरा, जिला जालोर हाल निवासी आबूरोड को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है और उनसे अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

फसल विविधीकरण में बंदर और जंगली जानवर बन रहे बड़ी बाधा

किसानों ने मांगी सोलर फेंसिंग पर सब्सिडी

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है, लेकिन किसान संगठनों का कहना है कि बंदरों और जंगली जानवरों से होने वाला नुकसान किसानों को धान की खेती छोड़कर अन्य फसलों की ओर जाने से रोक रहा है। किसानों का मानना है कि धान की खेती अपेक्षाकृत सुरक्षित और लाभदायक है, क्योंकि इसमें कम लागत, कम श्रम, सुनिश्चित खरीद, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकारी बोनस जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

किसान नेताओं के अनुसार, मूंगफली, सब्जियां, फल और अन्य वाणिज्यिक फसलों को बंदरों, जंगली सूअरों, मोरों और चित्तीदार हिरणों से भारी नुकसान पहुंचता है। रायथु स्वराज्य वेदिका के नेता कन्नेगंती रवि ने कहा कि इन जानवरों के कारण किसानों की खड़ी फसलें नष्ट हो जाती हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कुछ किसानों ने

अपने खेतों की सुरक्षा के लिए सोलर फेंसिंग लगाई है, जिससे अच्छे परिणाम मिले हैं। हालांकि इसकी लागत काफी अधिक है। किसानों के अनुसार, सोलर फेंसिंग लगाने में प्रति एकड़ लगभग 35 हजार रुपये खर्च होते हैं, जो अधिकांश किसानों की पहुंच से बाहर है। इसी कारण किसान संगठन सरकार से इस पर सब्सिडी देने की मांग कर रहे हैं।

रैतु स्वराज्य वेदिका और कुछ गैर सरकारी संगठनों ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत किसानों को सहायता दिलाने का प्रयास किया है। इसके तहत यादाद्री भुवनगिरी जिले के तुरकापल्ली क्षेत्र में कुछ किसानों को सोलर फेंसिंग लगाने के लिए वित्तीय सहायता भी मिली है। किसान नेताओं का कहना है कि यदि सरकार वास्तव में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना चाहती है, तो उसे किसानों को खेतों की सुरक्षा के लिए सोलर फेंसिंग पर सब्सिडी उपलब्ध करानी चाहिए। उनका सुझाव है कि पहले चुनिंदा क्षेत्रों में पायलट परियोजना शुरू कर इसके परिणामों का आकलन किया जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, किरायेदार किसानों की स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण है। खेती की लागत के साथ-साथ उन्हें बढ़ते भूमि पट्टे का बोझ भी उठाना पड़ रहा है। कई क्षेत्रों में पट्टे की दरें 53 हजार रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच गई हैं, जबकि औसत दर लगभग 14,936 रुपये प्रति एकड़ बताई गई है। कम लाभ के कारण कई छोटे किसान अधिक भूमि पट्टे पर लेकर खेती करने को मजबूर हैं।

किसानों का कहना है कि धान की तुलना में बागवानी और व्यावसायिक फसलें भारी बारिश तथा पशुओं से होने वाले नुकसान के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। यही कारण है कि अधिकांश किसान अभी भी धान की खेती को ही प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बंदरों और जंगली जानवरों की समस्या को लेकर ग्राम पंचायतों और वन विभाग को बार-बार शिकायतें देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

डीजीपी ने आदिलाबाद दौरे में सड़क सुरक्षा दिया जोर

आदिलाबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने बुधवार को आदिलाबाद जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करने, सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए ग्राम स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने दौरे की शुरुआत में डीजीपी ने पुलिस गेस्ट हाउस परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद उन्होंने बाल ट्रैफिक प्रशिक्षण पार्क का उद्घाटन किया तथा नशामुक्ति केंद्र और यातायात सिग्नल व्यवस्था का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने आदिलाबाद कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एकीकृत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगभग 300 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे कुल कैमरों की संख्या लगभग 600 हो गई है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में 1,200 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं, जिन्हें कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा गया है।

डीजीपी ने कहा कि आदिलाबाद को हैदराबाद और साइबराबाद की तरह सुरक्षित जिला बनाने का लक्ष्य होना चाहिए और तकनीक आधारित पुलिसिंग को गांव स्तर तक ले जाना आवश्यक है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, नशे की रोकथाम और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने और जन शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

इसके बाद डीजीपी ने गुडिहत्नूर मंडल के तोशा गांव में आयोजित प्रजा पालना प्रगति प्राणालिका कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और हर गांव में सड़क सुरक्षा समितियां गठित करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष तेलंगाना में सड़क दुर्घटनाओं में 7,800 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से अधिकांश को सावधानी और नियमों के पालन से रोका जा सकता था। उन्होंने पंजाब का उदाहरण देते हुए नशे की समस्या पर चिंता जताई और युवाओं से शिक्षा, रोजगार और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान देने की अपील की। डीजीपी ने बताया कि आदिलाबाद जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी दर्ज की गई है, जहां पिछले वर्ष जनवरी से मई के बीच 72 मौतें हुई थीं, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में यह संख्या घटकर 48 रह गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण और नशा विरोधी अभियानों को मजबूत कर रही है। उन्होंने पुलिस, जनता, जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों से मिलकर सुरक्षित समाज बनाने का आह्वान किया।

दुबई सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए एनआरआई उद्यमी की मानवीय सहायता

दुबई, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई के एमिरेट्स रोड पर हाल ही में हुए भीषण सड़क हादसे में सात कर्मचारियों की मौत के बाद प्रभावित परिवारों की मदद के लिए एनआरआई उद्यमी और परोपकारी डॉ. शमशीर वयालिल ने बड़ी मानवीय सहायता की घोषणा की है।

इस हादसे में तेलंगाना के जगतियाल जिले के तीन लोगों सहित कई भारतीय श्रमिकों की जान गई थी। डॉ. शमशीर वायलिल, जो बुर्जिल होल्डिंग्स के अध्यक्ष और सीईओ हैं, ने मृतकों के परिवारों और घायलों की सहायता के लिए वित्तीय सहायता कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने घोषणा की है कि हादसे में मारे गए सातों कर्मचारियों के परिवारों को 26-26 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा नौ घायल व्यक्तियों के इलाज और पुनर्वास के लिए 47 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि आपात स्थिति में परिवारों के यात्रा और आवास के लिए 18 लाख रुपये तथा बच्चों की शिक्षा सहायता के लिए 13 लाख रुपये भी अलग से प्रदान किए जाएंगे। उनका कहना है कि यह पहल प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत देने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से की गई है। डॉ. शमशीर वायलिल ने कहा कि यह हादसा उन श्रमिकों की कठिनाइयों और बलिदान की याद दिलाता है, जो अपने परिवारों से दूर रहकर आजीविका कमाते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन इससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत जरूर मिलेगी। उन्होंने बताया कि वह इस पूरे मामले में भारतीय दूतावास के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि सहायता सही लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस त्रासदी से प्रभावित हर परिवार के साथ वे खड़े हैं। डॉ. शमशीर ने पहले भी कई मानवीय आपदाओं में सहायता प्रदान की है, जिसमें अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद पीड़ितों को करोड़ों रुपये की मदद शामिल है। उनकी यह पहल प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए संकट की घड़ी में एक महत्वपूर्ण सहारा मानी जा रही है।

साइबराबाद पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई

पति समेत आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने आईडीए बोलारम थाना क्षेत्र में 36 वर्षीय मीना देवी की सनसनीखेज हत्या का मामला सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति अनिल कुमार साह और बिहार के एक सुपारी किलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पति अनिल कुमार ने घरेलू विवादों के चलते अपनी पत्नी की हत्या की साजिश रची और इसके लिए बिहार के अपराधी गिरोह को 2 लाख रुपये दिए थे। यह हत्या 30 मई को गंडिगुडम गांव के पास अंजाम दी गई। आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी कहानी गढ़ी और दावा किया कि उसकी पत्नी का अपहरण कर अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी है। उसने खुद को मामूली चोटें भी पहुंचाईं ताकि जांच को भ्रमित किया जा सके। इस मामले में एक आरोपी रंजन को बिहार से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर हैदराबाद लाया गया है, जबकि अन्य आरोपी रिंकू कुमार और नीरज की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आया है कि पति को पत्नी से लंबे समय से विवाद था और वह अपनी कमाई मायके भेजने को लेकर नाराज था। साथ ही एक दुर्घटना के बाद कमजोर होने पर पत्नी द्वारा उपेक्षा किए जाने से वह और आक्रोशित हो गया था।

मानसून में भी खुले रहेंगे वन्यजीव पर्यटन स्थल

पर्यटक उठा सकेंगे सफारी का आनंद

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून का मौसम प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव पर्यटन के शौकीनों के लिए खास माना जाता है। बारिश से निखरे जंगल, हरियाली से भरपूर परिदृश्य और प्राकृतिक सौंदर्य इस मौसम को और आकर्षक बना देते हैं। हालांकि, इसी दौरान देश के कई राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य अपने मुख्य क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए बंद कर देते हैं। वन विभाग प्रजनन स्थलों की सुरक्षा, जंगलों के संरक्षण और भारी बारिश के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मानसून में कई पार्कों को बंद रखता है। इसके कारण जुलाई में वन्यजीव सफारी की योजना बनाने वाले पर्यटकों को अक्सर निराशा का सामना करना पड़ता है। हालांकि, देश के कुछ प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थल मानसून के दौरान भी अपने बफर जोन या चुनिंदा क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए खुले रखते हैं।

महाराष्ट्र का ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व मानसून के दौरान कई बफर जोन में सफारी की सुविधा उपलब्ध कराता है। हरियाली से भरपूर वातावरण और अपेक्षाकृत कम भीड़ के कारण यहां सफारी का अनुभव अलग ही होता है। वहीं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में फैला पेंच राष्ट्रीय उद्यान भी जुलाई में चुनिंदा क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए खुला रहता है। 'द जंगल बुक' से प्रेरित इस जंगल की खूबसूरती बारिश के मौसम में और बढ़ जाती है।

मध्य प्रदेश का सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान भी मानसून में प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। घने जंगल, कोहरे से ढके पहाड़ी क्षेत्र और समृद्ध जैव विविधता इसे विशेष बनाते हैं। वहीं कर्नाटक का नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, विशेषकर काबिनी क्षेत्र, मानसून के दौरान भी पर्यटकों का स्वागत करता है। यहां हाथी, हिरण और विभिन्न पक्षियों को प्राकृतिक वातावरण में देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश का दुधवा राष्ट्रीय उद्यान भी मानसून में सीमित क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए खुला रहता है। यह अभयारण्य अपनी समृद्ध वन्यजीव संपदा के लिए प्रसिद्ध है और बारिश के मौसम में प्रकृति के करीब समय बिताने का अच्छा अवसर प्रदान करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून सफारी वन्यजीवों के साथ-साथ जंगलों के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने का अनूठा अवसर देती है। ऐसे में पर्यटक यात्रा से पहले संबंधित पार्कों की खुली और बंद रहने वाली सफारी जोन की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

राजमार्ग पर डकैती करने वाला गिरोह गिरफ्तार

मदनूर, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजमार्ग पर डकैती करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मदनूर पुलिस ने तीन मामलों में शामिल उनके पास से दो बाइक, चार मोबाइल फोन और तीन चाकू जब्त किया है। बांसवाड़ा डीएसपी बी. विट्ठल रेड्डी ने बुधवार को बताया कि कामारेड्डी जिले के मदनूर, जुक्कल और निजामसागर पुलिस स्टेशनों में राजमार्गों पर अकेले यात्रा कर रहे लोगों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले एक अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार शेख गौस निवासी: देगलूर, महाराष्ट्र पास के राष्ट्रीय राजमार्ग-161 पर बाइक चला रहे थे, तभी अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें रोका और चाकू दिखाकर उनका मोबाइल फोन और 1000 रुपये नकद लूट लिए। मदनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जिला एसपी एम. राजेश चंद्र के मार्गदर्शन व बांसवाड़ा डीएससी बी. विट्ठल रेड्डी के निर्देशन में बिचकुंडा सर्कल इंस्पेक्टर रविकुमार, मदनूर एसआई मोहन रेड्डी और सीसीएस एसआई उस्मान की विशेष टीमें गठित की गईं। तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। मामले की विस्तृत जांच में पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के शेख इलियास, मोहम्मद इस्माइल उर्फ जुनैद और समीर शाह है। जांच में पता चला कि वे राजमार्गों पर अकेले यात्रा कर रहे लोगों को निशाना बनाते थे और उन्हें घातक हथियारों से धमकाकर लूटपाट करते थे।

योजना के अनुसार, आरोपी 1 जून 2026 को नांदेड़ से एक बाइक पर निकले और मदनूर में शेख गौसान को लूट लिया। उसी रात जुक्कल चौराहे पर उन्होंने वी. शीनिवासन को चाकू दिखाकर धमकाया और उनका मोबाइल फोन व 300 रुपये नकद छीन लिए। उसी रात उन्होंने निजामसागर क्षेत्र में चकली राजू से एक पल्सर बाइक भी लूट ली। इन तीनों घटनाओं के संबंध में मदनूर, जुक्कल और निजामसागर पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए हैं। बिचकुंडा सर्कल इंस्पेक्टर रविकुमार, मदनूर एसआई मोहन रेड्डी, सीसीएस एसआई उस्मान, कांस्टेबल विट्ठल, विष्णु, श्रवण, शिव, श्रीकांत और अन्य तथा उनकी टीम ने इन मामलों को सुलझाया।

अत्तापुर स्थित तेजस्वी नगर में गिरधारी लाल, राजकुमार, नरेन्द्र, ज्योतिषी पं महेशचन्द्र शर्मा, कपिल मनोज, सुरेश व महेश शर्मा ने कथावाचक पं अनिरुद्ध दूनी का आशीर्वाद लेते हुए।

एनडीए की पहली महिला कैडेटों को मिलेगा कमीशन

वायु सेना अकादमी में होगी ऐतिहासिक परेड

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित वायु सेना अकादमी (एएफए) में शनिवार को आयोजित होने वाली 217वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) के दौरान राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से पास आउट हुई महिला कैडेटों के पहले बैच को कमीशन प्रदान किया जाएगा। यह भारतीय सशस्त्र बलों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। ये महिला कैडेट 30 मई 2025 को पुणे स्थित एनडीए से स्नातक होने के बाद शाखा-विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए वायु सेना अकादमी में शामिल हुई थीं। अब प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें भारतीय वायु सेना में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

इस भव्य समारोह की समीक्षा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। परेड भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं में फ्लाइट कैडेटों के प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक होगी। समारोह के दौरान रक्षा मंत्री प्रशिक्षुओं को 'राष्ट्रपति कमीशन' प्रदान करेंगे। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और वियतनाम के प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर 'विंग्स' और 'ब्रेवेट्स' भी प्रदान किए जाएंगे। फ्लाइंग, नेविगेशन और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले फ्लाइट कैडेटों को 'राष्ट्रपति पट्टिका' से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत आकाश गंगा और एयर वॉरियर ड्रिल टीम (एडब्ल्यूडीटी) के विशेष प्रदर्शन से होगी। इसके बाद वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में फ्लाईपास्ट आयोजित किया जाएगा। फ्लाईपास्ट में पिलाटस पीसी-7 एमके-II, हॉक, किरण और चेतक जैसे प्रशिक्षण विमान हिस्सा लेंगे। वहीं एसयू-30 एमकेआई, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के हवाई करतब इस समारोह के प्रमुख आकर्षण होंगे। यह आयोजन भारतीय वायु सेना की क्षमता, अनुशासन और आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था का भव्य प्रदर्शन भी होगा।

सेल्सफोर्स ने 2030 तक 10 लाख युवाओं को एआई कौशल देने की घोषणा की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक टेक कंपनी सेल्सफोर्स ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि वह वर्ष 2030 तक देशभर में 10 लाख शिक्षार्थियों को एआई-केंद्रित कौशल से प्रशिक्षित करेगी। यह घोषणा सेल्सफोर्स इंडिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा अपने 10 वर्षों के नवाचार और विकास पूरे होने के अवसर पर की गई।

कार्यक्रम के तहत कंपनी भारत सरकार के विभिन्न डिजिटल और कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ मिलकर काम करेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
www.scr.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं.-डीआरएम/वर्क्स/एससी/69-87/2026/ओटी, दि.05-06-2026
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.03-07-2026 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सं.- 69 _सीओ _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः सिकंदराबाद स्टेशन (केजेडजे-एचवायबी&केसीजी छोर पर), हैदराबाद स्टेशन (एससी छोर पर) तथा आलुगड्डाबावी (एससी) के स्टेशन एप्रोचेस पर बाउण्डरी का निर्माण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,81,89,750.00 अग्रधन रु.5,63,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः36 महिने

क्रम सं.-02, ई-निविदा सं.- 70 _सीआर _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-एससी-केजेडजे सेक्शनः डीइएन/सेंट्रल/एससी सेक्शन के तहत तत्संबंधित विविध याडर्स पर किमी 11.913 लंबाई हेतु संपूर्ण ट्रैक नवीनीकरण (रिन्युएल्स) तथा किमी 1.134 लंबाई हेतु स्लीपर नवीनीकरण (रिन्युएल्स) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,06,09,844.00 अग्रधन रु.6,12,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः60 (दिन)

क्रम सं.-03, ई-निविदा सं.- 71 _सीआर _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः डीइएन/सेंट्रल क्षेत्राधिकार के तहत जीएनपी, आलेर, डब्ल्यूपी, बीएन, एमएलवाय में अतिरिक्त सीओपीज का प्रावधान तथा जीएनपी, आरजीपी, आलेर, बीएन, एमएलवाय स्टेशनों पर न्यू शीटींग & गट्टर सहित मौजूदा सीओपीज का उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.13,91,48,996.00 अग्रधन रु.27,83,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-04, ई-निविदा सं.- 72 _सीआर _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एससी-केजेडजे सेक्शनःघानपुर-एससी-केजेडजे सेक्शन पर डाउन लूप लाइन साइड काजीपेट छोर पर घानापूर स्टेशन पर लान्गर लूप लाईन का प्रावधान। एसडब्ल्यू 2) एससी-केजेडजे सेक्शनः नसकल- केजेडजे- एससी सेक्शन पर अप लूप लाइन साइड एससी छोर पर नसकल स्टेशन पर लान्गर लूप लाईन का प्रावधान (दो पैकेट प्रणाली)। अनुमानित निविदा मूल्य रु.13,50,86,109.00 अग्रधन रु.27,01,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-05, ई-निविदा सं.- 73_एन _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः एसआर. डीइएन/नार्थ/एससी क्षेत्राधिकार के तहत अनुलग्नक नुसार विविध स्थानों पर, अनुलग्नक नुसार कुल लम्बाई 10.984 किमी हेतु टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः टीबीआरः कुल लम्बाई 31.383 हेतु बीसीएम द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक का थ्रू बाल्लास्टींग कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,74,63.493.00 अग्रधन रु.3,49,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 60 (दिन)

क्रम सं.-06, ई-निविदा सं.- 74_एन _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः (डीएन,युपी, युडी)-अनुलग्नक नुसार पीक्यूआरएस/टीआरटी पध्दति द्वारा रिकुपमेन्ट सहित 35 सेमी. तक बाल्लास्ट कुशन की वृध्दि संबध्द सीटीआर (पी) कार्य तथा कुल लम्बाई 5.301 किमी हेतु बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग करना। एसडब्ल्यू 2) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः (डीएन,युपी & युडी लाइन)- एसआर. डीइएन/नार्थ/एससी क्षेत्राधिकार के तहत अनुलग्नक नुसार पीक्यूआरएस/टीआरटी पध्दति द्वारा रिकुपमेन्ट सहित 35 सेमी. तक बाल्लास्ट कुशन की वृध्दि तथा कुल लम्बाई 81.43 किमी हेतु बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग संबध्द टीएसआर (पी) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.7,94,14,906.00 अग्रधन रु.15,88,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः18 महिने, रखरखाव अवधिः 60 (दिन)

क्रम सं.-07, ई-निविदा सं.- 75_एन _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एडीइएन/बीपीए सब-डिवीजन के तहत विविध स्थानों पर साइड ड्रेन्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू 2) एडीइएन/आरडीएम सब-डिवीजन के तहत विविध स्थानों पर साइड ड्रेन्स का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,03,00,139.00 अग्रधन रु.8,06,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-08, ई-निविदा सं.- 76_डब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) सीटीएफः एडीइएन/वीकेबी सब-डिवीजन के तहत रेल लेवल से हाय लेवल तक पीएफ 1 & पीएफ 2 को उंचा करना, सीओपी का प्रावधान तथा चिटगिड्डा स्टेशन पर यात्रियों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था। एसडब्ल्यू 2) सीटीएफः एसआर.डीइएन/पश्चिम क्षेत्राधिकार के तहत चिट्टगिड्डा (सीटीएफ) स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। अनुमानित निविदा मूल्य रु.5,16,27,717.00 अग्रधन रु.10,32,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-09, ई-निविदा सं.- 77_डब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडब्ल्यूडी-एससी सेक्शनः एडीइएन/वीकेबी-एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत विविध स्थानों पर एलडब्ल्यूआर प्रोफाइल नुसार, कट्टिंग्स तथा ड्रेनेज के प्रति चौडीकरण का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,20,13,806.00 अग्रधन रु.8,40,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-10, ई-निविदा सं.- 78_डब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःवाडी-एससी सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एसइएम&टीडीयु-तत्संबंधित एडीइएन/टीडीयु सब-डिवीजन के तहत विभिन्न याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार तथा उन्नयन कार्य के अंतर्गत ड्रैन्स, पाथवेज का प्रावधान, डेड एन्ड्स का मानकीकरण, मक या कूडा हटाना। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,92,37,494.00 अग्रधन रु.9,84,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-11, ई-निविदा सं.- 79_डब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःवाडी-एससी सेक्शनः एसआर.डीइएन/पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत नवीनतम सुधार पर्चियों सहित आईआरएस विनिर्देशन सं. आईआरएसटी-19-2021 नुसार, अल्युमिनो थेर्मिक प्रक्रिया द्वारा 52 केजी/60केजी रेल्स हेतु रेल जायन्ट्स का इन-सिटु फ्यूजन वेल्डिंग कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.75,38,234.00 अग्रधन रु.1,50,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः06 महिने, रखरखाव अवधिः 120 जीएमटी या 3 वर्ष जोभी पहले हो

क्रम सं.-12, ई-निविदा सं.- 80_डब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःएससी-डब्ल्यूडी सेक्शन (डीएन लाइन)-एसडब्ल्यू 1) रिकुपिंग सहित 35 सेमी. तक बाल्लास्ट की वृध्दि तथा कुल लम्बाई 1.68 किमी हेतु बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग संबंधित सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन (अप & डाउन लाइन)-कुल लंबाई 3.662 किमी हेतु टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 3) एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन (अप & डाउन लाइन)-रिकुपमेन्ट सहित बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी. तक वृध्दि तथा अनुलग्नक नुसार, कुल लंबाई 31.10 किमी हेतु बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से जुडा टीएसआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 4) एससी-डब्ल्यूडी -टीएफआर (सभी फिट्टिंग्स)-विभिन्न स्थानों पर कुल लंबाई 83.705 किमी हेतु पीएससी स्लीपर ट्रैक पर फिट्टिंग संपूर्ण नवीनीकरण या थ्रू रिन्युएल करना। एसडब्ल्यू 5) वीकेबी-पीआरएलआईः टीटीआरआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर (1 इन 8.5-7, 1इन12-14 सेट्स, 1इन 16-3 सेट्स) कुल 24 सेट्स के लिए संपूर्ण टर्नआउट रिन्युअल या नवीनीकरण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.7,79,25,158.00 अग्रधन रु.15,58,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः18 महिने, रखरखाव अवधिः 60 (दिन)

क्रम सं.-13, ई-निविदा सं.- 81_एस _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनःतत्संबंधित किमी 99/12-13 पर बीआर. नं.145, किमी102/5-6 पर बीआर.नं.155 व्यवस्था। मौजूदा 1X12.20एम स्टील गिर्डर के पीजीपी-एमयुजीआर स्टेशनों के बीच 1X12.20एम स्पैन युक्त पीएसबी स्लैब सहित प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,08,47,663.00 अग्रधन रु.4,17,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-14, ई-निविदा सं.- 82_एस _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः जीएलइ-पीजीपी स्टेशनों के बीच किमी 77/7-8 पर बीआर. नं.100, जीएलई-पीजीपी स्टेशनों के बीच किमी78/13-14 पर बीआर.नं.102, पीजीपी-एमयुजीआर स्टेशनों के बीच किमी 83/3-4 पर बीआर. नं. 107 कार्य। मौजूदा 1X12.20एम स्टील गिर्डर के1X12.20एम स्पैन युक्त पीएसबी स्लैब सहित प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,11,51,262.00 अग्रधन रु.6,23,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-15, ई-निविदा सं.- 83_एस _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुर्जीआर सेक्शनः गाजुलागुडेम तथा पांडुरंगापुरम स्टेशनों के बीच किमी 67/13-14 पर बीआर. नं.85 कार्य, मौजूदा 2X12.20एम स्टील गिर्डर के2X12.20एम स्पैन युक्त पीएसबी स्लैब सहित प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,24,62,348.00 अग्रधन रु.4,49,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-16, ई-निविदा सं.- 84_एस _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः पांडुरंगापुरम तथा मणुगुरू स्टेशनों के बीच किमी 86/8-9 पर बीआर. नं.114 कार्य, मौजूदा 2X12.20एम स्टील गिर्डर के2X12.20एम स्पैन युक्त पीएसबी स्लैब सहित प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,24,63,804.00 अग्रधन रु.4,49,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-17, ई-निविदा सं.- 85_एस _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणःडीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः पांडुरंगापुरम तथा मणुगुरू स्टेशनों के बीच किमी 94/1-2 पर बीआर. नं.130 कार्य, मौजूदा 2X12.20एम स्टील गिर्डर के2X12.20एम स्पैन युक्त पीएसबी स्लैब सहित प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,25,00,310.00 अग्रधन रु.4,50,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः09महिने, रखरखाव अवधिः 48 महिने

क्रम सं.-18, ई-निविदा सं.- 86_एनडब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः डीइएन/उत्तर-पश्चिम क्षेत्राधिकार में एडीइएन/केआरएमआर सब-डिवीजन के तहत कोरटला (केआरएलए), मोर्टाड (एमआरटीडी), आरमूर (एआरएमयु) तथा नुकापल्ली मल्लियाल (एनपीएमएल) पर परिसंचरण क्षेत्रों का सुधार कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,12,42,579.00 अग्रधन रु.8,24,900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

क्रम सं.-19, ई-निविदा सं.- 87_एनडब्ल्यू _एससी_26 _ओटी कार्य विवरणः भालकीः भालकी रेलवे स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग का पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,92,55,916.00 अग्रधन रु.5,85,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12महिने, रखरखाव अवधिः 36 महिने

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
आईआरईपीएस वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते /अन्य कार्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।
एसआर. डीइएन/को-आर्ड./सिकंदराबाद
A420
निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टनम
हमें x@SCoRailway पर फालो करें।
निविदा सं.-जीटीएल-इएम-15 &;19-2026-27, दि.09-06-2026
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।
निविदा सं.-जीटीएल-इएम-15 -2026-27, कार्य विवरणःगुन्टकल डिवीजन-धर्मावरम-प्रस्तावित 30 बिस्तरों की क्षमतायुक्त टीटीई रेस्ट हाउस सहित किचन, डाइनिंग तथा रिक्रिएशन आदि सुविधाओं हेतु बिजली व्यवस्थाएं।अनुमानित मूल्य रु.44,21,636.31
बंद करने की तिथि & समयः 01-07-2026 के 15.00 बजे
निविदा सं.-जीटीएल-इएम-19 -2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः उक्त डिवीजन पर सभी इलेक्ट्रिकल एस्सेट्स के एर्थिंग आरेंजमेन्ट्स का प्रावधान, उचित रुप से सुधार करते हुए/मौजूदा एर्थ पिट्स का प्रतिस्थापन करते हुए तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य रु.93,32,473.9
बंद करने की तिथि & समयः 30-06-2026 के 15.00 बजे
निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, रखरखाव, गुन्टकल
सं.-जीएनटी/डब्ल्यू.496/निविदाएं, दि.09-06-2026, ई-निविदा सूचना ई-निविदा सूचना सं.496/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.03-07-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।
क्रम सं.1, टेंडर आईडी 2865 एसआर. डीइएन सेक्शनः उत्तर, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1-डीइएन/नार्थ सेक्शन में आरयुबीज का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू 2-डीइएन/नार्थ सेक्शन में ड्रैनेज सिस्टम की मरम्मत, पम्पिन्ग तथा आरयुबीज का डिसिल्टिंग कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.23878161.00 अग्रधन रु.477600.00
1. ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 03-07-2026 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।
2. किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।
विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुन्टूर
SCoR-A022
निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

फिटनेस टेस्ट के दौरान चोट लगी; एक दिन पहले फिट घोषित किया गया था

नई दिल्ली, 10 जून (एजेंसियां)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करने के कुछ ही घंटों बाद हार्दिक को जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) आ गया। सीरीज 13 जून से शुरू हो रही है।

32 साल के हार्दिक आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए पीठ की जकड़न का शिकार हो गए थे। वे इसी चोट से उबरकर फिटनेस क्लियरेंस सर्टिफिकेट लेने बेंगलुरु पहुंचे थे।

बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अब नई चोट की वजह से उन्हें रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए कम से कम तीन हफ्ते का समय लगेगा, जिसके चलते वे आगामी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

जानकारी के अनुसार, हार्दिक पंड्या बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट के आखिरी दौर में थे। असेसमेंट के

वनडे करियर
हार्दिक पंड्या
1904 रन
मैच- 94 | बेस्ट- 92
विकेट- 91

दौरान उन्होंने अपनी पूरी क्षमता देखने के लिए मैदान पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की। माना जा रहा है कि लंबे ब्रेक के बाद अचानक बॉलिंग का पूरा कोटा डालने के कारण ही उनकी जांघ की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वे नई चोट का शिकार हो गए।

भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी खेलेंगे। दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे।

रोहित आईपीएल के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं, हार्दिक पंड्या पीठ की जकड़न की वजह से परेशान थे। दोनों मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए चोटिल हुए थे। दोनों को वनडे सीरीज के लिए सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया था।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार, 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। सीरीज के बाकी दो मैच 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में होंगे।

हार्दिक ने आईपीएल 2026 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए कुछ मैच मिस किए थे, लेकिन वे 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम के आखिरी मुकाबले में मैदान पर लौटे थे।

विराट कोहली हैमस्ट्रिंग यानी जांघ की मसल्स में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं।

इस साल गुजरात के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेलते हुए उनकी जांघ में खिंचाव आया था।

अफगानिस्तान के लिए टीम घोषित करते के समय चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने बताया था कि कोहली की रिकवरी का सही समय अभी तय नहीं है। इंग्लैंड वनडे सीरीज तक वह फिट हो सकते हैं, लेकिन यह पक्का नहीं है। कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

कल से इंग्लैंड में महिला टी20 वर्ल्ड कप

पहली बार मैदान में होंगी 5 गेमचेंजर खिलाड़ी

12 टीमों में से मिलेगी भविष्य की सुपरस्टार

लंदन, 10 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप हमेशा से उन खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा मंच रहा है, जो अपनी प्रतिभा को साबित करना चाहती हैं। कई दिग्गज क्रिकेटरों ने अपने करियर की पहचान इसी टूर्नामेंट से बनाई थी। आज से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू हो रहे वर्ल्ड कप में भी कुछ नए नाम सुर्खियां बटोरने के लिए तैयार हैं।

पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिससे नए खिलाड़ियों को अपनी छाप छोड़ने का बड़ा मौका मिलेगा। इनमें पांच खिलाड़ी ऐसी हैं, जो पहली बार टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगी और अपनी टीमों की उम्मीदों का केंद्र होंगी।

23 वर्षीय क्रांति गौड़ करीब एक साल पहले तक भारतीय क्रिकेट में एक उभरती हुई प्रतिभा थीं, लेकिन अब वे टीम की अहम तेज गेंदबाजों में गिनी जाती हैं।

पिछले 12 महीनों में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेजी से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 29 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 35 विकेट झटके हैं। भारत को अगर वर्ल्ड कप में अच्छी शुरुआत चाहिए तो क्रांति की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। यह उनका पहला टी20 वर्ल्ड कप है, लेकिन उनसे उम्मीदें किसी अनुभवी खिलाड़ी से कम नहीं हैं।

इंग्लैंड की तेज गेंदबाज 24 साल की वोंग लंबे समय से क्रिकेट विशेषज्ञों की नजर में रही हैं। 2023 में वह टीम के साथ रिजर्व खिलाड़ी के रूप में गईं। अब पूरी तरह फिट होकर लौटने वाली वोंग के पास घरेलू परिस्थितियों में खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर है।

द. अफ्रीका की 21 वर्षीय कायला रेनेके को भविष्य माना जा रहा है। पूर्व अंडर-19 कप्तान रेनेके ऑफ स्पिनर होने के साथ-साथ निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता भी रखती हैं।

22 वर्षीय युवा बल्लेबाज ने 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 156.43 के स्ट्राइक रेट और 39 के शानदार औसत से 474 रन बनाए हैं। एलिसा हीली के संन्यास के बाद जो जगह बनी है, उसे भरने की जिम्मेदारी वोल पर आ सकती है। वर्ल्ड कप जैसा बड़ा मंच उनके लिए खुद को स्थापित करने का अवसर होगा।

नीदरलैंड्स पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहा है और टीम की सबसे बड़ी उम्मीद स्टेरे कालिस होंगी। 26 साल की उम्र में उनके पास 64 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है, जिसमें 1949 रन बनाए हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम घोषित

इस्लामाबाद, 10 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने आगामी एशियन गेम्स 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के मुताबिक, इस बार पाकिस्तानी टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। अनुभवी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि दाएं हाथ के बल्लेबाज अब्दुल समद को उप-कप्तान बनाया गया है।

इस स्क्वॉड में चार ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अब तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। इनमें आकिफ जावेद, अली रजा, माज सदाकत और साद मसूद शामिल हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का पूरा स्क्वॉड

साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उप-कप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सईम अयूब, सुफियान मुकीम और उस्मान खान।

सरबजोत-लक्षिता, अखिल और साक्षी राष्ट्रीय चयन ट्रायल में जीते

ऐश्वर्य प्रताप तीसरे स्थान पर

देहरादून, 10 जून (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिंह, सेना की निशानेबाज लक्षिता, विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व पदक विजेता अखिल श्योराण और महाराष्ट्र की साक्षी सुनील पेडेकर ने राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल टी4 में अपने अपने वर्ग में जीत दर्ज की। पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सरबजोत ने 245.9 अंक लेकर बाजी मारी। सेना के अर्जेंद्र सिंह चौहान 245.1 अंक के साथ दूसरे और विश्व चैंपियन सम्राट राणा 221.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

हरियाणा के कमलजीत चौधरी चौथे, सौरभ चौधरी पांचवें ,पंजाब

के उदयवीर सिद्धू छठे, राजस्थान के ओमप्रकाश मिठरवाल सातवें और सेना के प्रमोद आठवें स्थान पर रहे। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में सेना की लक्षिता ने हरियाणा की सुरभि राव को 0.2 अंक से पछाड़ा। उत्तर प्रदेश की मानसी आनंद तीसरे स्थान पर रहीं। आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2025 रजत पदक विजेता संयम चौथे, हरियाणा की मुस्कान भानवाला पांचवें और दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर छठे स्थान पर रहीं।

पुरुषों के 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उत्तर प्रदेश के अखिल ने नौसेना के नीरज कुमार को 0.2 अंक से हराया। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर तीसरे स्थान पर रहे। ओलंपियन चैन सिंह (चौथे), निखिल तंवर (पांचवें), गोल्डी गुर्जर (छठे), सिद्धार्थ गौर (सातवें) और आद्रियन कर्माकर (आठवें) इनके बाद रहे। महिला वर्ग में महाराष्ट्र की साक्षी ने कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन को 0.4 अंक से हराया। मध्यप्रदेश की आशी चौकसी तीसरे स्थान पर रहीं। केरल की विदर्सा के विनोद चौथे, ओलंपियन अंजुम मोद्गिल और सिफ्त कौर सामरा क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहीं। सेना की प्रिया सातवें और हरियाणा की निश्छल सिंह आठवें स्थान पर रहीं।

पहले वनडे में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को 86 रन से हराया

21 साल बाद कंगारू टीम पर मिली दूसरी जीत; नालेद राणा ने झटके 4 विकेट

मीरपुर, 10 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने मीरपुर में खेले गए पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 86 रन से हरा दिया। बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास में यह केवल दूसरी जीत है। इससे पहले साल 2005 में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार किसी वनडे मैच में मात दी थी।

इस मुकाबले में करीब चार साल बाद वनडे क्रिकेट में वापसी कर रहे मोसाद्देक हुसैन ने पहले बल्लेबाजी में नाबाद 86 रनों की पारी खेली और बाद में गेंदबाजी में भी 2 विकेट चटकाए। वहीं, नावेद राणा ने 4 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले हफ्ते पाकिस्तान से वनडे सीरीज 2-1 से हारने के बाद यहां पहुंची है, जहां उसे पहले ही मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 284 रन बनाए थे। जवाब में 285 रनों के लक्ष्य का पीछा करते उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 42.2 ओवरों में

मोसाद्देक हुसैन 86*

9 विकेट खोकर केवल 191 रन ही बना सकी थी कि तभी मैदान पर तेज बिजली कड़कने और बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू न होने की स्थिति में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रनों से विजेता घोषित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरून ग्रीन 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

चार साल बाद टीम में लौटे मोसाद्देक हुसैन बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने महज 70 गेंदों में 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन कूट डाले। हालांकि, इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई फील्डर्स ने उन्हें तीन जीवनदान भी दिए। कूपर कॉनोली, ओलिवर पीक और एडम जम्पा ने उनके कैच छोड़े, जिसका मोसाद्देक ने पूरा फायदा उठाया। उनके अलावा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 67 और ओपनर तंजीद हसन ने 54 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन एलिस सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 38 रन देकर 3 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और पारी की पहली ही गेंद पर ओपनर मैथ्यू शॉर्ट को तस्कीन अहमद ने बोल्ड कर दिया। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन भी सिर्फ 1 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान का शिकार बने। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में 0, 5 और 19 रन बनाने वाले लाबुशेन का फ्लॉप शो यहां भी जारी रहा। मिडिल ऑर्डर में कूपर कॉनोली (35) ने कप्तान जोश इंग्लिस (19) और एलेक्स कैरी (47) के साथ छोटी साझेदारियां कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे टीम को संकट से नहीं निकाल सके।

बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने अपनी रफ्तार से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड से गेंदबाजी करते हुए राणा ने 41 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उन्होंने अपने दूसरे स्पेल में घातक गेंदबाजी करते हुए तीन ओवरों में तीन विकेट निकालकर ऑस्ट्रेलिया की कमर तोड़ दी।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स संन्यास ले सकते हैं

लंदन, 10 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास (रिटायरमेंट) का ऐलान भी कर सकते हैं। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट टॉकस्पोर्ट की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह डेवलपमेंट लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के तुरंत बाद सोमवार तड़के हुए एक नाइटक्लब विवाद के बाद सामने आया है। इस विवाद में कप्तान बेन स्टोक्स के साथ टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी शामिल थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप में दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। क्रिकेट वेबसाइट 'द क्रिकेटर' के सीनियर करिस्पोंडेंट जॉर्ज डोबेल ने टॉकस्पोर्ट से बातचीत में बताया कि स्टोक्स अनुशासन समिति के फैसले का इंतजार करने के बजाय खुद ही पीछे हटने का मन बना रहे हैं। डोबेल ने कहा, 'मुझे जो भी जानकारियां मिल रही हैं, उससे डर है कि स्टोक्स ईसीबी की कार्रवाई से पहले ही खुद कदम उठाएंगे।'

फुटबॉल वर्ल्डकप में अमेरिका पर भेदभाव के आरोप

रेफरी को वापस भेजा, रन-वे पर खिलाड़ियों की जांच

डॉग स्क्वॉड बुलाया; फैन बोले- अपराधियों सा बर्ताव

वॉशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अमेरिका पर भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। विवाद तब बढ़ा, जब सेनेगल, उज्बेकिस्तान और सोमालिया से जुड़े खिलाड़ियों व अधिकारियों की रनवे पर ही कड़ी जांच की गई। ड्रग्स की जांच के लिए डॉग स्क्वॉड भी बुलाया गया।

इन घटनाओं के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

विवाद उस समय और बढ़ गया, जब सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन को वैध अमेरिकी वीजा होने के बावजूद मियामी एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। आर्टन वर्ल्ड कप में रेफरी की जिम्मेदारी निभाने वाले पहले सोमाली अधिकारी बनने वाले थे।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त जांच के बाद उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इस फैसले को सोमालिया के खेल

मंत्रालय ने खेल भावना के खिलाफ बताया है।

कई यूजर्स ने फीफा पर भी आरोप लगाया कि विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा उन देशों के खिलाड़ियों के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार पर चुप है। जांच से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या यह व्यवहार सभी टीमों के साथ समान था। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- क्या किसी श्वेत टीम के साथ भी ऐसा हुआ, या यह व्यवहार केवल सेनेगल के लिए था? यह अजीब है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ ने आरोप लगाया कि फीफा विश्व कप के लिए उसके लिए रिजर्व टिकटों का हिस्सा वापस ले लिया गया इससे उन ईरानी प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है जिन्होंने पहले ही यात्रा की बुकिंग कर ली थी, लेकिन अब वे अपनी टीम के मैच नहीं देख पाएंगे।

ईरान का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 जून को होगा। इसके बाद टीम 22 जून को बेल्जियम और 27 जून को इजिप्ट से भिड़ेगी। ईरानी महासंघ ने कहा- ईरानी समर्थकों को टिकट कोटे से वंचित करना खेल भावना और समानता के सिद्धांत के खिलाफ है।

फीफा वर्ल्डकप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी और 104 मैच खेले जाएंगे।

फीफा वर्ल्ड कप में जहरीले सांपों से खतरा

हुई ये चूक तो डस सकते हैं, स्विटजरलैंड टीम को मिली चेतावनी

वाशिंगटन, 10 जून (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जहरीले सांपों से खतरा है। सांप से सावधान रहने की चेतावनी दी गई है। हालांकि, ये सतर्कता सभी टीमों को नहीं बरतनी बल्कि सिर्फ स्विट्जरलैंड की टीम को ये हिदायत दी गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका में जहां पर स्विटजरलैंड की टीम ट्रेनिंग कर रही है, वहां पर रैटल स्नैक रहते हैं, जिनकी गिनती दुनिया के टॉप 5 जहरीले सांपों में होती है। स्विटजरलैंड के खिलाड़ियों को ये सख्त निर्देश है कि वो अपनी ट्रेनिंग एरिया के बाहर बिल्कुल ना निकलें।

स्विटजरलैंड की टीम इस वक्त सैन डियागो में अपने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों में जुटी है। वहां उसके ट्रेनिंग कैंप के बाहर रैटल स्नैक की 4 अलग जहरीली प्रजातियों का बसेरा है। स्विस फुटबॉलरों को चेताते हुए कहा गया है कि वो अपने ट्रेनिंग कैंप से बाहर नहीं जाएं। अगर गलती से गेंद किक लगने के बाद ट्रेनिंग कैंप के बाहर चली भी जाती है तो जान जोखिम में डालने से बेहतर है कि वो उस गेंद को छोड़ दें और दूसरी गेंद से अभ्यास करें। स्विटजरलैंड की टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में उसके अलावा मेजबान कनाडा, कतर और बोस्निया एंड हेजरगोविनिया की टीम है। स्विटजरलैंड की गिनती फुटबॉल की सबसे कन्सिस्टेंट टीमों में होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इन्हें गेम को कंट्रोल करना आता है। उसके अलावा ये टीम कम गलतियां करने के लिए भी जानी जाती है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। अगले महीने की 19 तारीख तक फुटबॉल का ये महाकुंभ पूरी दुनिया को रोमांचित करता दिखेगा। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में इस बार पहली बार 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहली बार ही ये भी होगा जा रहा है कि फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी 3 देश- अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको- मिलकर कर रहे हैं।

सेरेना विलियम्स की जीत के साथ कोर्ट पर वापसी

लंदन, 10 जून (एजेंसियां)। दुनिया की महानतम टेनिस खिलाड़ियों में शामिल सेरेना विलियम्स ने करीब 4 साल के लंबे ब्रेक के बाद प्रोफेशनल टेनिस कोर्ट पर वापसी की है। 44 साल की अमेरिकी स्टार ने लंदन में खेले जा रहे क्वींस क्लब ग्रासकोर्ट

डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के महिला डबल्स मुकाबले में जीत के साथ अपने सफर की शुरुआत की।

इस टूर्नामेंट के लिए सेरेना विलियम्स को वाइल्डकार्ड एंट्री मिली है। उन्होंने कनाडा की 18 साल की उभरती हुई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ जोड़ी बनाई है। खेले गए मुकाबले में इस जोड़ी ने अपनी विपक्षी और टूर्नामेंट की तीसरी वरियता प्राप्त टीम को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

चोट से लौटते ही मेसी ने दिखाया जादू

दो मिनट में बदला मैच का रंग

न्यूयॉर्क, 10 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से पहले मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने अपने अंतिम अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत की सबसे बड़ी खासियत कप्तान लियोनेल मेसी की वापसी रही, जिन्होंने चोट से उबरने के बाद मैदान पर उतरते ही अपना प्रभाव छोड़ दिया। अलबामा के ऑबर्न में खेले गए इस मुकाबले में अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। हालांकि मैच के शुरुआती मिनटों में आइसलैंड को बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। इसके बाद अर्जेंटीना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैच के आठवें मिनट में वालेंटिन बार्को ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिला दी। बार्को का यह गोल दर्शकों के लिए किसी शानदार तोहफे से कम नहीं था और इससे टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पहले हाफ में अर्जेंटीना ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन दूसरा गोल नहीं कर सकी। इसके बावजूद टीम लगातार आइसलैंड के डिफेंस पर दबाव बनाती रही। मैच से पहले मेसी की फिटनेस को लेकर काफी चर्चा थी। इंटर मियामी के लिए खेलते हुए उन्हें मांसपेशियों में थकान और

बाएं हैमस्ट्रिंग में हल्का खिंचाव महसूस हुआ था। इसी वजह से कोच लियोनेल स्कालोनी ने उन्हें शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया।

मेसी को दूसरे हाफ में मैदान पर उतारा गया और उन्होंने आते ही मैच की दिशा बदल दी। मैदान पर आने के कुछ ही क्षण बाद उनकी सटीक पासिंग ने लाउतारो मार्टिनेज के लिए मौका बनाया। इसी दौरान मार्टिनेज को बॉक्स के अंदर फाउल हुए और अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली। पेनल्टी लेने आए मेसी ने बेहद आत्मविश्वास के साथ गेंद को जाल में पहुंचा दिया। सोशल मीडिया पर उनके इस गोल की खूब चर्चा हुई और कई प्रशंसकों ने इसे उनके करियर की सबसे शानदार पेनल्टी में से एक बताया।

घाना में 'फार्मा हब' की स्थापना के लिए हरसंभव सहयोग : श्रीधर बाबू

घाना के औद्योगिक विकास को दिशा देगा तेलंगाना

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा है कि घाना के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए तेलंगाना सरकार पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि घाना में प्रस्तावित 'फार्मा हब' की स्थापना के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में घाना गणराज्य के राष्ट्रपति सलाहकार ऑगस्टस ओबुआडुम टानो के नेतृत्व में आए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रीधर बाबू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान तेलंगाना और घाना के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने घाना सरकार की महत्वाकांक्षी '24 आवर इकोनॉमी एंड एक्सेलरेटेड एक्सपोर्ट डेवलपमेंट प्रोग्राम' तथा प्रस्तावित फार्मा हब परियोजना की जानकारी देते हुए घाना के औद्योगिक और आर्थिक परिवर्तन में तेलंगाना के सहयोग का अनुरोध किया।

मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना ने अल्प समय में औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है और आज फार्मा, जीवन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। उन्होंने राज्य में लागू उद्योग-अनुकूल नीतियों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' मॉडल की जानकारी देते हुए कहा कि तेलंगाना औषधि निर्माण, अनुसंधान, वैक्सीन उत्पादन, वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन और जीवन विज्ञान क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता घाना के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि घाना के औद्योगिक और आर्थिक परिवर्तन की यात्रा में तेलंगाना एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक साझेदार की भूमिका निभाएगा।

महान फिल्म निर्देशक भारतीराजा के निधन पर तेलंगाना एफडीसी ने जताया शोक

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सिनेमा, विशेष रूप से दक्षिण भारतीय फिल्म जगत को नई दिशा और नवीनता प्रदान करने वाले महान फिल्म निर्देशक एवं पद्मश्री सम्मानित तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के प्रबंध निदेशक मुकुंदा रेड्डी ने भारतीराजा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि भारतीराजा ऐसे दूरदर्शी फिल्मकार थे जिन्होंने सिनेमा को चारदीवारी वाले स्टूडियो से निकालकर गांवों के हरे-भरे खेतों और प्राकृतिक परिवेश तक पहुंचाया तथा ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्मों को नई पहचान और नई परिभाषा दी। उन्होंने तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में अनेक नए कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को अवसर प्रदान कर उन्हें शीर्ष सितारों के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुकुंदा रेड्डी ने कहा कि भारतीराजा का निधन भारतीय फिल्म उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी रचनात्मक दृष्टि, योगदान और विरासत आने वाली पीढ़ियों के फिल्मकारों को प्रेरित करती रहेगी।

मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन खारिज होने पर महेश गौड़ का तीखा विरोध

टीपीसीसी अध्यक्ष ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन को खारिज किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे लोकतंत्र पर गंभीर प्रहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक साजिशों की पराकाष्ठा है और विपक्षी आवाजों को दबाने का प्रयास है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की दिशा में उठाया गया कदम हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में अनियमितताएं, निर्वाचित प्रतिनिधियों पर दबाव और राजनीतिक प्रलोभन जैसी गतिविधियां अब एक पैटर्न बनती जा रही हैं।

उनके अनुसार यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि संस्था स्वतंत्र रूप से काम कर रही है या सत्तारूढ़ दल के प्रभाव में है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी की कोशिश कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि मीनाक्षी नटराजन के नामांकन खारिज किए जाने के कारणों को देश के सामने स्पष्ट रूप से रखा जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी आधार पर विपक्षी उम्मीदवारों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि विपक्षी नेताओं को राजनीतिक रूप से मुकाबला करने के बजाय साजिशों के माध्यम से निशाना बनाना भाजपा की कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग का राजनीतिक उपयोग लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने सभी लोकतंत्र समर्थकों, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों से इस मुद्दे पर आवाज उठाने की अपील की। साथ ही कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मामले में कानूनी लड़ाई भी लड़ेगी और देशव्यापी आंदोलन चलाने के लिए तैयार है।

नहाती महिला की वीडियो बनाने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर क्षेत्र में अपने घर में नहा रही एक महिला की चोरी-छिपे वीडियो रिकॉर्डिंग करने की कोशिश के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शेकपेट इलाके में हुई, जहां महिला ने नहाते समय बाथरूम के वेंटिलेटर के पास एक मोबाइल फोन कैमरा लगा हुआ देखा। घटना से घबराई महिला ने तुरंत इसकी जानकारी अपने पति को दी। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास तलाश की और अपने घर के सामने स्थित एक कमरे में रहने वाले अरविंद को संदिग्ध के रूप में पहचाना।

पीड़िता की शिकायत पर फिल्म नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने अरविंद को हिरासत में लेकर पूछताछ की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

राज्यपाल ने सैफाबाद टकसाल संग्रहालय का किया दौरा

मुद्रात्मक विरासत संरक्षण पर दिया जोर

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार को सैफाबाद स्थित टकसाल (सिक्का) संग्रहालय का दौरा किया और देश की मौद्रिक एवं आर्थिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के महत्व पर बल दिया। यह संग्रहालय भारतीय सुरक्षा मुद्रण एवं मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड के अंतर्गत स्थापित है। यहाँ ऐतिहासिक सिक्कों, टकसाल उपकरणों तथा भारत में सिक्का निर्माण की विकास यात्रा को दर्शाने वाली प्रदर्शनी मौजूद है।

निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न कालखंडों के सिक्कों, उनके निर्माण की प्रक्रिया तथा प्रयुक्त मशीनरी का अवलोकन किया। भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. रमाकांत दीक्षित ने उन्हें संग्रहालय के इतिहास, सिक्का निर्माण प्रक्रिया और विभिन्न प्रकार के सिक्कों के महत्व की जानकारी दी। राज्यपाल ने दुर्लभ प्रदर्शों और पुराने टकसाल उपकरणों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने एक डॉक्यूमेंट्री भी देखी, जिसमें देश में सिक्का उत्पादन के लगभग एक शताब्दी लंबे इतिहास को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, सैफाबाद टकसाल संग्रहालय के पुनर्निर्माण एवं पुनर्विकास से संबंधित प्रस्तुति भी दी गई।

उन्होंने कहा कि ऐसे संग्रहालय विद्यार्थियों और युवाओं को भारत के इतिहास और आर्थिक प्रणाली के विकास से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने भारत की समृद्ध मुद्राशास्त्रीय विरासत को संरक्षित और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के प्रयासों की सराहना की।

टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक के रूप में एम. राजशेखर ने संभाला पदभार

नवनियुक्त ईडी राजशेखर ने एमडी वाई. नागिरेड्डी से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) में वरिष्ठ अधिकारी एम. राजशेखर ने बुधवार को हैदराबाद स्थित बस भवन में कार्यकारी निदेशक (आईटी, पी, ए.एम. एवं लीगल) के रूप में आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवनियुक्त कार्यकारी निदेशक का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

एम. राजशेखर ने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप निगम के आईटी विभाग को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा तथा यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग और लाइव बस ट्रैकिंग जैसी डिजिटल सेवाओं को और अधिक सरल एवं सुलभ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आईटी विभाग के साथ-साथ कार्मिक, परिसंपत्ति प्रबंधन तथा विधिक विभागों की जिम्मेदारियों का भी प्रभावी ढंग से निर्वहन किया जाएगा और निगम के राजस्व स्रोतों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए आंतरिक प्रशासन को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। साथ ही निगम से संबंधित कानूनी मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कर टीजीएसआरटीसी के हितों की रक्षा की जाएगी। एम. राजशेखर ने कहा कि प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए टीजीएसआरटीसी को जनता के और अधिक निकट लाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

वेतन और मानदेय में देरी पर सरकार सख्त

समय पर भुगतान के निर्देश जारी

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत कर्मचारियों, आउटसोर्सिंग कर्मियों और अन्य निचले स्तर के कर्मचारियों के वेतन एवं मानदेय में हो रही देरी को लेकर उठ रहे विरोध के बीच तेलंगाना सरकार ने सभी विभागों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम कर्मचारियों की लगातार बढ़ती शिकायतों और हाल ही में सामने आई रिपोर्टों के बाद उठाया गया है। वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया द्वारा 9 जून को जारी परिपत्र ज्ञापन में कहा गया है कि नियमित, संविदा, आउटसोर्सिंग तथा मानदेय आधारित सभी श्रेणी के कर्मचारियों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को वेतन और मानदेय का भुगतान किया जाना चाहिए। सरकार ने माना है कि कई मामलों में बिल जमा करने में देरी, प्रक्रियागत कमियों, जांच प्रक्रिया में विलंब और निर्धारित समयसीमा का पालन न होने के कारण भुगतान प्रभावित हो रहा था।

ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस विषय की समीक्षा की है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हाल के महीनों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, नव निर्वाचित सरपंचों, हाउसकीपिंग कर्मचारियों, रोजगार गारंटी योजना से जुड़े कर्मियों और अन्य संविदा कर्मचारियों ने वेतन एवं मानदेय में देरी को लेकर कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। कई कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें महीनों से भुगतान नहीं मिला है।

सस्टेनेबल माइनिंग में सिंगरेणी की एक और बड़ी उपलब्धि

पर्यावरणीय मानकों के उत्कृष्ट पालन पर केंद्र की सराहना

ब्याज सहित लगभग 40 करोड़ रुपये की जमा राशि वापस

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह केवल कोयला उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खदानों के बंद होने के बाद पर्यावरण संरक्षण और पुनर्वास कार्यों में भी देश की अग्रणी संस्थाओं में शामिल है। बेल्लमपल्ली क्षेत्र की डोर्ली-2 ओपनकास्ट खदान को केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा निर्धारित सभी पर्यावरणीय और माइन क्लोजर मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक बंद करने पर केंद्रीय संस्था कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन (सीसीओ) ने खदान शुरू होने के समय जमा कराई गई लगभग 40 करोड़ रुपये की एस्क्रो राशि ब्याज सहित सिंगरेणी को वापस करने का निर्णय लिया है। इसे राज्य सरकार के मार्गदर्शन में सिंगरेणी द्वारा अपनाई जा रही पर्यावरण-अनुकूल नीतियों और सस्टेनेबल माइनिंग मॉडल की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। डोर्ली-2 खदान के लिए सिंगरेणी ने वर्ष 2013-14 में स्वीकृतियां प्राप्त की थीं और पर्यावरणीय उपायों के लिए अनुमानित 26.79 करोड़ रुपये की राशि भारतीय स्टेट बैंक में एस्क्रो डिपॉजिट के रूप में जमा कराई थी। लगभग सात वर्षों तक कोयला उत्पादन के बाद वर्ष 2023-24 में इस खदान को बंद कर दिया गया। खदान बंद होने के बाद किए गए पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, भूमि पुनर्स्थापन और अन्य कार्यों का जुलाई 2024 में पश्चिम बंगाल स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिबपुर द्वारा स्वतंत्र ऑडिट कराया गया। ऑडिट में सिंगरेणी द्वारा सभी निर्धारित शर्तों का पूर्ण पालन किए जाने की पुष्टि की गई, जिसके बाद कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन ने जमा राशि को ब्याज सहित वापस करने की प्रक्रिया शुरू की। सिंगरेणी ने खदान क्षेत्र में पहले मौजूद वन क्षेत्र के बराबर 162.517 हेक्टेयर में घना हरित क्षेत्र विकसित किया। खनन से पहले हटाई गई लगभग 19.76 लाख घन मीटर उपजाऊ मिट्टी को सुरक्षित रखकर पुनः उपयोग में लाया गया, जिससे ओवरबर्डन डंप क्षेत्रों में घना वृक्षारोपण संभव हो सका। वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए डस्ट कलेक्टर, वेट ड्रिलिंग, वाटर स्प्रिंकलर और मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाए गए, जबकि जल प्रदूषण रोकने के लिए 10 किलोमीटर लंबी गारलैंड ड्रेनेज, चेक डैम और सेटलिंग टैंक बनाए गए। खदान से निकलने वाले पानी को शुद्ध कर आसपास की नहरों में छोड़ा गया।

ईवीएम गोदाम का तिमाही निरीक्षण सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

राज्य अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. वेंकटेश्वरलु ने बुधवार को रंगारेड्डी के राजेंद्रनगर स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) गोदाम का तिमाही निरीक्षण किया। यह निरीक्षण मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने गोदाम में सुरक्षित रखी गई बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू), वीवीपैट मशीनों तथा अन्य चुनावी सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और रिकॉर्ड रखरखाव से संबंधित दस्तावेजों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से गोदाम की सुरक्षा, संचालन और रखरखाव की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित सभी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा ईवीएम की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के बाद राज्य अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. वेंकटेश्वरलु ने जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में गोदाम का पुनः अवलोकन किया और उनके समक्ष गोदाम को सील किया गया। इस अवसर पर राजेंद्रनगर आरडीओ श्रीधर, तहसीलदार, ईवीएम गोदाम प्रभारी बम्मा रामुलु, निर्वाचन विभाग के अधिकारी, अन्य संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खेल मानसिक और शारीरिक राहत प्रदान करते हैं : निर्मला जग्गा रेड्डी

धूमधाम से शुरू हुआ टीजीआईआईसी कर्मचारियों का स्पोर्ट्स मीट

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के कर्मचारियों का वार्षिक खेल महोत्सव (स्पोर्ट्स मीट 2026) हैदराबाद के एल.बी. स्टेडियम में भव्य रूप से शुरू हुआ। इस खेल समारोह का उद्घाटन टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर टीजीआईआईसी के प्रबंध निदेशक शशांक भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने कहा कि लगातार कार्यभार में व्यस्त रहने वाले कर्मचारियों के लिए ऐसे खेल आयोजन मानसिक और शारीरिक राहत प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि खेलों का उद्देश्य केवल जीत-हार नहीं, बल्कि सहभागिता और एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों के बीच आपसी भाईचारा बढ़ाते हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस स्पोर्ट्स मीट में टीजीआईआईसी के पुरुष एवं महिला कर्मचारी बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं, जिससे स्टेडियम में उत्साहपूर्ण वातावरण देखा गया। इस दौरान एथलेटिक्स, क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, लेमन स्पून रेस, स्विमिंग सहित कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। साथ ही शतरंज और कैरम जैसे इंडोर खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में टीजीआईआईसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

भारतीराजा के निधन पर केटीआर ने जताया शोक

हैदराबाद, 10 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने प्रख्यात फिल्म निर्माता और अभिनेता भारतीराजा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिवार, फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना प्रकट की। मंगलवार को तमिल भाषा में जारी अपने शोक संदेश में केटीआर ने कहा कि महान फिल्मकार भरतिराजा, जिन्हें स्नेहपूर्वक असाधारण निर्देशक कहा जाता था, का निधन अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि भरतिराजा ने भारतीय सिनेमा को नई दिशा दी और अपनी फिल्मों के माध्यम से कहानी कहने की एक अलग पहचान स्थापित की।

केटीआर ने कहा कि भरतिराजा का सिनेमा में योगदान आने वाली पीढ़ियों के फिल्म निर्माताओं और दर्शकों को लगातार प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे महान कहानीकारों में से एक को खो दिया है, जिसकी भरपाई करना आसान नहीं होगा। उन्होंने भरतिराजा को भारतीय फिल्म जगत की एक अमूल्य धरोहर बताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही कहा कि उनकी रचनात्मक विरासत और सिनेमा के प्रति समर्पण को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.